শর্মা হার্ডওয়্যার
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 12 | अंक : 246 | गुवाहाटी | शनिवार, 11 अप्रैल, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

रेगिस्तान में दिखी ब्रह्मास्त्र की ताकत, अपाचे ने किया... पेज 2
असम विस चुनाव में युवाओं और महिलाओं की रही अहम भूमिका पेज 3
मुख्यमंत्री योगी ने नेशनल इंटरवेंशनल काउंसिल 2026 का किया उद्घाटन पेज 5
हॉकी इंडिया ने टिम व्हाइट को भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम का ... पेज 7

door graphy Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

बिना कष्ट के ये जीवन एक बिना नाविक के नाव जैसा है, जिसमे खुद का कोई विवेक नहीं। एक हल्के हवा के झोके मे भी चल देता है।

– ईश्वर चंद्र विद्यासागर

असम : एचएसएलसी परीक्षा में 65.62 प्रतिशत उत्तीर्ण

ज्योतिर्मय दास रहा टॉपर

गुवाहाटी (हि.स.)। असम राज्य स्कूल शिक्षा बोर्ड ने शुक्रवार को (एचएसएलसी) परीक्षा 2026 के नतीजे घोषित कर दिए, जिसमें कुल 65.62 प्रतिशत छात्र उत्तीर्ण रहे। परीक्षा में शामिल हुए 4,29,249 छात्रों में से 2,81,701 छात्र सफलतापूर्वक पास हुए। ये परीक्षाएं 10 से 27 फरवरी तक आयोजित की गई थीं, जबकि नतीजे 10 अप्रैल को घोषित किए गए। कुल 4,38,564 विद्यार्थियों ने परीक्षा में शामिल होने के लिए आवेदन किया था, जिनमें से 9,315 अनुपस्थित रहे और 135 को परीक्षा प्रक्रिया के दौरान निष्कासित कर दिया गया। पांच नतीजे रोक दिए गए हैं। परीक्षा में शामिल होने वालों में 1,86,468 छात्र और 2,42,781 छात्राएं थीं। प्रदर्शन के मामले में, छात्रों का पास प्रतिशत 67.78 रहा, जबकि छात्राओं का पास प्रतिशत 63.96 रहा। डिवीजन वार आंकड़ों के अनुसार, 85,189 छात्रों ने प्रथम श्रेणी हासिल की, जिनमें से 3,983 ने डिस्टिंक्शन और 13,681 ने स्टार मार्क हासिल किए। कुल 1,50,167 उम्मीदवार द्वितीय श्रेणी में पास हुए, जबकि 46,345 ने तृतीय श्रेणी हासिल की। विभिन्न विषयों में 99,062 उम्मीदवारों ने लेटर मार्क हासिल किए। डिमा हसाओ 88.23 पास प्रतिशत के साथ सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाला जिला बनकर उभरा, जिसके बाद शिवसागर 84.08 प्रतिशत और डिब्रूगढ़ 78.46 प्रतिशत के साथ दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। कछार जिले का पास प्रतिशत सबसे -शेष पृष्ठ दो पर

वृंदावन में यमुना में मोटर बोट पलटने से पंजाब के 32 श्रद्धालु डूबे, 10 शव निकाले, तलाशी अभियान जारी

मथुरा। वृंदावन में शुक्रवार दोपहर बड़ा हादसा हुआ है। पंजाब के श्रद्धालुओं का जत्था यमुना में घूमने के लिए मोटर बोट पर सवार हुआ था। यह बोट असंतुलित होकर पलट गई। नौ श्रद्धालुओं के शव निकाले जा चुके हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शोक व्यक्त किया है। मांट थाना क्षेत्र में शुक्रवार दोपहर मोटर बोट पलट गई। इसमें पंजाब के मोंगा, मुक्तेश्वर और लुधियाना से आए कुल 32 लोग सवार थे। इनके जत्थे में करीब 150 लोग शुक्रवार सुबह नौ बजे वृंदावन पहुंचे थे। सुबह निधिवन के दर्शन करने के बाद सभी लोग यमुना में पर्यटन के लिए निकले थे।। वृंदावन के केशीघाट पर सभी मोटर बोट पर सवार हुए। मांट थाना क्षेत्र में बने पैंटून पुल से मोटर बोट टकरा कर पलट गई। सभी 32 लोग डूब गए। इनमें से नौ के शव निकाले गए। दस लोग सुरक्षित निकाल लिए गए हैं। गोताखोर लगातार डूबे लोगों को यमुना में खोज रहे हैं। घाट पर अफरा तफरी मची हुई है। लोग बचाने के लिए चिल्ला रहे हैं। पुलिस ने रेस्क्यू आपरेशन शुरू कराया है। नदी में पानी का स्तर बढ़े होने से गोताखोरों को दिक्कत आ रही है। कई एंबुलेंस घटनास्थल पर पहुंच गई है। गोताखोर श्रद्धालुओं को बाहर निकालने में जुटे हैं। घटनास्थल पर जागरण टीम में विनीत मिश्र व विपिन पाराशर मौजूद हैं। शाम साढ़े चार बजे तक नौ श्रद्धालुओं के -शेष पृष्ठ दो पर

लेबनान में इजराइली हमलों में लोगों की मौत पर भारत ने जताई चिंता

नई दिल्ली (हि.स.)। भारत ने लेबनान में इजराइल के हमले में बड़ी संख्या में नागरिकों की मौत पर शुक्रवार को गहरी चिंता जताई। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यहां पत्रकार वार्ता में कहा कि भारत का हमेशा जोर रहा है कि आम नागरिकों की सुरक्षा सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए। पश्चिम एशिया के हालात पर भारत की इस मुद्दे पर पहली आधिकारिक प्रतिक्रिया है। हालांकि विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता की तरफ से जारी बयान में इजराइल का जिक्र नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय कानूनों का पालन करना और राज्यों की संप्रभुता एवं क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करना बेहद आवश्यक है। लेबनान में संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल पर हमले की खबर को परेशान करने वाला बताते हुए प्रवक्ता ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के ये सैनिक देश में शांति और सुरक्षा कायम करने के लिए प्रयासरत हैं। लेबनान में मौजूद भारतीय नागरिकों की सुरक्षा के लिए हमारे स्थानीय मिशन लगातार संपर्क बनाए हुए हैं। उल्लेखनीय है कि ईरान-अमेरिका के बीच युद्ध विराम के बावजूद लेबनान में इजराइल हमले कर रहा है। इससे युद्ध के दोबारा शुरू होने की आशंका बढ़ने लगी है।

नीतीश कुमार हरिवंश ने ली रास की सदस्यता की शपथ

नई दिल्ली (हि.स.)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और राज्यसभा के निवर्तमान उपसभापति हरिवंश ने शुक्रवार को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ ली। उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने संसद भवन में उनको शपथ दिलाई। इस अवसर पर सदन के नेता और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा, वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन, मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री राजीव -शेष पृष्ठ दो पर

पवन खेड़ा को राहत, तेलंगाना एचसी ने दी अग्रिम जमानत

नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की पत्नी रिनिकी भुइयां शर्मा की ओर से दायर एफआईआर के मामले में कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को शुक्रवार को तेलंगाना हाई कोर्ट से राहत मिल गई है। कोर्ट ने उन्हें एक हफ्ते के लिए अग्रिम जमानत दे दी। यह मामला हिमंत विश्व शर्मा की पत्नी रिनिकी भुइयां शर्मा ने दायर किया था। पवन खेड़ा ने उन पर कई पासपोर्ट रखने के आरोप लगाए थे। अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता (खेड़ा) को संबंधित कोर्ट में अर्जी दाखिल करने के लिए एक हफ्ते का समय दिया जाता है। खेड़ा के खिलाफ असम पुलिस ने तब मामला दर्ज किया, जब उन्होंने यह दावा किया कि भुइयां के पास कई पासपोर्ट और विदेशों में अघोषित संपत्तियां हैं। इस सप्ताह की शुरुआत में असम पुलिस ने दिल्ली स्थित उनके आवास की तलाशी भी ली थी, जिसके बाद कांग्रेस नेता ने तेलंगाना हाई कोर्ट का रुख किया। खेड़ा की पैरवी कर रहे कांग्रेस नेता अभिषेक -शेष पृष्ठ दो पर

एआईएमआईएम ने हुमायूं कबीर की पार्टी से तोड़ा गठबंधन

हैदराबाद (हि.स.)। पश्चिम बंगाल में आम जनता उन्नयन पार्टी (एजेयूपी) के नेता हुमायूं कबीर का एक विवादित वीडियो सामने आने के बाद ऑल इंडिया मजलिस-ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) ने उनकी पार्टी से अपना गठबंधन तोड़ लिया है। एआईएमआईएम ने पश्चिम बंगाल में अकेले दम पर चुनाव लड़ने का एलान किया है। एआईएमआईएम ने ऐसे बयानों पर चिंता भी व्यक्त की जो मुसलमानों की एकता पर सवाल उठाते हैं। शुक्रवार को सोशल मीडिया पर जारी एक बयान में एमआईएम की ओर से कहा गया है कि यूजेयूपी के नेता हुमायुं कबीर के हालिया *खुलासों* ने बंगाल में -शेष पृष्ठ दो पर

बंगाल के लिए भाजपा का घोषणापत्र : अमित शाह बोले–

45 दिन के अंदर 7वां वेतन आयोग, यूसीसी होगा लागू

कोलकाता। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के दौरे में है। इस दौरान उन्होंने विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का घोषणापत्र जारी किया। अमित शाह ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के लिए भारतीय जनता पार्टी का घोषणापत्र जारी करते हुए इसे *भरोसे का पत्र* बताया। पार्टी ने इसे *सोनार बांग्ला* का रोडमैप बताते हुए विकास, रोजगार, महिला सशक्तिकरण और राष्ट्रीय सुरक्षा पर फोकस किया है। साथ ही, उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि बंगाल के ही बेटा को ही भाजपा अपना मुख्यमंत्री बनाएगी। उन्होंने कहा कि यह संकल्प पत्र राज्य के हर वर्ग की उम्मीदों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है और मौजूदा निराशा के माहौल से बाहर निकलने का रास्ता दिखाएगा। अमित शाह के अनुसार, इस घोषणापत्र में किसानों, युवाओं और महिलाओं के लिए विशेष योजनाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में आ रही चुनौतियों से जूझ रहे किसानों को इससे नई दिशा मिलेगी, जबकि युवाओं और महिलाओं के सशक्तिकरण पर भी खास जोर दिया गया है। इसके साथ ही बंगाल की सांस्कृतिक पहचान और गौरव को -शेष पृष्ठ दो पर

गैंगस्टरों पर नियंत्रण करने में पंजाब सरकार की बड़ी विफलता उजागर : चुघ

नई दिल्ली (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने शुक्रवार को कहा कि पंजाब में गैंगस्टर संस्कृति को खत्म करने में भगवंत मान सरकार पूरी तरह विफल रही है। गैंगस्टरों को पकड़ने में मदद के लिए सार्वजनिक इनाम की घोषणा राज्य की कानून-व्यवस्था के कामकाज को उजागर करती है। चुघ ने शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि गैंगस्टरों को आम आदमी पार्टी सरकार का संरक्षण प्राप्त है। सरकार हमेशा राज्य को गैंगस्टरों से मुक्त करने में अनिच्छुक रही है। यह पंजाब में कानून-व्यवस्था के पूर्ण पतन का चौंकाने वाला उदाहरण है। चुघ ने कहा कि जिस सरकार को गैंगस्टरों को पकड़ने के लिए नागरिकों को नकद इनाम की घोषणा करनी पड़े, वह अपनी मूल जिम्मेदारी में स्पष्ट रूप से असफल रही है। - शेष पृष्ठ दो पर

परिसीमन का मुद्दा गंभीर, महिला आरक्षण की आड़ में सरकार कर रही जल्दबाजी : कांग्रेस

नई दिल्ली (हि.स.)। कांग्रेस की शीर्ष नीति निर्धारक इकाई कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की शुक्रवार को बैठक हुई। इसका उद्देश्य संसद के आगामी तीन दिवसीय अधिवेशन के लिए पार्टी की रणनीति बनाना था। बैठक में पश्चिम एशिया के हालात को लेकर एक प्रस्ताव पारित किया गया। पार्टी ने विधायिका में महिलाओं के आरक्षण के साथ होने जा रहे परिसीमन को गंभीर मुद्दा बताते हुए सर्वसम्मिति बनाए जाने की आवश्यकता पर बल दिया। पार्टी ने आरोप लगाया कि केंद्र की राजग सरकार राजनीति से प्रेरित होकर विधानसभा चुनावों के बीच में महिला आरक्षण से जुड़े विधेयक लाने जा रही है। सीडब्ल्यूसी की बैठक आज पार्टी मुख्यालय इंदिरा भवन में हुई। इसमें पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा -शेष पृष्ठ दो पर

शिवमोग्गा में भूस्खलन, तीन मजदूरों की मौत, चार घायल

बंगलूरू। कर्नाटक के शिवमोगा जिले में हुलिकल घाट पर सड़क चौड़ीकरण के दौरान एक बड़ा हादसा हो गया। यहां भूस्खलन की चपेट में आने से तीन मजदूरों की जान चली गई और चार अन्य घायल हो गए। पुलिस ने शुक्रवार को इस घटना की जानकारी दी। मृतकों की पहचान 37 वर्षीय राघवेंद्र, 30 वर्षीय राजू और 40 वर्षीय शब्बीर के रूप में हुई है। ये सभी मजदूर वहां सुरक्षा दीवार बनाने के काम में लगे थे। यह घटना गुरुवार दोपहर होसनगरा -शेष पृष्ठ दो पर

बंगाल में बदल गया चुनावी गणित

एसआईआर ने ममता के गढ़ में लगाई सेंध मतुआ वोट कटने से भाजपा की भी बढ़ी चिंता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में 2026 का विधानसभा चुनाव एक बदले हुए चुनावी परिदृश्य में हो रहा है। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद करीब 90.83 लाख मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से कट गए हैं। इसकी वजह से कुल वोटर संख्या 7.66 करोड़ से घटकर 6.77 करोड़ रह गई है। इस बड़े बदलाव ने टीएमसी और भाजपा दोनों के चुनावी गणित को प्रभावित किया है। टीएमसी की ताकत रहे जिलों उत्तर और दक्षिण 24 परगना, मुर्शिदाबाद, नदिया, मालदा, हुगली, हावड़ा, उत्तर दिनाजपुर और पूर्व बर्दवान में करीब 66.6 लाख नाम हटे हैं। इन क्षेत्रों में अल्पसंख्यक और महिला वोटरों की मजबूत मौजूदगी रही है, जिससे टीएमसी को अपनी -शेष पृष्ठ दो पर

देश में एलपीजी वितरकों और पेट्रोल पंपों के पास ईंधन के पर्याप्त स्टॉक : सुजाता शर्मा

नई दिल्ली (हि.स)। पश्चिम एशिया संकट के बीच सरकार ने शुक्रवार को कहा कि देश में एलपीजी वितरकों और पेट्रोल पंपों के पास ईंधन के पर्याप्त स्टॉक हैं। सरकार ने बताया कि किसी भी तरह की कमी की कोई रिपोर्ट नहीं है। घरेलू रसोई गैस यानी एलपीजी की सप्लाई सामान्य बनी हुई है, जिसमें 98 फीसदी बुकिंग ऑनलाइन हो रही है, जबकि कमर्शियल एलपीजी की सप्लाई 70 फीसदी तक बहाल हो गई है। पेट्रोलियम और नेचुरल गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव (मार्केटिंग और ऑयल रिफाइनरी) सुजाता शर्मा ने अंतर-मंत्रालयी प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए यह जानकारी दी। सुजाता शर्मा ने बताया कि 14 मार्च से अब तक लगभग 1,06,000 टन कमर्शियल एलपीजी बिक चुकी है और रोजाना 6,000 से 6,500 -शेष पृष्ठ दो पर

चार साल से लड़ रहे रूस-यूक्रेन ने किया संघर्षविराम का एलान

मॉस्को। भले यह अस्थायी संघर्षविराम हो, मगर एक ओर ईरान-अमेरिका-इजराइल टकराव में आई अस्थायी शांति और दूसरी ओर रूस तथा यूक्रेन के बीच घोषित बत्तीस घंटे का संघर्षविराम दुनिया के लिए कुछ पलों का सुकून लेकर आया है। हम आपको बता दें कि रूस और यूक्रेन के बीच यह युद्धविराम शनिवार शाम चार बजे से शुरू होकर रविवार रात तक प्रभावी रहेगा। क्रेमलिन ने साफ तौर पर अपने रक्षा मंत्री आंद्रेई बेलोसोव के माध्यम से सेना प्रमुख वालेरी गेरासिमोव को आदेश दिया है कि सभी दिशाओं में सैन्य कार्रवाई रोक दी जाए। लेकिन साथ ही यह भी स्पष्ट कर दिया गया है कि किसी भी उकसावे या आक्रामक कदम का मुंहतोड़ जवाब देने के लिए सैनिक पूरी तरह तैयार रहेंगे। यानी यह शांति उतनी ही नाजुक है जितनी बारूद के ढेर पर रखी एक चिंगारी। हम आपको याद दिला दें कि पिछले साल भी इसी तरह का तीस घंटे का संघर्षविराम देखा गया था, जो आरोप प्रत्यारोप के बीच दम तोड़ गया था। -शेष पृष्ठ दो पर

ज्ञान को धन में परिवर्तित करने को तकनीक के साथ अनुसंधान भी जरूरी : गडकरी

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को कहा कि ज्ञान को धन में परिवर्तित के लिए नवाचार, विज्ञान तथा तकनीक के साथ-साथ कुशल कार्यबल और निरंतर अनुसंधान पर जोर देना आवश्यक है। गडकरी ने निर्माण उद्योग विकास परिषद की ओर से यहां आयोजित 17वें सीआईडीसी विश्वकर्मा पुरस्कार और प्रदर्शनी *विकसित भारत 2047* कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि वैश्विक स्तर पर भारत की प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए निर्माण क्षेत्र में गुणवत्ता से समझौता न करना और शॉर्टकट से बचना जरूरी है। उन्होंने कहा कि अवसंरचना को बेहतर बनाने के लिए यह जरूरी है कि तत्काल निर्णय लिए -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

नारी शक्ति वंदन अधिनियम के लिए पीएम का अभिनंदन करेगा महिला एवं बाल विकास मंत्रालय

नई दिल्ली (हि.स.)। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय नारी शक्ति वंदन अधिनियम (महिला आरक्षण) के निर्णय के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अभिनंदन करेगा। 13 अप्रैल को विज्ञान भवन में सुबह 11 बजे आयोजित होने वाले कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी, राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर सहित कई महिला मंत्री और सांसद मौजूद रहेंगे। इसके लिए मंत्रालय ने खास तैयारियां की हैं। नारी शक्ति वंदन अधिनियम संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित करता है, जिसे 2029 तक पूरी तरह लागू करने का लक्ष्य रखा गया है। यह कदम महिला सशक्तीकरण और विकसित भारत की दिशा में एक बड़ा मील का पत्थर माना जा रहा है। सितंबर 2023 में संसद द्वारा सर्वसम्मिति से पारित अधिनियम को अब 2011 के डेटा के आधार पर लागू करने का मार्ग प्रशस्त किया गया है। इसके लिए सरकार ने बजट सत्र को तीन दिन बढ़ाया है।

रेगिस्तान में दिखी *ब्रह्मास्त्र* की ताकत, अपाचे ने किया अपनी घातक क्षमता का प्रदर्शन

जोधपुर (हि.स.)। भारतीय सेना ने पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज में अपने अत्याधुनिक अटैक हेलीकॉप्टरों के साथ युद्धाभ्यास का प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन *ब्रह्मास्त्र युद्धाभ्यास* के तहत आयोजित किया गया, जहां आसमान से बरसती फायरपावर ने सेना की तकनीकी श्रेष्ठता और मारक क्षमता को जीवंत रूप से सामने रखा। इसमें अमेरिका की सबसे एडवांस्ड हेलफायर मिसाइलों के धमाके भी हुए। दावा है कि इन्हीं मिसाइलों का पिछले साल ईरान पर हमले में इस्तेमाल किया गया था। हेलफायर के अलावा राजस्थान के आसमान से अपाचे हेलिकॉप्टर ने भी अचूक निशान लगाए। कमांड सेंटर से दुश्मनों के ड्रोन्स को भी ब्लास्ट किया गया। इस युद्धाभ्यास ने मॉडर्न वॉर प्लांड को टेस्ट किया। सेना के अधिकारियों का कहना है कि आर्मी में नए हेलिकॉप्टर्स की एंट्री से ऐतिहासिक बदलाव हुआ है। युद्धाभ्यास में अमेरिका में बनीं एजीएम-114 हेलफायर मिसाइलों का भी इस्तेमाल हुआ। इनसे आठ किलोमीटर दूर एक टैंक सहित दूसरे निशाने उड़ाए गए। इसके बाद हेलिकॉप्टर ने नीचे आकर 70 एमएम हाइड्रा रॉकेटों से हमला किए, जिससे दुश्मन के कैंप नष्ट हुए। अंत में हेलिकॉप्टर के नीचे लगी एम230 चेन गन से 1200 राउंड प्रति मिनट की रफ्तार से फायरिंग कर छोटे लक्ष्यों को भी निशाना बनाया गया। क्या होती है हेलफायर मिसाइल हेलफायर मिसाइलें अमेरिका द्वारा विकसित लेजर-गाइडिड सटीक हमले वाली हवा-से-जमीन पर हमला करने वाले मिसाइलें हैं। इनका वजन लगभग 45-50 किलोग्राम और रेंज 8-11 किलोमीटर होती है। हेलफायर का उपयोग ड्रोन, हेलिकॉप्टर और फाइटर जेट्स से किया जा सकता है। एक्सपर्ट्स का दावा है कि साल 2025 में ईरान पर हमले में इजराइल ने इन्हीं मिसाइलों को दागा था। एक कमांड से उड़ाए दुश्मन के ड्रोनसेना ने इस अभ्यास में हाईटेक रडार सिस्टम से दूर से ही ड्रोन की लोकेशन ट्रैक की गई। इसके बाद कंट्रोल रूम से ही मिसाइल और गन को कमांड देकर टारगेट लॉक करवाया गया। कुछ सेकेंड के इस प्रोसेस से सटीक निशाना लगाने में मदद मिली। सेना का यह सिस्टम 4 किलोमीटर दूर से आसानी से कमांड दे सकता है। एक्सरसाइज में आधुनिक रडार और एंटी-एयरक्राफ्ट गनों से ड्रोन टारगेट को नष्ट किया गया। इसमें ड्रोन के नजर आते ही एयर डिफेंस यूनिट्स ने उन्हें इलेक्ट्रॉनिक तरीके से जाम किया। फिर एंटी-एयरक्राफ्ट गनों से सटीक निशाना लगाकर उन्हें आसमान में नष्ट कर दिया। युध्दाभ्यास में कोई भी मिसफायर नहीं हुआ।

महिला आरक्षण से जुड़े विषय पर देशव्यापी अभियान चलाएगी भाजपा

नई दिल्ली (हि.स.)। नारी शक्ति वंदन अधिनियम (महिला आरक्षण) से जुड़े विषयों पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) देशव्यापी अभियान शुरू करेगी। इस संबंध में शुक्रवार को भाजपा मुख्यालय विस्तार भवन में कई बैठकें की गई। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने एक उच्च स्तरीय संगठनात्मक बैठक की, जिसमें महिला आरक्षण से संबंधित राष्ट्रव्यापी अभियानों की रूप-रेखा और आगामी सांगठनिक रणनीतियों पर गहन चर्चा की गई। इसमें भाजपा महासचिव विनोद तावड़े, देशभर के प्रदेश अध्यक्ष और प्रभारी सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक के दौरान महिला आरक्षण के मुद्दे पर देशभर में भाजपा के कार्यक्रमों के आयोजन की रूप-रेखा तैयार करने के लिए नेताओं को निर्देश भी दिए गए ताकि अधिनियम के बारे में सभी लोगों को जानकारी मिले। सूत्रों के मुताबिक पार्टी ने अपने राष्ट्रीय एवं प्रदेश प्रवक्ताओं को भी ट्रेनिंग दी है, जो अपने-अपने राज्यों में महिला आरक्षण के बारे में कार्यक्रम आयोजित करने के साथ कार्यशालाओं का आयोजन करेंगे तथा पार्टी के उद्देश्यों को जन-जन तक पहुंचाएगे। भाजपा ने इसकी जिम्मेदारी सोशल मीडिया देखने वाले नेताओं को भी दी जो फेसबुक, एक्स, इंस्टाग्राम जैसे तमाम सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स पर महिला आरक्षण के विषय के सभी पहलुओं को आसान भाषा में लोगों तक पहुंचाएगे। उल्लेखनीय है कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम (महिला आरक्षण विधेयक 2023) एक ऐतिहासिक कानून है, जो लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत (एक-तिहाई) सीटें आरक्षित करता है। इस कानून का उद्देश्य निर्णय लेने वाली संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है। इसके अलावा शुक्रवार को भाजपा मुख्यालय विस्तार भवन में पार्टी के अन्य चल रहे कार्यक्रमों की भी समीक्षा की गई, जिसमें दीन दयाल उपाध्याय प्रशिक्षण की समीक्षा शामिल है। दरअसल यह प्रशिक्षण मंडल स्तर पर खत्म हो चुका है जिसे अब जिला स्तर पर शुरू किया जाना है।

ओंकारेश्वर में नाव पलटने से झारखंड से आए 10 श्रद्धालु डूबे, रेस्क्यू कर सभी को निकाला

खंडवा (हि.स.)। मध्य प्रदेश के खंडवा जिला स्थित प्रसिद्ध तीर्थनगरी ओंकारेश्वर में शुक्रवार को नर्मदा नदी में नाव पलटने से झारखंड के रहने वाले 10 श्रद्धालु डूब गए, जिन्हें रेस्क्यू कर बाहर निकाला गया। इनमें से दो लोगों की हालत गंभीर है। जिन्हें सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। खंडवा के पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार राय ने ने बताया कि झारखंड के रांची से करीब 52 लोगों का जत्था शुक्रवार को ओंकारेश्वर आया हुआ था। दोपहर करीब 12 बजे अलग-अलग नाव से सभी लोग नर्मदा नदी में नौका विहार कर रहे थे। इसी दौरान एक नाव में सवार 10 लोग ब्रह्मपुरी घाट से संगम घाट की तरफ जा रहे थे। इसी बीच नवीन घाट के पास नाव एक चट्टान से टकरा गई। टक्कर लगने से लकड़ी की नाव का पटिया टूट गया। नाव का पटिया टूटने से उसमें पानी भर गया, जिससे नाव पलट गई। नाव में सवार सभी 10 लोग डूब गए। मौके पर तैनात होमगार्ड जवानों ने रेस्क्यू कर सभी को बाहर निकाला। इनमें आठ लोगों की हालत ठीक है, जबकि दो लोग ज्यादा पानी निगल चुके थे, उनके फेफड़ों में पानी भर गया है। जिन्हें गंभीर हालत में ओंकारेश्वर से सनावद भेजा गया है। अभी हादसे का शिकार हुए लोगों के नाम और पता नही मालूम हो सके हैं। पुलिस फिलहाल मामले की जांच में जुटी है।

अभिषेक बनर्जी का केंद्र सरकार पर हमला, बोले-

डेढ़ साल से शेख हसीना को दिल्ली में शरण क्यों दी है

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बीच लोकसभा सांसद व तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने शुक्रवार को तृणमूल भवन में आयोजित प्रेस वार्ता में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के चुनावी घोषणापत्र और केंद्र सरकार की नीतियों पर तीखा हमला बोला। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर डेढ़ साल से शेख हसीना को दिल्ली में शरण क्यों दी गई और किस उद्योगपति को बचाने के लिए ऐसा किया जा रहा है? अभिषेक बनर्जी ने भाजपा के वादों को *जुमला* बताते हुए कहा कि पार्टी लोगों को भ्रमित करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा एक साथ नौकरी और भत्ता देने की बात कर रही है, जो व्यावहारिक नहीं है। भाजपा सोचती है कि जनता को आसानी से गुमराह किया जा सकता है। घाटाल मास्टर प्लान को लेकर उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि राज्य सरकार पहले ही इस परियोजना पर काम शुरू कर चुकी है और इसके लिए धन भी खर्च किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य किसी पर निर्भर नहीं है और अपने संसाधनों से विकास कार्य कर रहा है। घुसपैठ के मुद्दे पर भाजपा को घेरते हुए अभिषेक ने कहा कि यह सिर्फ राजनीतिक लाभ के लिए उठाया जा रहा मुद्दा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा मतदाताओं के अधिकार छीनने की कोशिश कर रही है, लेकिन तृणमूल कांग्रेस ऐसा नहीं होने देगी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की योजनाएं बिना किसी भेदभाव के सभी लोगों तक पहुंच रही हैं, जबकि केंद्र की योजनाओं में कई शर्तें हैं। अभिषेक बनर्जी ने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा *परिवारवाद* का आरोप लगाती है, जबकि उनके अपने दल में भी कई नेताओं के परिजन चुनाव मैदान में हैं। साथ ही, उन्होंने कहा कि भाजपा के पास राज्य में कोई स्पष्ट मुख्यमंत्री चेहरा नहीं है जो उनकी *कमजोरी* को दर्शाता है।

पृष्ठ एक का शेष

असम : एचएसएलसी परीक्षा...

कम 49.13 प्रतिशत रहा। श्रेणी-वार आंकड़ों के अनुसार, एसटी (पी) उम्मीदवारों का पास प्रतिशत सबसे अधिक 73.65 प्रतिशत रहा, जिसके बाद ओबीसी (71.65 प्रतिशत) और एमओबीसी (70.94 प्रतिशत) रहा। चाय जनजाति (टी ट्राइब) के उम्मीदवारों का पास प्रतिशत सबसे कम 50.51 प्रतिशत रहा। मेरिट लिस्ट में, बजाली ज़िले के पटाचारकुची स्थित शंकरदेव शिशु निकेतन के ज्योतिर्मय दास ने पहला स्थान हासिल किया। विश्वनाथ जिले के अंबिकागिरी राय चौधरी जातीय विद्यालय की आकांक्षा भुइयां, डिब्रूगढ़ जिले के लिटिल फ्लावर एचएस स्कूल की जिया फराह इस्लाम और नलबाड़ी के लिटिल फ्लावर्स स्कूल के सुरजीत अख्तर शीर्ष चार रैंक धारकों में शामिल हैं। इन नतीजों की घोषणा असम भर के लाखों छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक उपलब्धि है।

वृंदावन में यमुना में मोटर...

शव निकाले जा चुके थे। जबकि जीवित निकले लोगों को लगातार एंबुलेंस से अस्पताल भेजा जा रहा है। घटनास्थल पर बचाव कार्य में तेजी लाने को सेना की टीम भी बुला ली गई है। हादसे में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दुख जताया है। मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंचकर बचाव और राहत कार्य संचालित करने और घायलों का समुचित उपचार कराने के निर्देश दिए हैं। वृंदावन के मांट थाना क्षेत्र में शुक्रवार की दोपहर पंजाब से आया श्रद्धालुओं का जत्था यमुना में घूमने के लिए मोटर बोट पर सवार हुआ था। यह बोट असंतुलित होकर पलट गई और सभी श्रद्धालु नदी में डूब गए। अब तक नौ लोगों के शव निकाले गए। 10 लोग सुरक्षित निकाल लिए गए हैं। गोताखोर लगातार डूबे लोगों को यमुना में खोज रहे हैं। घाट पर अफरा तफरी मची हुई है। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। हादसे का सीएम योगी ने संज्ञान लिया है। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट में लिखा कि जनपद मथुरा में नाव पलटने से हुई दुर्घटना में जनहानि अत्यंत दु:खद एवं हृदय विदारक है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। संबंधित अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंचकर बचाव व राहत कार्य संचालित करने और घायलों का समुचित उपचार कराने के निर्देश दिए हैं। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को सद्गति एवं शोकाकुल परिजनों को यह अथाह दु:ख सहन करने की शक्ति तथा घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें।

नीतीश कुमार हरिवंश ने ...

रंजन उर्फ ललन सिंह, कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य जयराम रमेश, बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी सहित अन्य उपस्थित थे। 69 वर्षीय हरिवंश का पिछला कार्यकाल 09 अप्रैल को पूरा होने के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने आज उनको मनोनीत किया। उच्चतम न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई के राज्यसभा सदस्य के रूप में कार्यकाल पूरा होने के बाद एक सीट रिक्त हो गयी थी। राज्यसभा में कुल 12 सदस्यों को राष्ट्रपति मनोनीत करते हैं। इन सदस्यों को कला, साहित्य, विज्ञान, समाज सेवा में उल्लेखनीय योगदान के आधार पर चुना जाता है।

पवन खेड़ा को राहत...

सिंघवी ने दलील दी कि यह मामला असम सरकार की राजनीतिक बदले की भावना का नतीजा है। हालांकि, असम के एडवोकेट जनरल देवाजीत सैकिया ने जोर देकर कहा कि ऐसी कोई बात नहीं है। सैकिया ने यह भी कहा कि खेड़ा की याचिका तेलंगाना हाई कोर्ट में सुनवाई योग्य नहीं है, लेकिन कांग्रेस नेता ने हैदराबाद का अपना आवासीय पता दिखाया। खबरों के अनुसार, सिंघवी ने अदालत में दलील दी, खेड़ा की जड़ें समाज में गहरी हैं और वे एक प्रमुख राजनीतिक हस्ती हैं। उन्होंने आगे कहा कि हम संवैधानिक काउबॉय के जमाने में नहीं जी रहे हैं। हम ऐसे दौर में नहीं जी रहे हैं जहां कमर से पिस्तौल निकालकर (होल्स्टर से) कुछ भी कर दिया जाए और असम से 100 लोगों को निजामुद्दीन (खेड़ा को गिरफ्तार करने के लिए) भेज दिया जाए। सिर्फ इसलिए क्योंकि शिकायत में इसे मानहानि बताया गया है। इसके जवाब में सैकिया ने कहा कि असम कोई *बनाना रिपब्लिक* नहीं है और इस पूर्वोत्तर राज्य में कानून का राज है। उन्होंने आगे कहा कि असम में खेड़ा की जान को कोई खतरा नहीं है, और यह भी जोड़ा कि मुख्यमंत्री की पत्नी पर उन्होंने जो आरोप लगाए हैं, उनमें कोई सच्चाई नहीं है। उन्होंने कहा कि इस मामले में, ऐसा लगता है जैसे असम में एक एफआईआर दर्ज की गई है। वह (खेड़ा) दिल्ली के स्थायी निवासी हैं। अब वह हैदराबाद में हैं और तेलंगाना में अग्रिम जमानत के लिए अर्जी दे रहे हैं। अब यह देखना है कि क्या ऐसा करना कानूनन सही है या नहीं। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि खेड़ा ने अपने आधार कार्ड में हेराफेरी की और तेलंगाना हाई कोर्ट को गुमराह किया।

एआईएमआईएम ने हुमायूं ...

मुसलमानों की संवेदनशीलता को उजागर कर दिया है। पार्टी ने स्पष्ट किया कि वह ऐसे किसी भी रुख के साथ नहीं जुड़ सकती जो समुदाय की छवि को नुकसान पहुंचाता हो। अपनी राजनीतिक रणनीति पर जोर देते हुए एमआईएम ने कहा कि उसका लक्ष्य हाशिए पर रहने वाले समुदायों को एक स्वतंत्र आवाज देना है। पार्टी ने लिखा कि वह भविष्य में पश्चिम बंगाल का चुनाव बिना किसी गठबंधन के लड़ेगी। उल्लेखनीय है कि हुमायूं का एक विवादित वीडियो वायरल होने के बाद राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई। इस वीडियो में कथित तौर पर नेता हुमायूँ कबीर को सुवेंदु अधिकारी और हिमंत विश्व शर्मा सहित भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के साथ अपने संबंधों के बारे में बात करते दिखाया गया है। इसमें हुमायूं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को कमजोर करने की रणनीति के तहत भाजपा से अपने संबंधों की चर्चा करते भी दिख रहे हैं। इस वीडियो में कबीर कथित तौर पर यह कहते दिखते हैं कि वह प्रधानमंत्री कार्यालय के संपर्क में थे और उन्हें भाजपा शासित राज्यों के नेताओं के साथ समन्वय करने की सलाह दी गई थी। हालांकि इस वीडियो के वायरल होने के बाद हुमायूं कबीर ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है और वीडियो को *फर्जी* बताया। दरअसल, हुमायूं कबीर को पिछल साल ममता बनर्जी ने टीएमसी से निलंबित कर दिया था। इसके बाद हुमायूं ने अलग पार्टी बना ली थी और राज्य विधानसभा चुनाव में औवेशी की पार्टी एमआईएम से गठबंधन किया था।

45 दिन के अंदर 7वां ...

पुनर्स्थापित करने की बात भी इसमें प्रमुख रूप से शामिल है। इसके अलावा अमित शाह ने सरकारी कर्मचारियों के लिए बड़ा एलान करते हुए कहा कि सभी सरकारी कर्मचारियों और वेतनभोगियों के लिए डीए सुनिश्चित किया जाएगा और 45 दिनों के भीतर ही सातवें वेतन आयोग और आयुष्मान भारत समेत भारत सरकार की सभी योजनाओं को लागू करेंगे। साथ ही छह माह के अंदर ही यूसीसी भी लागू करेंगे। महिलाओं के लिए एलान करते हुए कहा कि हमारी सरकार *लक्ष्मी भंडार* योजना के लाभार्थियों को हर महीने 1 से 5 तारीख तक खाते में 3 हजार रुपए ट्रांसफर करेगी। महिलाओं के सशक्तिकरण को प्राथमिकता देते हुए राज्य में पुलिस बल सहित सभी सरकारी नौकरियों में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का वादा किया गया है। इसके साथ ही 75 लाख महिलाओं को *लखपति दीदी* बनाने का लक्ष्य रखा गया है। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए हर मंडल में महिला थाने और महिला डेस्क स्थापित करने की योजना है, ताकि महिलाओं को बेहतर और त्वरित सहायता मिल सके। यह भी कहा गया है कि ऐसा माहौल तैयार किया जाएगा, जहां महिलाओं की सुरक्षा पर सवाल न उठे और उन्हें किसी भी समय बाहर निकलने में असुरक्षा महसूस न हो। इसके अलावा, गर्भवती महिलाओं को 21 हजार रुपए की आर्थिक सहायता और 6 पोषण किट देने की योजना है। वहीं, राज्य संचालित बसों में सभी महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा की सुविधा लागू करने का भी वादा किया गया है। पीएम किसान सम्मान निधि में हम राज्य की तरफ से अतिरिक्त 3,000 रुपए जोड़ेंगे और किसानों को सालाना 9,000 रुपए की वित्तीय सहायता देंगे। भाजपा के घोषणापत्र की 10 बड़ी बातें : सरकार बनने के 6 महीने के अंदर बंगाल में यूसीसी लागू करने का वादा, राज्य की महिलाओं और बेरोजगार युवाओं को हर महीने ?3000 देने का एलान, मवेशी तस्करी पर सख्त रोक लगाने का वादा, बंगाल की सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने के लिए *वंदे मातरम म्यूजियम* बनाने की घोषणा, राज्य सरकार की सभी नौकरियों (पुलिस सहित) में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का वादा, सरकार बनने के 45 दिन के भीतर सरकारी कर्मचारियों के लिए 7वां वेतन आयोग लागू का एलान, उत्तर बंगाल में एम्स, आईआईटी, आईआईएम और फैशन डिजाइन संस्थान स्थापित का वादा, पीएम किसान से इतर राज्य सरकार की ओर से 3,000 अतिरिक्त मदद देने का वादा, राज्य में विकास को बढ़ावा देने के लिए चार नए टाउनशिप विकसित करने की घोषणा, मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना को आयुष्मान भारत से जोड़ने का वादा। राज्य के विकास को गति देने के लिए व्यापक योजनाओं का खाका पेश किया गया है। इसके तहत कोलकाता मेट्रो का पूरी तरह विद्युतीकरण करने का लक्ष्य रखा गया है, जिससे यातायात व्यवस्था को आधुनिक और सुगम बनाया जा सके। रेलवे परियोजनाओं को तेजी देने के लिए एक साल के भीतर 61 प्रोजेक्ट्स के लिए भूमि उपलब्ध कराने की योजना बनाई गई है, ताकि ये परियोजनाएं विकास की मुख्य धुरी बन सकें। इसके साथ ही, सरकारी जमीनों से अवैध कब्जों को 200 दिनों के भीतर हटाने का लक्ष्य तय किया गया है। नदी-नालों में पेट्रोलिंग की एक नई आधुनिक तकनीक से युक्त वैज्ञानिक व्यवस्था करेंगे। अमित शाह ने कहा कि हाल ही में स्नातक पूरा करने वाले युवाओं को हर महीने 3,000 रुपए का भत्ता देने का वादा किया गया है, ताकि वे अपने करियर की शुरुआत में आर्थिक सहयोग प्राप्त कर सकें। इसके साथ ही, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों को 15,000 रुपए की एकमुश्त आर्थिक सहायता देने की योजना भी शामिल है, जिससे उनकी पढ़ाई और तैयारी में मदद मिल सके। इसके अलावा पेपर लीक और भर्ती प्रक्रियाओं में भ्रष्टाचार के कारण जिन युवाओं ने आयु सीमा पार कर ली है, उन्हें विशेष राहत देने का प्रस्ताव रखा गया है। ऐसे उम्मीदवारों को अधिकतम पांच साल तक की आयु सीमा में छूट दी जाएगी, ताकि वे दोबारा अवसर पा सकें। 2015 के बाद से जिन युवाओं को सरकारी नौकरियों में अवसर नहीं मिल पाए हैं, उनके लिए भी पर्याप्त भर्ती अवसर सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया गया है। शाह ने पश्चिम बंगाल में लंबे समय से चली आ रही अटकलों पर भी विराम लगाया कि मुख्यमंत्री कौन होगा। उन्होंने कहा कि हम कोई वंशवादी पार्टी नहीं हैं जहां चाची के बाद भतीजा पद संभालेगा। मैं बंगाल के लोगों को आश्वस्त कर सकता हूं कि हमारे मुख्यमंत्री एक बंगाली होगा। गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार सुबह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया टीएमसी से त्रस्त बंगाल अब परिवर्तन चाहता है। शुक्रवार को कोलकाता में टीएमसी के भय राज से बंगाल को मुक्त करने के आधार भाजपा के संकल्प पत्र का विमोचन करूंगा। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि वे शुक्रवार को पश्चिम मेदिनीपुर के डेबरा में जनसभा को संबोधित करेंगे। इसके अलावा, खड़गपुर में रोड-शो के माध्यम से जनता से जुड़ेंगे। उन्होंने पोस्ट में लिखा प्रदेश के बहनों-भाइयों के बीच रहने के लिए उत्सुक हूं।

परिसीमन का मुद्दा ...

में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और अन्य सदस्य शामिल हुए। पत्रकार वार्ता में पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने बताया कि कांग्रेस कार्य समिति की बैठक करीब 3 घंटे चली। बैठक में संसद का विशेष सत्र और पश्चिम एशिया से जुड़ा संघर्ष दो मुद्दे थे। बैठक में पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष को लेकर एक प्रस्ताव पारित किया गया है। उन्होंने बताया कि कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष खड़गे ने 16 से 30 मार्च के बीच संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू को तीन पत्र लिखे। इनमें से एक पत्र विपक्षी पार्टियों के फ्लोर लीडर्स के साथ लिखा गया था। हमारी मांग थी कि पश्चिम बंगाल के चुनाव के बाद एक सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए और इसमें संविधान संशोधन विधेयक पर चर्चा हो और विपक्ष को सरकार की मंशा बताई जाए। इस मुद्दे पर आम सहमति बनने का प्रयास किया जाए। समिति की बैठक में खड़गे ने अपने शुरुआती वक्तव्य में सरकार के फैसले पर गंभीर पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि राजनीति से प्रेरित होकर सरकार तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल चुनावों से पहले जल्द से जल्द संविधान संशोधन विधेयक पारित करना चाहती है। विपक्ष की मांगों को स्वीकार नहीं किया जा रहा है। हम चाहते थे कि सरकार 29 अप्रैल को पश्चिम बंगाल में चुनाव के लिए मतदान के आखिरी दिन के बाद सर्वदलीय बैठक बुलाकर इस पर गंभीरता से चर्चा करे। उन्होंने कहा कि विपक्ष को अभी तक सरकार की मंशा का पता नहीं है। विधायकों और प्रस्तावों पर कोई विशेष जानकारी नहीं है। सार्वजनिक तौर पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार मोदी सरकार लोकसभा की सीटों को 543 से 816 करने जा रही है, यानी 50 प्रतिशत बढ़ोतरी करने जा रही है। इसके परिसीमन पर गंभीर परिणाम होंगे और इस पर बहुत गहरे विचार-विमर्श की जरूरत है। खड़गे ने महिला आरक्षण को लेकर संसद की बैठक को चुनाव आचार संहिता का भी उल्लंघन बताया और कहा कि आयोग से उन्हें कोई उम्मीद नहीं है कि वह इस विषय पर ध्यान देगा। उन्होंने कहा कि चुनावों के बीच बैठक से तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव में लगे अधिकांश सांसद अपने क्षेत्र में व्यस्त होंगे। कांग्रेस अध्यक्ष ने साथ ही इस बात को दोहराया कि कांग्रेस सामाजिक न्याय की पक्षधर है। महिलाओं को पंचायत और निकायों में अधिकार दिलाने वाली कांग्रेस ही थी।

शिवमोग्गा में भूस्खलन...

तालुक के हुलिकल घाट के एक मोड़ (हेयरपिन बेंड) पर हुई। उस समय कुंडापुरा-शिवमोगा मार्ग पर काम चल रहा था। अधिकारियों के मुताबिक, पहाड़ी से अचानक भारी मात्रा में मिट्टी और चट्टानें नीचे गिर गईं, जिससे वहां काम कर रहे मजदूर मलबे में दब गए। कुल सात मजदूर इस भूस्खलन की चपेट में आए थे, जिनमें से तीन की मौके पर ही मौत हो गई। बचाव दल ने मलबे से चार घायल मजदूरों को बाहर निकाला और उन्हें इलाज के लिए कुंडापुरा और उडुपी के पास के अस्पतालों में भर्ती कराया। यह हादसा उस समय हुआ जब घाट वाले हिस्से में वाहनों की सुरक्षा के लिए एक सुरक्षा दीवार (रिटेनिंग वॉल) बनाई जा रही थी। यह इलाका अपनी खड़ी ढलानों और भूस्खलन के खतरे के लिए जाना जाता है। घटना के बाद मंगलुरु से एसडीआरएफ की टीम शुक्रवार सुबह मौके पर पहुंची और राहत कार्य संभाला। पुलिस, दमकल और आपातकालीन विभाग के कर्मचारी भी सूचना मिलते ही मौके पर पहुंच गए थे। अधिकारियों को शक है कि ऊपरी ढलान से ढीली मिट्टी और चट्टानों के अचानक गिरने से यह हादसा हुआ। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है कि क्या काम वाली जगह पर सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम थे। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने मृतकों के परिजनों को 5-5 लाख रुपए मुआवजे का एलान किया है। घायलों को कुंडापुर और उडुपी के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। एसडीआरएफ, पुलिस और फायर टीम ने मौके पर पहुंचकर राहत कार्य चलाया। घटना की जांच शुरू कर दी गई है।

एसआईआर ने ममता ...

रणनीति पर नए सिरे से काम करना पड़ रहा है। इसी तरह भाजपा के लिए भी स्थिति पूरी तरह अनुकूल नहीं है, क्योंकि मातुआ समुदाय पर इस संशोधन का असर पड़ा है। करीब 55 सीटों वाले मातुआ बहुल इलाकों में बड़ी संख्या में वोटर सूची से बाहर हुए हैं, खासकर नदिया जिले में, जहां 78 प्रतिशत तक नाम हटाए गए। हालांकि, उत्तर बंगाल और जंगलमहल जैसे क्षेत्रों में भाजपा अपनी स्थिति मजबूत मान रही है, जहां वोटर कटौती अपेक्षाकृत संतुलित रही है और पार्टी को नुकसान कम होने की उम्मीद है। हालांकि, बोंगांव से सांसद और केंद्रीय मंत्री शांतनु ठाकुर ने लोगों को भरोसा दिलाया है कि किसी भी हिंदू शरणार्थी को देश छोड़ने के लिए मजबूर नहीं किया जाएगा और सभी के नाम दोबारा जोड़े जाएंगे। पार्टी ने क्षेत्र में कार्यकर्ताओं को तैनात कर फॉर्म-6 और ऑनलाइन अपील में मदद भी शुरू कर दी है। महिला मतदाताओं का अनुपात भी घटकर 959 से 950 प्रति हजार पुरुष हो गया है, जो टीएमसी के लिए एक और चिंता का विषय है, क्योंकि यह वर्ग लंबे समय से उसके समर्थन में रहा है। वहीं, अल्पसंख्यक इलाकों में इस पूरी प्रक्रिया से असुरक्षा की भावना बढ़ी है, जिससे मुस्लिम वोटरों का टीएमसी के पक्ष में और अधिक एकजुट होना संभव माना जा रहा है। सबसे ज्यादा अनिश्चितता उन 120 से अधिक सीटों पर है, जहां हटाए गए वोटरों की संख्या पिछली जीत के अंतर से भी ज्यादा है। 2021 में टीएमसी और बीजेपी दोनों ने कई सीटें बेहद कम अंतर से जीती थीं, ऐसे में इस बार इन सीटों पर परिणाम पूरी तरह बदल सकते हैं। दो चरणों में होने वाले इस चुनाव में पहले चरण (23 अप्रैल) की 152 सीटों पर 39.57 लाख और दूसरे चरण (29 अप्रैल) की 142 सीटों पर 49.38 लाख नाम हटे हैं। कुल मिलाकर, इस बार बंगाल का चुनाव केवल वोटिंग प्रतिशत पर नहीं, बल्कि इस बात पर भी निर्भर करेगा कि किन वोटरों के नाम सूची से हटे हैं, जिससे सियासी मुकाबला पहले से कहीं ज्यादा जटिल और अनिश्चित हो गया है।

गैंगस्टरों पर नियंत्रण ...

कानून-व्यवस्था एजेंसियों की कार्यक्षमता पर सवाल उठाते हुए चुघ ने कहा कि जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के बजाय पूरा सिस्टम राजनीतिक आकाओं की सेवा में व्यस्त दिखाई देता है। भगवंत मान और अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में पंजाब गैंगस्टरों और माफियाओं के लिए फलने-फूलने वाला राज्य बन गया है। चुघ ने कहा कि पंजाब इस असुरक्षा और असहाय शासन से बेहतर का हकदार है।

देश में एलपीजी वितरकों ...

टन की बिक्री हो रही है। उन्होंने बताया कि सहायता उपायों में बिना किसी आईडी के 5 किलो वाले गैस सिलेंडर की सप्लाई को दोगुना करना शामिल है। शर्मा ने कहा कि रोजाना लगभग 1 लाख सिलेंडर बिक रहे हैं, जबकि 23 मार्च से अब तक कुल 11 लाख सिलेंडर बिक चुके हैं। उद्योगों को होने वाली लगभग 80 फीसदी सप्लाई बहाल हो गई है और उर्वरक क्षेत्र को होने वाली सप्लाई 95 फीसदी तक बहाल हो चुकी है। विद्युत मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव पीयूष सिंह ने कहा कि पश्चिम एशिया संकट के दौरान मंत्रालय ने आयातित कोयले पर आधारित प्लांट्स के पूरी तरह से चालू रहने को सुनिश्चित करने के लिए धारा 11 के तहत निर्देश जारी किए, जिससे लगभग 4000 मेगावाट अतिरिक्त बिजली मिली है। इसमें टाटा पावर सीजीपीएल मुंद्रा भी शामिल है। उन्होंने कहा कि तय रखरखाव को तीन महीने के लिए टाल दिया गया है, जिससे लगभग 10000 मेगावाट अतिरिक्त बिजली की उपलब्धता सुनिश्चित हुई है। सिंह ने बताया कि मजबूत तालमेल की वजह से कोयले का स्टॉक लगभग 55 मिलियन टन पर बना हुआ है, जो 19 दिनों के लिए पर्याप्त है। उन्होंने कहा कि अगले तीन महीनों में थर्मल, सोलर, पवन और हाइड्रो स्रोतों से लगभग 22000 मेगावाट क्षमता जोड़ने की योजना है। इसमें गैस-आधारित क्षमता, जो कि 1.4 फीसदी तक सीमित है, जो लगातार बेहतर काम कर रही है।

चार साल से लड़ ...

दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर उल्लंघन के आरोप लगाए थे और भरोसे की खाई और गहरी हो गई थी। इस बार भी हालात ज्यादा अलग नहीं हैं क्योंकि चार साल से चल रहे इस युद्ध ने दोनों देशों के बीच विश्वास को लगभग खत्म कर दिया है। उधर, जेलेंस्की ने इस संघर्षविराम को मानवीय जरूरत बताते हुए कहा कि लोग बिना डर के ईस्टर मना सकें, इसलिए यह जरूरी है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि अगर रूस इस मौके को स्थायी शांति की दिशा में बदलता है, तो यह एक निर्णायक मोड़ हो सकता है। लेकिन उनके शब्दों में छिपा संशय भी साफ नजर आता है, क्योंकि इससे पहले भी उनके कई प्रस्तावों को रूस ने नजरअंदाज किया है। इस पूरे घटनाक्रम का एक बेहद अहम पहलू यह है कि यह ऐसे समय में सामने आया है जब अमेरिका की अगुवाई में चल रही शांति प्रक्रिया ठहराव का शिकार हो चुकी है। हालांकि रूस के विशेष दूत किरिल दिमित्रियेव का अमेरिका दौरा इस कहानी को एक नया मोड़ भी देता है। वहां वह अमेरिकी प्रशासन के अधिकारियों के साथ शांति समझौते और आर्थिक सहयोग पर चर्चा कर रहे हैं। यानि एक तरफ युद्ध के मैदान में गोलियां चल रही हैं, तो दूसरी तरफ बंद कमरों में कूटनीति की चालें भी उतनी ही तेजी से चल रही हैं। सामरिक नजरिए से देखें तो यह संघर्षविराम रूस के लिए कई स्तरों पर फायदेमंद हो सकता है। इससे उसे अंतर्राष्ट्रीय मंच पर खुद को जिम्मेदार और संयमित शक्ति के रूप में पेश करने का मौका मिलता है। साथ ही यह उसकी सेना को सांस लेने, पुनर्गठन करने और संसाधनों को मजबूत करने का समय देता है।

ज्ञान को धन में परिवर्तित ...

जाएं, परियोजना योजना अच्छी हो और काम की गुणवत्ता पर पूरा ध्यान दिया जाए। इसके अलावा अगर हम नई तकनीक अपनाएं और काम करने के तरीके को सुधारें तो परियोजनाओं की लागत काफी कम हो सकती है। इसके लिए बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को समय पर पूरा करने के लिए भूमि अधिग्रहण और जरूरी मंजूरियों को पहले ही निपटाया जाए क्योंकि पहले की देरी और प्रशासनिक बाधाओं ने प्रोजेक्ट की समयसीमा और ठेकेदारों के बजट को काफी नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि प्रोजेक्ट में केवल कम लागत ही नहीं बल्कि गुणवत्ता और प्रदर्शन को भी प्राथमिकता दी जानी चाहिए। हमें जैव ईंधन और अन्य वैकल्पिक ईंधनों को अपनाना चाहिए। इससे न केवल पेट्रोल-डीजल पर हमारी निर्भरता कम होगी बल्कि खर्च भी घटेगा। साथ ही सड़क बनाने में प्लास्टिक कचरे और पुराने टायरों का इस्तेमाल किया जाना चाहिए।

असम विस चुनाव में युवाओं और महिलाओं की रही अहम भूमिका

गुवाहाटी (हि.स.)। असम में गुरुवार को आयोजित विधानसभा चुनाव में लगभग 86 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया, जो पिछले चुनावों की तुलना में अधिक है। मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई और समाज के सभी वर्गों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने गुवाहाटी स्थित पार्टी मुख्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि इस बार चुनाव में परिचित मतदाताओं की भागीदारी अधिक रही, जिसमें युवाओं और महिलाओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने बताया कि इस बार लगभग 72 लाख मतदाता 30 वर्ष से कम आयु के थे, जिनमें करीब सात लाख मतदाताओं ने पहली बार अपने मताधिकार का प्रयोग किया। उन्होंने युवाओं के उत्साह और जिम्मेदारी की भावना की सराहना करते हुए उनका आभार व्यक्त किया। दिलीप सैकिया ने महिला मतदाताओं की बड़ी भागीदारी का भी उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य के चुनावी इतिहास में इतनी बड़ी संख्या में महिलाओं की भागीदारी पहले कभी नहीं देखी गई। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सक्रिय भागीदारी ने राज्य के लोकतांत्रिक ढांचे को और मजबूत किया है और इसके लिए उन्होंने सभी महिलाओं का धन्यवाद् किया। उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों की भागीदारी की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि 85 वर्ष से अधिक आयु के कई मतदाताओं ने घर से मतदान की सुविधा का लाभ उठाया, जबकि 60 वर्ष से अधिक आयु के अनेक लोग मतदान केंद्रों तक पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में बढ़ा हुआ मतदान प्रतिशत यह दर्शाता है कि लोगों का लोकतंत्र में गहरा विश्वास है। सैकिया ने विश्वास व्यक्त किया कि भाजपा के नेतृत्व वाला गठबंधन अपेक्षा से अधिक सीटें हासिल करेगा और राज्य में सरकार बनाना लगभग तय है।

करीमगंज नॉर्थ में पुनर्मतदान का आदेश 9 का मतदान रद्द

श्रीभूमि (हि.स.)। असम विधानसभा चुनाव 2026 के तहत करीमगंज नॉर्थ निर्वाचन क्षेत्र के एक मतदान केंद्र पर 9 अप्रैल को संपन्न मतदान को चुनाव आयोग ने रद्द करते हुए पुनर्मतदान कराने का आदेश दिया है। आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 58(2)(ए) के तहत आयोग ने प्राप्त रिपोर्टों और परिस्थितियों की समीक्षा के बाद मतदान केंद्र संख्या 239 - बेबीलैंड हाई इंग्लिश स्कूल पर हुए मतदान को अमान्य घोषित किया है। हालांकि, चुनाव आयोग ने मतदान रद्द करने के सटीक कारणों का उल्लेख नहीं किया है। चुनाव आयोग ने उक्त मतदान केंद्र पर 11 अप्रैल (शनिवार) को पुनर्मतदान कराने का निर्णय लिया है। मतदान का समय सुबह 7:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक निर्धारित किया गया है। निर्देश में कहा गया है कि संबंधित क्षेत्र में पुनर्मतदान की व्यापक सूचना दी जाए तथा राजनीतिक दलों और प्रत्याशियों को इसकी जानकारी लिखित रूप में उपलब्ध कराई जाए। चुनाव आयोग ने रिटर्निंग अधिकारियों को सभी निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने को कहा है।

असम एचएसएलसी परिणाम में विद्या भारती के छात्रों का उत्कृष्ट प्रदर्शन

गुवाहाटी (हि.स.)। असम हाई स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट (एचएसएलसी) परीक्षा 2026 में विद्या भारती से संबद्ध विद्यालयों के छात्रों ने शानदार प्रदर्शन किया है। शंकरदेव शिशु निकेतन, पटाचारकुची के मेधावी छात्र ज्योतिर्मय दास ने राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त कर अपने विद्यालय और पूरे विद्या भारती परिवार का गौरव बढ़ाया है। विद्या भारती के विद्यालय असम में शिशु शिक्षा समिति, असम के माध्यम से तथा बराक घाटी और डिमा हसाओ क्षेत्रों में शिक्षा विकास परिषद, दक्षिण असम के माध्यम से संचालित होते हैं। वर्तमान में राज्य में 576 विद्यालय मातृभाषा के माध्यम से मूल्य आधारित शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। प्रांतीय प्रचार संयोजक मुकुटेश्वर गोस्वामी ने बताया कि इस वर्ष एचएसएलसी परीक्षा में 403 विद्यालयों के 10,375 छात्र-छात्राएं शामिल हुए। इनमें से 5,623 विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी, 3,546 ने द्वितीय श्रेणी तथा 516 ने तृतीय श्रेणी प्राप्त की। इसके अतिरिक्त 1,333 विद्यार्थियों ने लेटर मार्क्स हासिल किए, जबकि 383 विद्यार्थियों ने विशिष्ट श्रेणी (डिस्टिंक्शन) प्राप्त की। समग्र परिणाम पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने बताया कि 164 विद्यालयों का परिणाम शत-प्रतिशत रहा, जबकि 17 विद्यालयों में सभी छात्र प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए। विद्या भारती के संस्थान शिक्षा के साथ-साथ असम की समृद्ध संस्कृति और भाषा के संरक्षण एवं संवर्धन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। पिछले दो दशकों में विद्या भारती के आठ छात्रों ने राज्य में शीर्ष स्थान हासिल किया है। संस्था प्राथमिक से विश्वविद्यालय स्तर तक पंचपदी शिक्षण पद्धति और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन के माध्यम से छात्रों के सर्वांगीण विकास पर बल देती है। डॉ. पवन तिवारी, प्रो. गंगा प्रसाद परसाई, डॉ. जगदीन्द्र रायचौधुरी, कुलेंद्र कुमार भगवती, जगन्नाथ राजबंशी, महेश भगवत, निहारेंदु धर तथा डॉ. दीपांकर पाल सहित वरिष्ठ पदाधिकारियों ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उल्लेखनीय है कि, पूर्व वर्षों में भी विद्या भारती के छात्रों ने राज्य में शीर्ष स्थान प्राप्त किया है, जिनमें हृद्यम ठाकुरिया (2023), मेघाश्री बोरा (2019), मो. सरफराज हुसैन (2016), ज्ञानदीप शर्मा एवं स्तुति खौंड (2012), प्रकाशज्योति कलिता (2011) तथा जुगल तालुकदार (2010) शामिल हैं।

असम कांग्रेस ने सुरेन दैमारी के खिलाफ पुलिस में दर्ज कराई शिकायत

गुवाहाटी। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की असम इकाई ने गुरुवार को अपने उदालगुड़ी उम्मीदवार, सुरेन दैमारी के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, एक दिन बाद जब उन्होंने पार्टी से इस्तीफा देने और चुनाव से हटने की घोषणा की थी। अपनी शिकायत में, असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने आरोप लगाया कि दैमारी ने पार्टी का टिकट स्वीकार कर लिया था, चुनाव आयोग के मानदंडों के अनुसार अपना नामांकन दाखिल किया था और मतदान की पूर्व संध्या पर अचानक पद छोड़ने से पहले पार्टी के चिन्ह के तहत सक्रिय रूप से प्रचार किया था। पार्टी ने दावा किया कि दाइमरी ने कथित तौर पर *शरारती तत्वों* से प्रभावित होकर, अपने इस्तीफे की घोषणा करने से पहले कांग्रेस के खिलाफ गलत सूचना फैलाई। इसमें आगे आरोप लगाया गया कि उम्मीदवार को चुनाव प्रचार से संबंधित खर्चों के लिए 30 लाख रुपये दिए गए थे और उन पर पार्टी के फंड का दुरुपयोग करने और संगठनात्मक अनुशासन का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया था। हालांकि, दैमारी ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि उन्हें पार्टी नेतृत्व द्वारा उपेक्षित महसूस हुआ। उन्होंने दावा किया कि समर्थन मांगने के बार-बार प्रयास करने के बावजूद, उनके फोन का जवाब नहीं दिया गया और पार्टी चुनाव प्रचार के दौरान उनकी सहायता करने में विफल रही। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में रहने का कोई फायदा नहीं है। इसने मुझे धोखा दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि जिला इकाई ने भी समर्थन नहीं दिया। एक रिपोर्ट के अनुसार, कांग्रेस ने कहा कि दैमारी ने औपचारिक रूप से पार्टी को अपना इस्तीफा नहीं सौंपा था। इस बीच, चुनाव अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि इतने अंतिम चरण में नाम वापस लेने का कोई प्रावधान नहीं है, क्योंकि समय सीमा पहले ही बीत चुकी है और उम्मीदवारों के नाम इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों पर अंतिम रूप से दर्ज किए जा चुके हैं। मतदान कर्मियों को भी उनके संबंधित केंद्रों पर भेज दिया गया था, जिससे मतपत्र में किसी भी प्रकार के बदलाव की संभावना समाप्त हो गई थी। उदालगुड़ी सीट पर बहुकोणीय मुकाबला देखने को मिला, जिसमें बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ), यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल (यूपीपीएल) और वोटर्स पार्टी इंटरनेशनल के उम्मीदवार भी मैदान में थे।

असम में चुनाव संबंधी झड़पों में करीब 30 लोग घायल हुए और सात गिरफ्तार किए गए

गुवाहाटी। असम में चुनाव से संबंधित हिंसा की अलग-अलग घटनाओं में करीब 30 लोग घायल हो गए और सात लोगों को गिरफ्तार किया गया। पाथारकांदी, मेरापानी और राहा जैसे इलाकों के मतदान केंद्रों पर प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक दलों के समर्थकों के बीच संक्षिप्त झड़पें हुईं। हालांकि, इन स्थानों पर तैनात पुलिसकर्मियों ने तुरंत हस्तक्षेप किया और यह सुनिश्चित किया कि मतदान बिना किसी बड़ी बाधा के जारी रहे। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार, श्रीभूमि जिले के पाथारकांदी निर्वाचन क्षेत्र में उस समय तनाव भड़क उठा जब कांग्रेस उम्मीदवार कार्तिक सेना सिन्हा कथित तौर पर रंगमती मतदान केंद्र में घुस गए और पीठासीन अधिकारी से बहस करने लगे। सिन्हा का सीधा मुकाबला असम के मंत्री और भाजपा उम्मीदवार कृष्णेंदु पॉल से है। इस झड़प में करीब 25 लोग घायल हुए हैं, जिनमें से दो की हालत गंभीर है। उन्हें इलाज के लिए करीमगंज सिविल अस्पताल भेजा गया है कि पुलिस अधिकारी ने बताया। खबरों के मुताबिक, गड़बड़ी के बाद बूथ पर मतदान लगभग तीन घंटे के लिए स्थगित कर दिया गया था और बाद में ईवीएम को बदलने के बाद फिर से शुरू हुआ। एक अलग घटना में, डिब्रूगढ़ जिले के खोवांग निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा समर्थकों के साथ हुई हाथापाई में असम जातीय परिषद (एजेपी) के तीन नेता घायल हो गए। भाजपा ने आरोप लगाया कि विधायक चक्रधर गोगोई के घर के पास स्थित एक निजी आवास में उसके कार्यकर्ताओं पर हमला किया गया। इस घटना में कई लोग घायल हो गए, जिनमें प्रहलाद पांडे भी शामिल हैं, जो चुनाव प्रक्रिया में सहायता करने के लिए झारखंड से आए थे। चक्रधर गोगोई ने आरोप लगाया कि ऐसी घटनाएं कोई अलग-थलग घटना नहीं हैं, और दावा किया कि एक दिन पहले हलोधीबारी में भी इसी तरह की घटनाएं घटी थीं। उन्होंने कहा कि गुरुवार की घटना के दौरान उनके कार्यालय को नुकसान पहुंचाया गया और पार्टी कार्यकर्ताओं की पिटाई की गई। शिवसागर में एक अन्य घटना में, एक राजनीतिक दल के दो से तीन सदस्यों पर कथित तौर पर हमला किया गया। पुलिस ने इस घटना के संबंध में तीन लोगों को हिरासत में लिया है और जांच जारी है। सिबसागर सीट से दोबारा चुनाव लड़ रहे अखिल गोगोई ने आरोप लगाया है कि इस घटना के पीछे भाजपा उम्मीदवार कुशल डोवारी का हाथ है। सोशल मीडिया पोस्ट में गोगोई ने दावा किया कि दो लोग घायल हुए और वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। इसी बीच, कल रात तामुलपुर जिले में भी हिंसा भड़क उठी। बोडोलैंड प्रादेशिक परिषद के मुख्य कार्यकारी सदस्य हाग्रामा मोहिलारी ने कहा कि विस्तृत जांच से झड़प के कारणों का पता चलेगा। उन्होंने आगे कहा कि फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है और आगे की घटनाओं को रोकने के लिए पर्याप्त सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं।

लुरिनज्योति गोगोई के आवास पर पुलिस की तलाशी

गुवाहाटी (हि.स.)। चुनाव प्रक्रिया समाप्त होने के बाद असम में असम जातीय परिषद (एजेपी) के अध्यक्ष लुरिनज्योति गोगोई के आवास पर पुलिस ने तलाशी अभियान चलाया, जिससे राजनीतिक हलकों में हलचल पैदा हो गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह कार्रवाई खुमटाई विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत बरपथार गदापानी स्थित गोगोई के आवास पर की गई। पुलिस द्वारा यह तलाशी अभियान चलाने के पीछे के कारणों का आधिकारिक रूप से खुलासा नहीं किया गया है। लुरिनज्योति गोगोई के परिजनों ने आरोप लगाया है कि तलाशी के दौरान पुलिस ने अत्यधिक बल प्रयोग और उत्पीड़न किया। उनका कहना है कि इस कार्रवाई से घर में भय और तनाव का माहौल बन गया। हालांकि, पुलिस की ओर से इस मामले में अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। मामले में आगे की जानकारी की प्रतीक्षा है।

पवन खेड़ा पर एक्शन का सीएम हिमंत शर्मा ने किया बचाव, बोले-

पुलिस अपना काम कर रही है

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई का बचाव करते हुए कहा कि कानून प्रवर्तन एजेंसियां उनकी पत्नी द्वारा दर्ज कराए गए मामले में अपना कर्तव्य निभा रही थीं। असम विधानसभा चुनाव के लिए मतदान समाप्त होने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए शर्मा ने कहा कि हमने खेड़ा के पीछे पुलिस को लगाया है। हम और किसे लगाएंगे? उनके पीछे अल्फा नहीं, बल्कि पुलिस पड़ी है। अगर एफआईआर है, तो उस पर कार्रवाई करना पुलिस का कर्तव्य है। हिमंत विश्व शर्मा ने आगे कहा कि पुलिस कानून की गुलाम है, और वे एक ऐसे व्यक्ति के घर जा रहे हैं जिसका नाम मामले में है, जो कानूनी है। पुलिस को अपराधियों के घरों में जाने के लिए ही वेतन मिलता है। ये टिप्पणियां तब आईं जब खेड़ा ने मुख्यमंत्री पर शर्मा की पत्नी रिनिकी भुइयां शर्मा से जुड़े आरोपों को लेकर उनके खिलाफ पुलिस का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। असम पुलिस ने शिकायत के बाद खेरा के दिल्ली स्थित आवास की तलाशी ली थी, लेकिन वे वहां नहीं मिले। शर्मा ने असम कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई पर भी निशाना साधा और उनके परिवार की राष्ट्रीयता पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि गौरव गोगोई (जोरहाट में) अपनी मां के साथ वोट डालने गए थे, अपनी पत्नी के साथ नहीं। मैं अपनी पत्नी के साथ गया था। अगर उनकी पत्नी उनके साथ जातीं तो कितना अच्छा लगता। उन्होंने आगे कहा कि इससे मेरे ये आरोप साबित होते हैं कि वो अपने परिवार को भारतीय नहीं बना सके।

मतदान रोककर मतदान केंद्र के भीतर पॉलिंग अधिकारी ने पढ़ा नमाज, व्यापक प्रतिक्रिया

बंगाईगांव (हि.स.)। असम के बंगाईगांव विधानसभा क्षेत्र में एक मतदान केंद्र पर पोलिंग अधिकारी द्वारा केंद्र के भीतर नमाज पढ़ने का मामला सामने आया है, जिसके चलते कुछ समय के लिए मतदान प्रक्रिया रोक दी गई। यह घटना 59 नंबर बिजयगांव जेबी स्कूल स्थित मतदान केंद्र संख्या 1 की बताई जा रही है, जहां पॉलिंग अधिकारी ने गुरुवार को मतदान केंद्र के अंदर नमाज पढ़ी। इस दौरान मतदान प्रक्रिया अस्थायी रूप से बाधित हुई। सूत्रों के अनुसार, कुछ समय बाद स्थिति सामान्य हो गई और मतदान फिर से शुरू कर दिया गया। इस मुद्दे को लेकर वहां कतार में खड़े मतदाताओं ने विरोध प्रदर्शन करना शुरू कर दिया। वहीं दूसरी ओर, स्थानीय निवासियों ने इस मुद्दे को लेकर जोरदार प्रतिक्रिया व्यक्त की है। लोगों ने मीडिया से बातचीत में कहा कि स्कूल परिसर में एक नामघर तथा एक मंदिर स्थित है। ऐसे में इस स्थल पर नमाज पढ़ने से मंदिर की पवित्रता तथा सनातन धर्मावलंबियों की आस्था को ठेस पहुंची है। लोगों ने नमाज पढ़ने वाले व्यक्ति के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की है। वहीं दूसरी ओर, कई लोगों ने यह भी कहा कि मतदान की पूरी प्रक्रिया धर्मनिरपेक्षता के साथ संपन्न कराई जाती है। लोग अपनी-अपनी धार्मिक आस्था के अनुसार घर से या अन्य स्थानों से पूजा-अर्चना करके मतदान केंद्र पर आते हैं।

असम में 90 से अधिक सीटें जीतेगा भाजपा गठबंधन : सीएम

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने विश्वास जताया है कि राज्य में संपन्न विधानसभा चुनाव में भाजपा नीत गठबंधन 90 से अधिक सीटें हासिल करेगा। उन्होंने कहा कि इस बार राज्यभर में मतदाताओं ने अभूतपूर्व उत्साह के साथ मतदान किया है। भाजपा मुख्यालय में बीती रात मीडिया से बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि हिंदू बहुल क्षेत्रों के साथ-साथ अल्पसंख्यक बहुल इलाकों में भी लोगों ने बड़ी संख्या में मतदान किया। उन्होंने दावा किया कि इस बार असमिया पहचान की रक्षा के मुद्दे पर लोगों ने निर्णायक मतदान किया है। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए कहा कि गौरव गोगोई को इस चुनाव में कड़ी टक्कर का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने गोगोई की राजनीतिक प्रतिबद्धता पर सवाल उठाते हुए उनके निजी और सार्वजनिक रुख को लेकर भी आलोचना की। उन्होंने कांग्रेस नेता पवन खेड़ा पर भी निशाना साधते हुए कहा कि गुवाहाटी में मौजूद होने का दावा करने के बावजूद वे सुबह जल्दी ही राज्य छोड़कर चले गए। शर्मा ने कांग्रेस को *कायरों की पार्टी* बताते हुए कहा कि उनके व्यवहार में कमजोरी झलकती है। अपने चुनावी अभियान का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने 300 से अधिक जनसभाओं को संबोधित किया। साथ ही उन्होंने कांग्रेस नेताओं देवब्रत सैकिया और रिपुन बोरा पर सवाल उठाया कि वे अपने निर्वाचन क्षेत्रों से बाहर व्यापक प्रचार के लिए क्यों नहीं निकले।

असम : एचएसएलसी उत्तीर्ण प्रतिशत में लगातार बढ़ोतरी

गुवाहाटी (हि.स.)। असम माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित हाई स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट (एचएसएलसी) परीक्षाओं में उत्तीर्ण प्रतिशत में गत तीन दशकों में एक उल्लेखनीय बढ़ोतरी देखी गई है। यह 1994 में सिर्फ 30.9 प्रतिशत था जो आज बढ़कर 2026 में 65.62 प्रतिशत हो गया है। ये आंकड़े राज्य की शिक्षा प्रणाली में लगातार हो रही प्रगति को दर्शाते हैं, जिसकी पहचान बेहतर बुनियादी ढांचे, उन्नत शिक्षण पद्धतियों और छात्रों की बढ़ती भागीदारी से होती है। जहां एक ओर कुल मिलाकर रुझान विकास की ओर इशारा करता है, वहीं ये आंकड़े समय-समय पर होने वाले उन उतार-चढ़ावों को भी दिखाते हैं जो नीतिगत बदलावों और असाधारण परिस्थितियों से प्रभावित होते हैं। 1990 के दशक के आखिर और 2000 के दशक की शुरुआत में, उत्तीर्ण प्रतिशत अपेक्षाकृत कम रहा, जो 28.9 प्रतिशत और 38.7 प्रतिशत के बीच ही घूमता रहा। सबसे कम उत्तीर्ण दर 1997 में दर्ज की गई थी, जब केवल 28.9 प्रतिशत छात्रों ने परीक्षा पास की थी। हालांकि, 2000 के दशक की शुरुआत में लगातार सुधार की शुरुआत हुई और 2005 में उत्तीर्ण प्रतिशत पहली बार 50 प्रतिशत के आंकड़े को पार कर गया। 2011

और 2016 के बीच, परिणाम स्थिर रहे। आम तौर पर 60 प्रतिशत से ऊपर ही बने रहे। वर्ष 2013 में 70.7 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर दर्ज की गई, जो बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शन और शैक्षिक संसाधनों तक बेहतर पहुंच का संकेत था। इस प्रगति के बावजूद, 2017 में उत्तीर्ण प्रतिशत में भारी गिरावट आई और यह 47.9 प्रतिशत पर पहुंच गया, जो हाल के इतिहास में सबसे बड़ी गिरावटों में से एक थी। हालांकि, इसके बाद के वर्षों में परिणामों में धीरे-धीरे फिर से सुधर होने लगा। 2021 में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर हासिल किया गया, जब उत्तीर्ण प्रतिशत बढ़कर अभूतपूर्व 93.1 प्रतिशत पर पहुंच गया, जो अब तक का सबसे ऊंचा स्तर था। शिक्षा विशेषज्ञ इस असाधारण उछाल का श्रेय कोरोना महामारी के दौरान अपनाई गई वैकल्पिक मूल्यांकन विधियों और मूल्यांकन नीतियों को देते हैं, जब पारंपरिक परीक्षाएं बाधित हो गई थीं। महामारी के बाद, परिणाम फिर से अपने सामान्य स्तर पर लौट आए। 2022 में उत्तीर्ण होने का प्रतिशत 56.4 प्रतिशत था, जो 2023 में बढ़कर 72.6 प्रतिशत हो गया और 2024 में 75.7 प्रतिशत तक पहुंच गया, जो हाल के वर्षों में सामान्य परीक्षा स्थितियों के तहत सबसे ज़्यादा है। 2025 में ये आंकड़े थोड़े घटकर 63.98 प्रतिशत हो गए, जिसके बाद 2026 में ये 65.62 प्रतिशत पर स्थिर हो गए, जो लगातार बेहतर प्रदर्शन की वापसी का संकेत है। शिक्षाविदों का कहना है कि यह समग्र सुधार सरकार की लगातार पहलों, ग्रामीण इलाकों में स्कूली शिक्षा के विस्तार, शिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रमों और माध्यमिक शिक्षा के महत्व के बारे में बढ़ती जागरूकता को दर्शाता है। पास होने के प्रतिशत में लगातार हो रही यह वृद्धि छात्रों की बेहतर तैयारी और संस्थागत सहयोग को भी दर्शाती है। शैक्षणिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि जहां एक ओर दीर्घकालिक रुझान उत्साहजनक है, वहीं दूसरी ओर इसमें होने वाले उतार-चढ़ाव लगातार नीतिगत ध्यान दिए जाने की आवश्यकता को रेखांकित करते हैं। एक शिक्षा विशेषज्ञ ने टिप्पणी की कि आंकड़े स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं कि व्यवस्थागत सुधारों और सीखने के अनुकूल माहौल ने बेहतर परिणामों में योगदान दिया है। हालांकि, निरंतरता बनाए रखना हमारी प्राथमिकता बनी रहनी चाहिए।

मणिपुर में पुलिस से हथियार छीनने की कोशिश

इंफाल। मणिपुर में जारी तनाव के बीच सुरक्षा व्यवस्था को चुनौती देने की एक गंभीर घटना सामने आई है, जहां छह युवकों को पुलिसकर्मियों से हथियार छीनने की कोशिश और कर्फ्यू का उल्लंघन करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। यह घटना इम्फाल में घटी, जहां आरोपितों ने न सिर्फ कर्फ्यू का उल्लंघन किया, बल्कि ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट भी की। पुलिस के अनुसार, हालात पहले से ही संवेदनशील बने हुए हैं, ऐसे में इस तरह की हरकतें स्थिति को और भड़काने वाली हैं। गिरफ्तार किए गए सभी युवक 21 से 23 वर्ष के बीच के हैं, जो इस पूरे घटनाक्रम में सक्रिय रूप से शामिल बताए जा रहे हैं। दूसरी ओर, बिष्णुपुर जिले में हुए बम हमले ने पूरे मणिपुर को झकझोर कर रख दिया है। इस हमले में दो मासूम बच्चों की मौत हो गई थी। इस दर्दनाक घटना के बाद प्रदेशभर में आक्रोश फैल गया है और विभिन्न संगठनों ने सड़कों पर उतरकर न्याय की मांग तेज कर दी है।

संपादकीय

1600 ईरानी माताओं का दर्द कौन समझे?

पिछले दिनों सोशल मीडिया पर एक मां की प्रार्थना से युद्ध की मानवीय पीड़ा उजागर हुई। अमेरिकी फाइटर पायलट के सकुशल वापसी से बाद से उस मां के चेहरे पर मुस्कान है। लेकिन ईरान में अमेरिकी-इजरायली हमले में मारे गए 1600 से अधिक नागरिकों की माताओं का दर्द कौन समझे। सोशल मीडिया पर बीते दिनों एक मां का संदेश आया। वह अपने फाइटर पायलट बेटे के लिए परेशान थीं। उन्होंने (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा - आज की रात प्रार्थनाओं में उन दो F-15 पायलटों को याद रखें, जिनके विमान ईरान में गिरा दिए गए हैं। मां साझा होती हैं और उनकी प्रार्थनाएं सभी पर असर करती हैं। अमेरिका ने तलाशी अभियान चलाकर अपने पायलट बचा लिए, उस मां के बेटे को भी। लेकिन यह सिर्फ एक पहलू है, दूसरी तरफ ईरान की सैकड़ों मां आंसुओं में डूबी हैं।

अमेरिकी फाइटर पायलट के सकुशल वापसी से बाद से उस मां के चेहरे पर मुस्कान है। लेकिन ईरान में अमेरिकी-इजरायली हमले में मारे गए 1600 से अधिक नागरिकों की माताओं का दर्द कौन समझे। सोशल मीडिया पर बीते दिनों एक मां का संदेश आया। वह अपने फाइटर पायलट बेटे के लिए परेशान थीं। उन्होंने (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा - आज की रात प्रार्थनाओं में उन दो F-15 पायलटों को याद रखें, जिनके विमान ईरान में गिरा दिए गए हैं। मां साझा होती हैं और उनकी प्रार्थनाएं सभी पर असर करती हैं। अमेरिका ने तलाशी अभियान चलाकर अपने पायलट बचा लिए, उस मां के बेटे को भी।

इस युद्ध में अब तक साढ़े तीन हजार से ज्यादा ईरानियों की मौत हो चुकी है। 1600 से अधिक आम नागरिक मारे गए हैं और करीब 250 बच्चे। संघर्ष के पहले ही दिन तेहरान के पास मिनाब में एक स्कूल पर अमेरिकी मिसाइल गिरी, जिसमें सौ से ज्यादा बच्चों की जान चली गई। ईरान की जिन मां ने अपने बच्चों को गंवाया है, क्या उनके दुख की कल्पना भी की जा सकती है! फिर पश्चिम एशिया के उन लोगों की भी सोचिए, जो बमों-मिसाइलों के धमाकों की दहशत में दिन-रात गुजार रहे हैं। कहीं यह युद्ध उन्हें हमेशा के लिए बदल न दे। अमेरिका और इस्त्राइल इस युद्ध को जरूरी बता रहे हैं, पर यह झूठ है। युद्ध से कोई समाधान नहीं निकलता। हिंसा हमेशा प्रतिहिंसा को जन्म देती है, जिसमें मानवता की आहूति दी जाती है। युद्ध से फायदा होता है तो सिर्फ हथियार बेचने वाली कंपनियों को और उन सत्ताधीशों को, जो इसकी आड़ में राष्ट्रवाद का ज्वार बढ़ाकर अपनी सत्ता बचाने की कोशिश करते हैं। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी हिंसा का हमेशा इसलिए विरोध करते थे, क्योंकि उनके मुताबिक, अगर इससे कुछ अच्छा दिखता भी है, तो वह अस्थायी होता है, लेकिन उसका बुरा असर स्थायी। युद्ध इसलिए भी कभी जरूरी नहीं हो सकता, क्योंकि उसके पीछे छूट जाते हैं दुख, प्रतिशोध, अशांति और तबाही। इनसे उबरने में बरसों लग जाते हैं। अगर रूस-यूक्रेन युद्ध की बात करें तो उसमें जितना नुकसान यूक्रेन के इन्फ्रास्ट्रक्चर को हुआ है, उसे दोबारा खड़ा करने में करीब 600 अरब डॉलर लगेंगे। एक करोड़ यूक्रेन वासियों को अपना घर छोड़ना पड़ा है, 60 लाख तो देश ही छोड़कर चले गए। इस युद्ध ने भी कई माताओं की गोद सूनी कर दी है। पश्चिम एशिया और यूक्रेन युद्ध को लेकर भारत ने हमेशा शांति की वकालत की है।

कुछ अलग

जिंदगी निगलती भीड़

पिछले दिनों वाराणसी में मोबाइल चोरी के संदेह में एक किशोर की पीट-पीट कर हत्या करने की हृदयविदारक घटना सामने आई। घटना कानून व्यवस्था पर तो सवाल है ही, साथ ही भीड़ की बर्बरता की कहानी भी कहती है। क्या एक बच्चे की जिंदगी मोबाइल से सस्ती है? सवाल समाज की बढ़ती आक्रामकता पर भी है। एक ओर हम समाज में कानून का शासन चाहते हैं, वहीं दूसरी ओर कानून हाथ में लेकर किसी की भी जान लेने पर उतारू हो जाते हैं। निस्संदेह, यदि किसी व्यक्ति की अपराध में शामिल होने की आशंका भी है तो उसे पुलिस को सौंपा जाना चाहिए। उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। अराजक तरीके से मार-पीटकर किसी की हत्या कर देने का अधिकार भीड़ को कैसे मिल सकता है? सवाल ऐसी घटनाओं पर शेष समाज की उदासीनता का भी है। जब उस किशोर को पीटा जा रहा था तो आसपास से गुजरने वाले लोग क्यों उसे बचाने नहीं आए? हाल के दिनों में महज शक के आधार पर लोगों को मौत के घाट उतारने व घायल करने की घटनाएं आम हो गई हैं। यह हमारे समाज के लिये भी चिंता का विषय है।

संसद का निर्णय महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को नई शक्ति देगा और लोकसभा और विधानसभाओं में उनका उचित स्थान सुनिश्चित करेगा

सब मिलकर करें नारी शक्ति को सशक्त: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

पीएम नरेंद्र मोदी। 21वीं सदी की विकास यात्रा में भारत एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक क्षण की ओर बढ़ रहा है। आने वाले दिनों में हम अपने लोकतंत्र को और मजबूत करने वाली एक बड़ी पहल के साक्षी बनने वाले हैं। यह अवसर समानता, समावेशन और जनभागीदारी के प्रति हमारी राष्ट्रीय प्रतिबद्धता के नए रूप में सामने आएगा। यह ऐसा समय है, जब संसद को एक ऐसा कदम बढ़ाना है, जो हमारे लोकतंत्र को अधिक व्यापक एवं और अधिक प्रतिनिधिक बनाए। संसद का निर्णय महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को नई शक्ति देगा और लोकसभा और विधानसभाओं में उनका उचित स्थान सुनिश्चित करेगा। यह क्षण इसलिए भी विशेष है, क्योंकि यह तब आ रहा है, जब देश का वातावरण उत्सव, नवीनता और सकारात्मकता से भरा हुआ है।

आने वाले दिनों में हम अपने लोकतंत्र को और मजबूत करने वाली एक बड़ी पहल के साक्षी बनने वाले हैं। यह अवसर समानता, समावेशन और जनभागीदारी के प्रति हमारी राष्ट्रीय प्रतिबद्धता के नए रूप में सामने आएगा। यह ऐसा समय है, जब संसद को एक ऐसा कदम बढ़ाना है, जो हमारे लोकतंत्र को अधिक व्यापक एवं और अधिक प्रतिनिधिक बनाए। संसद का निर्णय महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को नई शक्ति देगा और लोकसभा और विधानसभाओं में उनका उचित स्थान सुनिश्चित करेगा।

आने वाले दिनों में असम में रोंगाली बिहू, ओडिशा में महा बिशुबा पणा संक्रांति, पश्चिम बंगाल में पोइला बैशाख के साथ बंगाली नववर्ष की शुरूआत होगी और केरलम में विषु पूरे उत्साह से मनाया जाएगा। तमिलनाडु के लोग उत्सुकता से पुथांडु की प्रतीक्षा कर रहे हैं, तो पंजाब और उत्तर भारत में बैसाखी का। मैं कामना करता हूं कि ये दिव्य और पावन पर्व हम सभी के जीवन में सुख-समृद्धि लेकर आएं। इसी दौरान 11 अप्रैल से महात्मा फुले की 200वीं जयंती के समारोह शुरू होंगे। 14 अप्रैल को हम डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की जयंती मनाएंगे। ये दोनों तिथियां हमें सामाजिक न्याय और मानवीय गरिमा के उन मूल्यों की भी याद दिलाती हैं, जिन्होंने आधुनिक होते भारत की दिशा तय की है।

इन्हीं प्रेरणादायी अवसरों के बीच 16 अप्रैल को संसद की ऐतिहासिक बैठक होगी। महिला आरक्षण को लागू करने से जुड़े महत्वपूर्ण विधेयक पर चर्चा के बाद उसे पारित कराने के लिए विशेष सत्र बुलाया गया है। इसे सिर्फ एक विधायी प्रक्रिया कहना इसके महत्व को कम करके आंकना होगा। यह भारत की करोड़ों महिलाओं की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब है। हमारी नारी शक्ति लगभग आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करती है। उसने राष्ट्र निर्माण में अमूल्य योगदान दिया है। आज देश के हर सेक्टर में नारीशक्ति मिसाल बन रही है। साइंस एंड टेक्नोलाजी, उद्यम, सशस्त्र बलों और खेलों के साथ हर क्षेत्र में महिलाएं अपनी सशक्त पहचान बना रही हैं। हमारी माताएं-बहनें और बेटियां देश की प्रगति में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। हमारे पारंपरिक मूल्य बताते हैं कि कोई भी समाज तभी प्रगति करता है, जब माताओं-बहनों को आगे बढ़ने के ज्यादा मौके मिलते हैं। इसी सोच के साथ बीते 11 वर्षों में महिला सशक्तीकरण के लिए निरंतर प्रयास किए गए हैं।

शिक्षा तक बढ़ती पहुंच, बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, वित्तीय समावेशन में बढ़ोतरी और बुनियादी सुविधाओं तक बेहतर पहुंच ने आर्थिक और सामाजिक जीवन में उनकी भागीदारी को मजबूती दी है, पर इन सारे प्रयासों के बावजूद राजनीति और विधायी संस्थाओं में महिला प्रतिनिधित्व समाज में उनकी भूमिका के अनुरूप नहीं रहा है। इस कमी को अब दूर किया जाना चाहिए, क्योंकि जब महिलाएं प्रशासन चलाने और प्रशासनिक निर्णयों में हिस्सा लेती हैं, तो उनका अनुभव और विजन बहुत काम आता है। इससे चर्चा तो समृद्ध होती ही है, क्वालिटी आफ गवर्नेंस में सुधार भी होता है। महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना केवल प्रतिनिधित्व का विषय नहीं है, यह हमारे लोकतंत्र को अधिक संवेदनशील, संतुलित और उत्तरदायी बनाने का प्रयास है। पिछले कई दशकों में लोकतांत्रिक संस्थाओं में महिलाओं को उचित स्थान दिलाने के लिए बार-बार प्रयास हुए। विधेयकों के मसौदे भी प्रस्तुत किए गए, पर वे पारित नहीं हो सके, फिर भी इस पर व्यापक सहमति रही कि विधायी निकायों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ना चाहिए। सितंबर 2023 में संसद ने सर्वसम्मति से नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित किया था। यह मेरे जीवन के सबसे विशेष अवसरों में से एक रहा। अब जरूरत है कि 2029 के लोकसभा चुनाव और साथ ही विधानसभा चुनाव महिला आरक्षण के साथ कराए जाएं। महिलाओं के लिए आरक्षण सुनिश्चित करने का यह अवसर संविधान की मूल भावना के साथ गहराई से जुड़ा है। संविधान निमार्ताओं ने एक ऐसे समाज की कल्पना की थी, जहां समानता न केवल संविधान में निहित हो, बल्कि उसे व्यवहार में भी लाया जाए। विधायी संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करना इस परिकल्पना को साकार करने की दिशा में एक अहम कदम है। यह एक ऐसे समाज के निर्माण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जिसमें राष्ट्र का भविष्य तय करने में प्रत्येक नागरिक की समान भूमिका हो। अब इस निर्णय को और टाला नहीं जा सकता। दशकों से इसकी आवश्यकता स्वीकार की गई है। अगर अब भी हम इसे टालते हैं, तो इसका अर्थ होगा कि हम उस असंतुलन को और खींच रहे हैं, जिसे हम पहचानते भी हैं और सुधारने की क्षमता भी रखते हैं।

जब भारत पूरे आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है, तब यह जरूरी है कि हमारी संस्थाएं सभी नागरिकों, विशेष रूप से आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करने वाली महिलाओं की आकांक्षाओं का सम्मान करें। इससे दशकों पुराना संकल्प पूरा होने के साथ विकास की गति बनाए रखने में भी बहुत मदद मिलेगी। यह हमारे लोकतंत्र को अधिक उत्तरदायी बनाने और भविष्य के अनुरूप तैयार करने की दिशा में एक अहम कदम होगा। यह समय सामूहिक संकल्प का है। यह किसी एक सरकार, दल या व्यक्ति का नहीं, पूरे राष्ट्र का विषय है। हमें मिलकर इसके महत्व को समझना है। महिला आरक्षण बिल पारित कराने के लिए सहमति बहुत जरूरी है। इसे बड़े राष्ट्रीय हित के रूप में देखा जाना चाहिए। ऐसे अवसर हमें याद दिलाते हैं कि कुछ फैसले अपने समय से बड़े होते हैं। वे भावी पीढ़ियों की दिशा तय करते हैं और हमें बताते हैं कि लोकतंत्र की असली ताकत समय के साथ खुद को और अधिक न्यायपूर्ण और समावेशी बनाने की क्षमता में होती है। संसद का ऐतिहासिक सत्र करीब आ चुका है। मैं सभी दलों के सांसदों से नारीशक्ति के लिए इस महत्वपूर्ण कदम का समर्थन करने का आग्रह करता हूं। आइए, हम अपने लोकतंत्र की सर्वोच्च परंपराओं के अनुरूप इसमें अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

देश दुनीया से

महिला आरक्षण से बदलेगा भारतीय लोकतंत्र का चेहरा

नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं की राजनीति में कम हिस्सेदारी को सुधारने का प्रयास है। आबादी में लगभग आधी हिस्सेदारी के बावजूद संसद और विधानसभाओं में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बेहद कम है। लंबे इंतजार के बाद यह कानून लोकतंत्र को संतुलित बनाएगा, नीतियों में महिलाओं की आवाज बढ़ाएगा और राजनीति में समान अवसर सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। साल 2011 की जनगणना के मुताबिक भारत की जनसंख्या में महिलाओं की आबादी 48.5% थी। अनुमान है कि पिछले करीब डेढ़ दशक में इसमें कुछ सुधार ही हुआ होगा, लेकिन जो नहीं बदला, वह है देश की संसद और राज्य की विधानसभाओं में महिलाओं की हिस्सेदारी। नारी शक्ति वंदन अधिनियम (महिला आरक्षण) इसी स्थिति को बदलने वाला कानून है और इसके पास व लागू होने में देरी नहीं होनी चाहिए। आंकड़े बताते हैं कि राजनीति में महिलाएं महत्वपूर्ण तो रहीं, पर ज्यादातर वोट बैंक के नजरिये से। उनको उचित प्रतिधिनित्व आज भी नहीं मिल पाया है, जबकि हर क्षेत्र में समान अधिकार की बात की जाती है। मौजूदा लोकसभा में महज 14% महिला सांसद हैं, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की विधानसभाओं में तो स्थिति और खराब है - महज 10% महिला विधायक। और जब महिलाओं को मौका ही नहीं मिलेगा, तो यह सुधरेगा कैसे।

लंबे इंतजार के बाद यह कानून लोकतंत्र को संतुलित बनाएगा, नीतियों में महिलाओं की आवाज बढ़ाएगा और राजनीति में समान अवसर सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। साल 2011 की जनगणना के मुताबिक भारत की जनसंख्या में महिलाओं की आबादी 48.5% थी। अनुमान है कि पिछले करीब डेढ़ दशक में इसमें कुछ सुधार ही हुआ होगा, लेकिन जो नहीं बदला, वह है देश की संसद और राज्य की विधानसभाओं में महिलाओं की हिस्सेदारी। नारी शक्ति वंदन अधिनियम (महिला आरक्षण) इसी स्थिति को बदलने वाला कानून है और इसके पास व लागू होने में देरी नहीं होनी चाहिए। आंकड़े बताते हैं कि राजनीति में महिलाएं महत्वपूर्ण तो रहीं, पर ज्यादातर वोट बैंक के नजरिये से।

भारत ने अपनी आजादी के साथ ही महिलाओं को पुरुषों के बराबर वोटिंग का अधिकार देकर दुनिया के सामने नजीर पेश की थी, पर इसके अगले चरण - राजनीति में उनकी बराबर भागीदारी में देश पीछे रह गया। साल 1996 में एचडी देवेगौड़ा की सरकार में पहली बार महिला आरक्षण बिल लाया गया था और तब से तीन दशकों में चार असफल प्रयास हो चुके हैं। अब सरकार ने बिल पास करने के लिए 16 से 18 अप्रैल को संसद का विशेष सत्र बुलाया है।

पीएम नरेंद्र मोदी ने केरल में एक चुनावी रैली में महिलाओं से विपक्षी दलों पर दबाव बनाने की अपील की, ताकि संसद में महिला आरक्षण बिल बिना किसी विरोध के पास हो सके। आदर्श स्थिति तो यह होगी कि बिल को हर दल का साथ मिले, दबाव बनाने और विरोध की नौबत ही न आए। देर से ही सही, कम से कम अब इस काम को अंजाम तक पहुंच जाना चाहिए।

जब सदन में ज्यादा महिलाएं होंगी, तो आधी आबादी से जुड़े मुद्दों को ज्यादा आवाज मिलेगी। उनकी समस्याओं पर ज्यादा सटीक और संवेदनशील चर्चा हो सकेगी, जिससे नीतियां बनाने में मदद मिलेगी। महिलाओं की अनगिनत उपलब्धियों के बावजूद राजनीति उन कुछ क्षेत्रों में है, जहां उन्हें बराबर मौके नहीं मिल पाते। महिला आरक्षण बिल इस कमी को दूर करेगा। इस बदलाव का असर पूरे समाज पर पड़ेगा। महिला आरक्षण का सवाल सिर्फ सीटों का बंटवारा नहीं, भारत के लोकतंत्र को और संतुलित व न्यायपूर्ण बनाने का मुद्दा है।

आप का नजरीया

मालदा घटना से गरमाया बंगाल

मालदा की घटना और सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी ने पश्चिम बंगाल चुनाव से पहले कानून-व्यवस्था और संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल खड़े किए हैं। SIR को लेकर जनता में असंतोष, प्रशासनिक नाकामी और मतदाता सूची से नाम हटने के आरोपों से अविश्वास बढ़ा है। मालदा की घटना और उस पर सुप्रीम कोर्ट की तल्ख टिप्पणी बताती है कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव कानून व्यवस्था और संवैधानिक संस्थाओं के लिए परीक्षा बन चुका है। राज्य में 23 और 29 अप्रैल को वोटिंग होनी है। इससे पहले जिस तरह के हालात बने हैं, उसे लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिए बिल्कुल शुभ नहीं माना जा सकता।

मालदा के कालियाचक में भीड़ ने 7 न्यायिक अधिकारियों को 9 घंटे तक बंधक बनाकर रखा। घेराव, लगातार विरोध-प्रदर्शन और चक्का जाम जैसी घटनाओं से जाहिर है कि जमीनी स्तर पर लोगों में Special Intensive Revision(SIR) को लेकर गंभीर असंतोष है। हालांकि मालदा में उनके गुस्से ने कानून की सीमा को पार कर दिया, जिसे उचित नहीं ठहराया जा सकता। यह घटना निश्चित तौर पर कानून व्यवस्था की नाकामी का नतीजा है और इसीलिए सुप्रीम कोर्ट को इतने सख्त शब्दों का इस्तेमाल करना पड़ा। राज्य में हालात लंबे समय से तनावपूर्ण हैं और पहले भी SIR ड्यूटी में लगे कर्मचारियों को असुरक्षित स्थितियों का सामना करना पड़ा है। अगर जिम्मेदार अधिकारी हालात की गंभीरता का अंदाजा नहीं लगा पाए, तो यह उनकी नाकामी है। गौर करने वाली बात है कि चुनावों के ऐलान के बाद राज्य में ऊपर से नीचे तक बड़े पैमाने पर अफसरों के तबादले हुए हैं। जनता में अविश्वास। इस घटना के बीच जनता की चिंताओं को भी समझने की जरूरत है। बंगाल में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के पहले लगभग 7.6 करोड़ वोटर थे और अब करीब 10% कम हो गए हैं। फाइनल लिस्ट के बाद 60 लाख को तार्किक विसंगति में चिह्नित किया गया था। इनमें से अब तक 47 लाख आपत्तियों का निपटारा हो चुका है। हालांकि रिजेक्शन रेट बेहद ज्यादा बताया जा रहा है - 35 से 40% तक। लोगों का आरोप है कि उनके नाम काटे जा रहे हैं। इससे अविश्वास का माहौल है। चुनाव आयोग ने भरोसा दिलाया है कि कोई भी योग्य मतदाता छूटने नहीं पाएगा। सुप्रीम कोर्ट भी लगातार नजर रखे हुए है और मामले के समाधान के लिए उसने SIR प्रक्रिया में न्यायिक अधिकारियों को लगाकर अभूतपूर्व रास्ता निकाला था।

मालदा की घटना और उस पर सुप्रीम कोर्ट की तल्ख टिप्पणी बताती है कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव कानून व्यवस्था और संवैधानिक संस्थाओं के लिए परीक्षा बन चुका है। राज्य में 23 और 29 अप्रैल को वोटिंग होनी है। इससे पहले जिस तरह के हालात बने हैं, उसे लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिए बिल्कुल शुभ नहीं माना जा सकता। मालदा के कालियाचक में भीड़ ने 7 न्यायिक अधिकारियों को 9 घंटे तक बंधक बनाकर रखा। घेराव, लगातार विरोध-प्रदर्शन और चक्का जाम जैसी घटनाओं से जाहिर है कि जमीनी स्तर पर लोगों में Special Intensive Revision(SIR) को लेकर गंभीर असंतोष है। हालांकि मालदा में उनके गुस्से ने कानून की सीमा को पार कर दिया, जिसे उचित नहीं ठहराया जा सकता। यह घटना निश्चित तौर पर कानून व्यवस्था की नाकामी का नतीजा है और इसीलिए सुप्रीम कोर्ट को इतने सख्त शब्दों का इस्तेमाल करना पड़ा। राज्य में हालात लंबे समय से तनावपूर्ण हैं और पहले भी SIR ड्यूटी में लगे कर्मचारियों को असुरक्षित स्थितियों का सामना करना पड़ा है।

दृष्टि कोण

खतरनाक मोड़ पर पहुंचा ईरान-अमेरिका युद्ध, एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमले पूरी दुनिया के लिए बुरी खबर

अमेरिका-इजरायल और ईरान संघर्ष अब सैन्य ठिकानों से आगे बढ़कर ऊर्जा और बुनियादी ढांचे पर हमलों तक पहुंच गया है। पुल, रिफाइनरी और गैस सुविधाओं को निशाना बनाने से वैश्विक तेल सप्लाई प्रभावित हुई है। होर्मुज स्ट्रेट संकट से तेल कीमतें बढ़ने और वैश्विक महंगाई-मंदी का खतरा बढ़ गया है, जबकि शांति प्रयास जारी हैं।

अमेरिका-इस्त्राइल और ईरान जंग सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने से इतर अब पूरी तरह मूलभूत सुविधाओं को तबाह करने की तरफ मुड़ गई है। बीते 24 घंटे में दोनों पक्षों ने पुल, रिफाइनरी और एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमले किए हैं। यह दुनिया के लिए बहुत बुरी खबर है।

तबाही की धमकी: अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने बीते दिनों दावा किया कि उनकी ईरान की नई

रेजीम के साथ अच्छी बात चल रही है। फिर देश के नाम संबोधन में उन्होंने ईरान को पाषाण युग में भेजने की धमकी दी और अब शांति के प्रयासों से हटकर बात तबाही पर आ गई है। अमेरिका ने तेहरान के पास एक पुल पर बम गिराया, तो ईरान ने कुवैत और यूएई में एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर पर निशाना साधा। धमकी दी है कि वह पश्चिम एशिया में मौजूद अमेरिकी असेट्स को बर्बाद कर देगा।

फिर कैसे उबरेंगे: लेकिन इसमें नुकसान पूरी दुनिया का है। होर्मुज स्ट्रेट पर ईरानी नाकाबंदी की वजह से पहले ही लगभग 20% ग्लोबल ऑयल सप्लाई कम हो गई है। माना जा रहा है कि अगर जंग रुकती है, तो सप्लाई को फिर से सामान्य करने में कुछ महीने लग सकते हैं। लेकिन, अगर एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमले हुए, तो उससे उबरने में कई साल लग जाएंगे।

नाकाफी होंगे इंतजाम: कुवैत, कतर और सऊदी अरब की ऑयल-गैस फैसिलिटीज और ईरान की साउथ पार्स गैस फील्ड को पहले ही इस युद्ध में काफी नुकसान पहुंचा है। कतर के ऊर्जा मंत्री शेरिडा अल-काबी ने तो पिछले महीने कहा था कि उनके देश की निर्यात क्षमता 17% तक कम हो सकती है। अभी देशों के पास अपना स्ट्रैटिजिक रिजर्व है और इंटरनैशनल एनर्जी एजेंसी की अपील पर सदस्य देशों ने भी ऑयल रिजर्व रिलीज करने पर हामी भरी है।

वहीं भारत ने तेल मार्केटिंग कंपनियों को क्रूड ऑयल के बढ़ते दाम के दबाव से बचाने के लिए बीते दिनों एक्साइज ड्यूटी में कटौती की। लेकिन, अगर हमले जारी रहते हैं, तो सारे इमरजेंसी इंतजाम भी नाकाफी साबित होंगे। इस बीच, क्रूड ऑयल के 200 डॉलर प्रति बैरल तक जाने के अनुमान भी लगाए जा रहे हैं।

शांति का प्रयास: खाड़ी देशों की अर्थव्यवस्था तेल से जुड़ी है और उस तेल से कई देशों की अर्थव्यवस्था जुड़ती है। इसमें गड़बड़ी से मंदी और महंगाई की दोहरी मार पड़ेगी, जिसका असर भी दिखने लगा है। होर्मुज को खुलवाने के लिए कई देश मिलकर प्रयास कर रहे हैं। यह तो जरूरी है ही, जल्द ही यह युद्ध भी रुकना चाहिए।

उत्तर प्रदेश की अंतिम मतदाता सूची जारी, प्रदेश में कुल 13.39 करोड़ मतदाता, 84 लाख मतदाताओं की हुई वृद्धि

लखनऊ ,(हि.स.)। उत्तर प्रदेश में गहन पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) की लंबी प्रक्रिया के बाद शुक्रवार को मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने प्रदेश की अंतिम मतदाता सूची जारी कर दी है। सूची के अनुसार उत्तर प्रदेश में 13 करोड़ 39 लाख 84 हजार 792 मतदाता हैं। इसमें 84 लाख 28 हजार 767 मतदाताओं की वृद्धि हुई है। इनमें प्रदेश में पुरुष मतदाता 7 करोड़, 30 लाख, 71 हजार 61 और महिला मतदाता 6 करोड़, नौ लाख, 9525 है। एसआईआर में विभिन्न कारणों से 8 लाख 15 हजार 996 मतदाताओं के नाम काटे गये हैं। इनमें नोटिस देने के बावजूद सही जवाब न मिलने के कारण काटे गये 3 लाख 50 हजार 436 मतदाताओं के भी नाम शामिल हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने आज लोकभवन स्थित मीडिया सेंटर में प्रेसवार्ता में बताया कि प्रदेश में 166 दिन तक चली विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के बाद प्रदेश की अंतिम मतदाता सूची जारी कर दी गई। जारी मतदाता सूची के अनुसार उत्तर प्रदेश में 13 करोड़ 39 लाख 84 हजार 792 मतदाता हैं। इसमें 84 लाख 28 हजार 767 मतदाताओं की वृद्धि हुई है। इनमें प्रदेश में पुरुष मतदाता 7 करोड़, 30 लाख, 71 हजार 61 और महिला मतदाता 6 करोड़, नौ लाख, 9525 है। तृतीय लिंग के मतदाताओं की संख्या 4 हजार 206 है। प्रदेश में 18 से 19 आयुवर्ग के मतदाताओं की कुल संख्या 17 लाख, 63 हजार 360 है। इसमें मतदाताओं में 54.54 प्रतिशत पुरुष जबकि 45.46 प्रतिशत महिला मतदाता हैं। उन्होंने कहा कि जिन लोगों के नाम छूट गए हैं वे मतदाता अभी भी फॉर्म 6 भरकर सूची में शामिल हो सकते हैं।लखनऊ समेत पांच जिलों में मतदाताओं की सर्वाधिक वृद्धि हुई मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि आज जारी की गयी अंतिम मतदाता सूची में प्रदेश के पांच जिलों में सबसे अधिक मतदाताओं की संख्या बढ़ी है। इनमें प्रयागराज टॉप पर है। प्रयागराज में 3 लाख 29 हजार 421 मतदाता, लखनऊ में 2 लाख, 85 हजार 961 मतदाता, बरेली में 2 लाख 57 हजार 920 मतदाता, गाजियाबाद में 2 लाख 43 हजार 666 मतदाता और जौनपुर में 2 लाख 37 हजार 590 मतदाता बढे.हैं। इसके अलावा प्रदेश के जिन पांच विधानसभा क्षेत्रों में सबसे अधिक मतदाता वृद्धि दर्ज की गयी है। उनमें साहिब्राद में 82 हजार,जौनपुर में 56 हजार 158 ,लखनऊ पश्चिम में 54 हजार 822,फिरोजाबाद में 47 हजार 557 मतदाता बढे.हैं। उन्होंने बताया कि एसआईआर के तहत 6 जनवरी को 12.55 करोड़ मतदाताओं की मसौदा सूची जारी की गई थी। इसके बाद 6 मार्च तक लोगों से इस ड्राफ्ट मतदाता सूची पर सभी प्रकार के दावे व आपत्तियां आंमत्रित की गयी थी, इनमें 86.69 लाख लोगों ने मतदाता सूची में नाम शामिल किए जाने के लिए फॉर्म-6 भरा। वहीं 3.18 लाख लोगों ने नाम कटवाने के लिए फॉर्म-7 भरा था। मतदाता सूची में 1.04 करोड़ लोग ऐसे हैं जिनके नाम का मिलान माता-पिता, बाबा-दादी व नाना-नानी से न होने के कारण इन्हें नोटिस दिया गया था। वहीं 2.22 करोड़ लोग तार्किक विसंगति वाले थे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया ने बताया कि एसआईआर में भाजपा,समाजवादी पार्टी, कांग्रेस, बसपा समेत विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ प्रदेश व जिला स्तर पर बैठकें हुई हैं और उनमें आयी शिकायतें व ज्ञापनों की सुनवाई कर उनका त्वरित निराकरण किया गया, इतना ही नहीं इन दलों ने अपने अपने कार्यकताओं को बूथ लेवल एजेंट के रूप में नियुक्त किया था, इन्होंने बूथ स्तर पर एसआईआर से जुड़े कार्यों को लेकर अपनी सहभागिता सुनिश्चित की।

मुख्यमंत्री योगी ने नेशनल इंटरवेंशनल काउंसिल 2026 का किया उद्घाटन

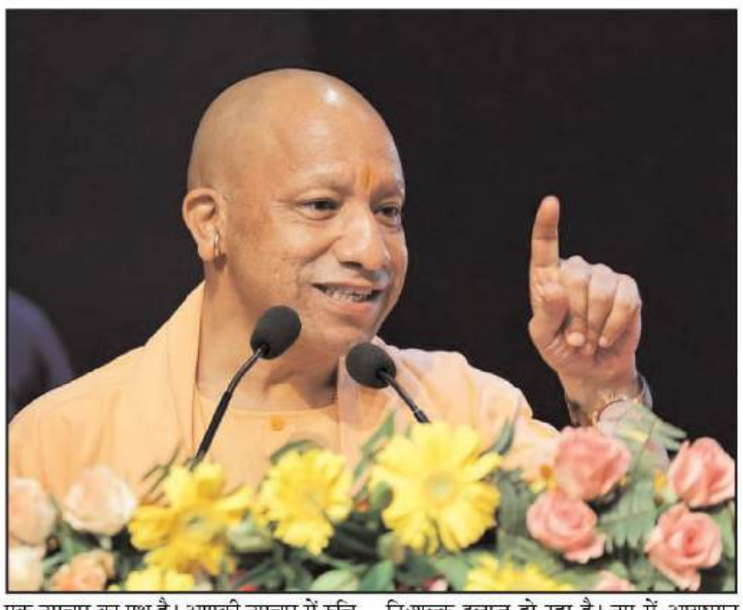

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कार्डियोलॉजी सोसायटी ऑफ इण्डिया की ओर से लखनऊ के अटल बिहारी बाजपेयी चिकित्सा विश्वविद्यालय में आयोजित नेशनल इंटरवेंशनल काउंसिल 2026 का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में भारत समेत कई देशों के विशेषज्ञ चिकित्सक शामिल हुए हैं। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि बीमारू भारत सशक्त नहीं हो सकता, समृद्ध नहीं हो सकता और आत्मनिर्भर भी नहीं हो सकता है। स्वास्थ्य के लिए इलाज से पहले लोगों को अपनी दिनचर्या को बदलना होगा। इसके लिए चिकित्सकों को आगे आना होगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि संस्था ने लंबी यात्रा तय करने के बाद यह सेमिनार लखनऊ में कर रही है। यह बदलते हुए भारत में उत्तर प्रदेश का नया स्वरूप है। आज भारत नई प्रतिस्पर्धा के साथ दुनिया में खड़ा है। 2017 से पहले यह उत्तर प्रदेश खुद बीमारू राज्य के रूप में खड़ा था। आज भारत में अग्रणी भूमिका में खड़ा है। यह हम सब के लिए चिंता का विषय है। भारत जैसे देश में जहां प्राचीन काल से ही इन चीजों पर ध्यान दिया जाता रहा है। समय सोना, जगना, संतुलित आहार, पौष्टिक आहार लेना हमारे जीवन का हिस्सा रहा है। यह सब हमारी दिनचर्या में शामिल था। दिनचर्या बदली, लाइफ स्टाइल बदली और उसके परिणाम भी हम सब के सामने हैं। आज हम सब जिस चुनौती से घिरे हुए हैं। इसके दो पक्ष हमारे सामने है। यह बचाव और एक उपचार का पक्ष है। आपकी उपचार में रुचि में है। आप इस क्षेत्र में रिसर्च में रुचि होगी। लेकिन मेरा मानना है कि बचाव ज्यादा जरूरी है। उसके लिए जागरूकता फैलाना चाहिए। बहुत बड़ी संख्या में इस बीमारी की चपेट में लोग आ रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि ऐसा नहीं है कि सरकार ने इस ओर कोई ठोस कदम न उठाए हों। आठ से 10 साल पहले कोई व्यक्ति बीमार पड़ता था तो परिवार को सबसे अधिक पैसे की चिंता होती थी। भारत के 60 से अधिक लोगों को हेल्थ स्कीम से जोड़ा गया है। उनका निःशुल्क इलाज हो रहा है। उप्र में आयुष्मान योजना के अलावा मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना से लाभान्वित किया है। राज्य कर्मचारियों के साथ ही अभी हाल में ही आंगबाड़ी कार्यकर्त्रियों, रसोइयां, शिक्षा मित्र और अनुदेशकों को भी को निःशुल्क इलाज की व्यवस्था प्रदान की गयी है। आज यूपी में 81 मेडिकल कॉलेज और दो एम्स का सफलतापूर्वक संचालन किया जा रहा है। योगी ने कहा कि सुविधा बढ़ाने के साथ सरकार ने और भी प्रयास किये हैं। उपकरण सस्ते मिलें, फार्मा पार्क स्थापित किए जा रहे हैं। यह प्रयास इलाज को सुलभ बनाएंगे। इस सब के बावजूद यदि हमने अपने लाइफ स्टाइल नहीं बदलने से अच्छा जीवन मिल सकता है। मेडिकल कॉलेजों में मरीजों को भीड़ है। क्या डॉक्टर अपने मरीज को पर्याप्त समय दे पा रहा है। चार से छह घंटे आम जन स्मार्ट फोन के सम्पर्क में है। इसलिए जरूरी है कि सभी लोग अपने दिनचर्या में बदलाव करें। इसके लिए यदि कोई चिकित्सक कहेगा तो उसकी बात लोग ज्यादा मानेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज मिलावटखोरी चरम पर है। एक जिले में मैं गया था। डेरी उत्पाद के बारे में जानकारी की। आप जितना चाहो उतना डेरी उत्पाद आर्डर कर दीजिए, वह सप्लाई कर देते हैं। छापा मरवाया तो हजारों कुंतल खोया और पनीर बरामद हुआ। आज आप कार्यक्रम में जा रहे हैं, क्या खा रहे हैं, इसका कोई ठिकाना नहीं है। जो समझकर खा रहे हैं, वही है, इसका कोई भरोसा नहीं है। इसलिए अपनी दिनचर्या में बदलाव कीजिए। प्रधानमंत्री मोदी ने दवाओं के साथ योग को आगे बढ़ाया। दुनिया उसे अंगीकार कर रही है। उपचार सस्ता हो, इस दिशा में सरकार ने कार्य किया है। भगवान की कृपा है कि गरीब को हृदय रोग कम ही होता है। वह कठिन परिश्रम करता है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि बीमारू भारत सशक्त नहीं हो सकता, समृद्ध नहीं हो सकता और आत्मनिर्भर भी नहीं हो सकता है। चिकित्सकों से अपील किया कि वे दोनों पक्षों पर विचार करें। इस फील्ड के लिए अच्छा होगा ही, साथ में स्वस्थ समाज होगा। स्वस्थ समाज से ही देश स्वस्थ एवं समृद्ध होगा।

बलिया में सीएमओ ने दस्तक अभियान का किया शुभारम्भ, बुखार के रोगियों की खोज करेंगी आशा

देवरिया, (हि.स.) । उत्तर प्रदेश के जनपद देवरिया में शुक्रवार को संचारी रोगों की रोकथाम के लिए ह्यदस्तक अभियान का शुभारंभ किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. अनिल कुमार गुप्ता ने परशुराम चौक स्थित प्राथमिक विद्यालय से आशा, आंगनबाड़ी और सहायिकाओं के साथ फीता काटकर तथा घर-घर दस्तक देकर अभियान की शुरूआत की। सीएमओ ने बताया कि यह अभियान 30 अप्रैल तक चलेगा। इसके तहत जिले की आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता घर-घर जाकर बुखार, खांसी, जुकाम, मलेरिया, जेई/एईएस, चिकनगुनिया, क्षय रोग, फाइलेरिया और कालाजार जैसे लक्षणों वाले मरीजों की पहचान करेंगी। साथ ही कुपोषित बच्चों की सूची भी तैयार की जाएगी। जिले में कुल 2756 आशा कार्यकताओं की टीमें सक्रिय हैं, जिन्हें प्रतिदिन कम से कम 15 घरों की स्क्रीनिंग का लक्ष्य दिया गया है। चिन्हित मरीजों का नजदीकी स्वास्थ्य केंद्रों पर उपचार कराया जाएगा। इस अवसर पर डिप्टी सीएमओ (वेक्टर बॉर्न डिजीज कंट्रोल) डॉ. हरेंद्र कुमार, अरबन नोडल अधिकारी डॉ. आरपी यादव, डीएमओ सीपी मिश्रा मौजूद रहे।

वाराणसी में पुलिस की सख्ती से कांग्रेसी पुतला दहन नहीं कर पाये

वाराणसी, (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा द्वारा कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के खिलाफ कथित अमर्यादित टिप्पणी को लेकर कांग्रेस ने तीखा विरोध जताया है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय के निर्देश पर वाराणसी में शुक्रवार को कार्यकर्ता असम के मुख्यमंत्री का पुतला दहन करने की तैयारी में थे। हालांकि, प्रदर्शन शुरू होने से पहले ही पुलिस प्रशासन ने सक्रियता दिखाते हुए कई कांग्रेस नेताओं और पदाधिकारियों को उनके घरों में ही रोक दिया। कांग्रेस के स्थानीय महानगर अध्यक्ष राघवेन्द्र चौबे ने सोशल मीडिया के माध्यम से तस्वीरें साझा कर आरोप लगाया कि पुलिस ने उन्हें हाउस अरेस्ट कर लिया है। महानगर अध्यक्ष के अनुसार, पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के अपमान के विरोध में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था, लेकिन प्रशासन ने पहले ही कार्रवाई करते हुए पार्टी के नेताओं के घरों के बाहर पहरा बैठा दिया।

बलिया में सातवीं चंद्रशेखर हाफ मैराथन का लोगो लांच, की गयी तैथरियों की समीक्षा

बलिया,(हि.स.)। उत्तर प्रदेश के जनपद बलिया में पूर्व प्रधानमंत्री जननायक चंद्रशेखर की स्मृति में 19 अप्रैल को होने वाली सातवीं हाफ मैराथन का लोगो गुरुवार को देर शाम राज्यसभा सांसद नीरज शेखर ने अपने आवास 'झोपड़ी' पर चंद्रशेखर मैराथन समिति के सदस्यों की मौजूदगी में लांच किया। इस अवसर पर अब तक की गयीं तैयारियों की समीक्षा भी की गयी। पटपर (पचखोरा) स्थित शारदा पेट्रोल पंप से जिला मुख्यालय स्थित वीर लोरिक स्पोर्ट्स स्टेडियम तक 21.1 किमी दूरी वाले इस मैराथन की सफलता को लेकर गुरुवार देरशाम हुई बैठक में विभिन्न समितियों के गठन को अंतिम रुप दिया गया। लेखा समिति, उद्घाटन समिति, व्यवस्था समिति व समापन समिति से लेकर खिलाड़ियों को रिसीव करने व उनके ठहरने के इंतजामों पर व्यापक चर्चा हुई। काफी देर तक चर्चा के बाद आयोजन समिति से जुड़े सभी सदस्यों को उनकी जिम्मेदारी सौंपी गयी। आयोजन समिति के सदस्यों को सम्बोधित करते हुए राज्यसभा सांसद नीरज शेखर ने कहा कि चंद्रशेखर हाफ मैराथन की चर्चा पूरे विश्व में हो रही है। पूर्व प्रधानमंत्री की गरिमा और वैश्विक खिलाड़ियों के आगमन को देखते हुए इस बार के आयोजन को भव्य रुप देना है। चंद्रशेखर मैराथन समिति के सचिव उपेंद्र सिंह ने पूरे आयोजन की रुपरेखा सबके सामने प्रस्तुत किया।

बागबेड़ा के सरकारी स्कूल में 80 बच्चों को मिला आयुष्मान भारत कार्ड

पूर्वी सिंहभूम, (हि.स.)। पूर्वी सिंहभूम जिले के बागबेड़ा क्षेत्र स्थित नया बस्ती रोड नंबर-3 के एक सरकारी विद्यालय में शुक्रवार को एक सामाजिक एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान करीब 80 बच्चों के बीच भारत सरकार की महत्वाकांक्षी स्वास्थ्य योजना आयुष्मान भारत के तहत आयुष्मान कार्ड का वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों और उनके अभिभावकों को आयुष्मान भारत योजना के लाभों की विस्तृत जानकारी भी दी गई। वक्ताओं ने बताया कि इस कार्ड के माध्यम से पात्र परिवारों को प्रतिवर्ष लाखों रुपये तक का मुफ्त इलाज विभिन्न सरकारी और सूचीबद्ध निजी अस्पतालों में मिल सकता है। इस अवसर पर पोटका की पूर्व विधायक मेनका सरदार ने विद्यालय की रसोईया (मिड-डे मील कार्यकर्ता) को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना ही सच्ची सेवा है। उन्होंने बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की भी सलाह दी। कार्यक्रम में भाजपा जमशेदपुर महानगर के जिला अध्यक्ष संजीव सिन्हा ने कहा कि केंद्र सरकार की योजनाएं आम लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत योजना गरीब परिवारों के लिए वरदान साबित हो रही है और इससे स्वास्थ्य खर्च का बोझ काफी हद तक कम हुआ है। इस मौके पर भाजपा जिला मंत्री मनोज राम,भाजपा मुख्यालय प्रभारी सुबोध झा,बागबेड़ा के पूर्व मंडल अध्यक्ष धन्नजय उपाध्याय, संजय सिंह, विद्यालय के प्रधानाचार्य पुनीत गिरी, उत्तरी बागबेड़ा की मुखिया गौरी टोप्पो, पूर्व मुखिया बुधराम टोप्पो, उपमुखिया मुकेश सिंह सहित कई स्थानीय जनप्रतिनिधि और समाजसेवी उपस्थित रहे।

पूर्व मंत्री रमेश सिंह मुंडा हत्याकांड : नक्सली राम मोहन सिंह मुंडा की जमानत याचिका खारिज

रांची, (हि.स.)। पूर्व मंत्री रमेश सिंह मुंडा हत्याकांड मामले में 2016 से जेल में बंद नक्सली राम मोहन सिंह मुंडा की जमानत याचिका एनआईए की विशेष कोर्ट ने खारिज कर दी। राम मोहन सिंह मुंडा उर्फ मोचू नक्सली साजिश रचने और हत्या मामले में आरोपित है। उल्लेखनीय है कि मामला बुंडू थाना कांड संख्या 65/2008 से जुड़ा है। 9 जुलाई 2008 को तमाड़ के तत्कालीन विधायक रमेश सिंह मुंडा की नक्सलियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। जिसकी जांच एनआईए को सौंपी गई थी। आरोपित राम मोहन सिंह मुंडा को 8 जुलाई 2016 को गिरफ्तार किया गया था। तब से न्यायिक हिरासत में जेल में बंद है। एनआईए ने राम मोहन सिंह मुंडा को 23 नवंबर 2017 को एप्रूवर (गवाह) बनाया है। जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष ने दलील दी कि आरोपी अब गवाह बन चुका है। बयान पूरा हो चुका है और ट्रायल लंबा चल रहा है। वहीं एनआईए ने कहा कि कानून के अनुसार एप्रूवर को ट्रायल खत्म होने तक हिरासत में रखना अनिवार्य है। मामले में पूर्व मंत्री राजा पीटर और कुख्यात नक्सली कुंदन पाहन ट्रायल फेस कर रहे हैं।

झारखंड पुलिस मुख्यालय ने फर्जी निकासी मामले में सभी जिलों से मांगी वित्तीय निकासी की जांच रिपोर्ट

रांची, (हि.स.)। झारखंड में पुलिस कार्यालयों से संदिग्ध वित्तीय निकासी का मामला सामने आने के बाद पुलिस मुख्यालय ने कड़ा कदम उठाया है। पुलिस मुख्यालय से शुक्रवार को मिली जानकारी के अनुसार सभी जिलों और इकाइयों को एक सप्ताह के भीतर विस्तृत जांच रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया गया है। यह कदम प्रधान महालेखाकार की रिपोर्ट में बोकारो पुलिस कार्यालय से वेतन मद में अनियमित भुगतान उजागर होने के बाद उठाया गया है। मुख्यालय की ओर से रांची, जमशेदपुर और धनबाद के एसएसपी, सभी जिलों के एसपी, विभिन्न पुलिस इकाइयों के समादेष्टा, रेंज डीआईजी और जोनल आईजी को पत्र भेजकर अपने-अपने कार्यालयों में हुई वित्तीय निकासी की जांच करने को कहा गया है। साथ ही वित्त और गृह विभाग के स्तर से प्राप्त पत्रों का हवाला देते हुए रिपोर्ट जल्द उपलब्ध कराने को कहा गया है। मिली जानकारी के अनुसार बोकारो एसपी कार्यालय से मई 2024 से दिसंबर 2025 के बीच वेतन मद में करीब 3.15 करोड़ रुपये का भुगतान संदिग्ध पाया गया है। वहीं समीक्षा के दौरान हजारीबाग एसपी कार्यालय से पिछले आठ वर्षों में 15.41 करोड़ रुपये से अधिक की अनियमित निकासी का मामला भी सामने आया है। प्रारंभिक जांच में यह भी संकेत मिले हैं कि सेवानिवृत्त कर्मियों या ऐसे व्यक्तियों को भुगतान किया गया, जो वास्तविक रूप से संबंधित कार्यालय में कार्यरत नहीं थे। कुछ मामलों में अभिलेखों का मिलान किए बिना वेतन जारी किया गया। बोकारो मामले में तो एक सेवानिवृत्त व्यक्ति के जीपीएफ विवरण में जन्मतिथि में बदलाव कर उसे कार्यरत दिखाकर भुगतान करने की बात भी सामने आई है। जांच के दौरान यह भी पाया गया कि कई मामलों में स्वीकृत वेतन से अधिक राशि का मासिक भुगतान किया गया है। इस पूरी प्रक्रिया में निचले स्तर के लिपिकीय कर्मचारियों से लेकर वरीय अधिकारियों तक की भूमिका की जांच की जा रही है। पुलिस मुख्यालय को आशंका है कि इसी तरह की अनियमितताएं अन्य जिलों में भी हो सकती हैं, इसलिए सभी इकाइयों से रिपोर्ट मिलने के बाद आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

रोहतास में जमीन घोटाले का बड़ा खुलासा! 26 एकड़ संपत्ति हड़पने का आरोप

रोहतास, (हि.स.)। बिहार में उपमुख्यमंत्री- सह राजस्व मंत्री विजय सिन्हा की कोशिशों को उनके ही विभाग के अधिकारी और कर्मचारी पलिता लगा रहे हैं। ताजा मामला रोहतास जिले के कोचस अंचल से जुड़ा है, जहां जमीन घोटाले का सनसनीखेज मामला सामने आया है। जानकारी के मुताबिक रोहतास जिले के कोचस प्रखंड अन्तर्गत ग्राम सरेयां में करीब 26 एकड़ पुश्तैनी संपत्ति को कथित साजिश के तहत राजस्व अभिलेखों में छेड़छाड़ कर एक महिला और उसके बेटों के नाम दर्ज करा दिया गया। हैरानी की बात यह है कि इस पूरे खेल में राजस्व विभाग के अधिकारियों की भूमिका भी कटघरे में है। एक ही जमीन पर बार-बार जालसाजी, अदालत की टिप्पणी के बाद भी दोबारा खेल और अब सरकारी रिकॉर्ड का गायब होना सिस्टम पर गंभीर सवाल खड़े करता है। ग्राम सरेयां निवासी रजनीकांत तिवारी ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि स्व मारकण्डेय तिवारी की मौत के बाद उनकी संपत्ति पर उनकी पत्नी और तीनों बेटियों का बराबर हक था। विधिवत दाखिल-खारिज के बाद वर्षों तक चारों के नाम से मालगुजारी रसीद भी कटती रही। शिकायत के मुताबिक, वर्ष 2011 में पदमावती मिश्रा ने कथित तौर पर फर्जी हस्ताक्षर के जरिए लोक अदालत सासाराम से

बिहार भूमि
बिहार सरकार
राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग

पूरी संपत्ति अपने नाम कराने की कोशिश की थी। लेकिन, मामला खुलने पर 16 मार्च 2012 को लोक अदालत ने सख्त टिप्पणी करते हुए डिग्री रद्द कर दी थी और कहा था कि अदालत को गुमराह कर आदेश हासिल किया गया। सबसे चौंकाने वाला आरोप यह है कि अदालत द्वारा जालसाजी उजागर होने के बावजूद उसी जमीन को दोबारा राजस्व अभिलेखों में बदल दिया गया। आरोप है कि पदमावती मिश्रा ने अपने बेटों निखिल और राहुल के साथ मिलकर 26 एकड़ में से 19 एकड़ 23 डिसमिल जमीन बेटों के नाम और शेष 6 एकड़ 78 डिसमिल अपने नाम दर्ज करा ली। इस प्रक्रिया में बाकी दो बहनों का नाम पूरी तरह से रिकॉर्ड से हटा दिया गया और उन्हें इसकी भनक तक नहीं लगी।

म्यूटेशन फाइल गायब, आरटीआई का जवाब भी नहीं- क्या छुपाया जा रहा है?

मामले को और संदिग्ध बनाता है म्यूटेशन केस संख्या 455/16-17, जिसके आधार पर जमीन ट्रांसफर होने की बात कही जा रही है। जब इसकी नकल मांगी गई तो अंचल कार्यालय ने लिखित में जवाब दिया कि रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं है। इतना ही नहीं, सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत मांगी गई जानकारी भी तीन महीने बाद तक नहीं दी गई। जबकि कानूनन 30 दिन में जवाब देना अनिवार्य है। इससे पूरे मामले में पर्दा डालने की आशंका और गहरा गई है। खरीदार भी फंसे, म्यूटेशन पर रोकमामले का असर अब तीसरे पक्ष पर भी पड़ा है। बड़ी बहन आशा पाण्डेय द्वारा बेची गई जमीन के खरीदारों का म्यूटेशन भी अटका हुआ है। इससे वे कानूनी और आर्थिक संकट में फंस गए हैं।

बड़ा सवाल: बिना अधिकार बेटों के नाम कैसे हुई जमीन? शिकायत में यह भी बड़ा कानूनी सवाल है कि मां के जीवित रहते ननिहाल की संपत्ति में बेटों का कोई सीधा अधिकार नहीं होता, फिर भी राजस्व रिकॉर्ड में उनका नाम कैसे दर्ज हो गया?

प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच की मांग - पीड़ित पक्ष ने पूरे प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच, राजस्व अभिलेखों में सुधार, वास्तविक हिस्सेदारों का नाम बहाल करने और इस कथित खेल में शामिल अधिकारियों व अन्य लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

किशनगंज में नाबालिग छात्रा का अपहरण, पड़ोसी युवक पर गुजरात ले जाने का आरोप

किशनगंज, (हि.स.)। जिले के फरिंगगोला क्षेत्र से एक नाबालिग छात्रा के अपहरण का मामला सामने आया है। छात्रा को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप पड़ोस में रहने वाले एक युवक पर लगाया गया है। मामले को लेकर सदर थाना में प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस ने बच्ची की तलाश तेज कर दी है। जानकारी के अनुसार फरिंगगोला निवासी संजना कुमारी 7 अप्रैल को मध्य विद्यालय टेउसा जाने के लिए घर से निकली थी, लेकिन देर शाम तक घर वापस नहीं लौटी। परिजनों ने आसपास के क्षेत्रों में उसकी काफी खोजबीन की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद परिजनों ने संजना के मोबाइल की जांच की, जिसमें पता चला कि वह पड़ोस में रहने वाले रंजीत राय से लगातार बातचीत करती थी। परिजनों ने आरोप लगाया है कि रंजीत राय ने संजना को बहला-फुसलाकर अपने साथ गुजरात ले गया है। इस संबंध में पीड़िता के पिता ने सदर थाना में लिखित आवेदन देकर रंजीत राय के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज कराया है। सदर थाना प्रभारी ने बताया कि शिकायत मिलते ही तत्काल प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।

पुलिस टीम छात्रा और आरोपी युवक की तलाश में जुट गई है। दोनों की लोकेशन ट्रेस करने के लिए तकनीकी सहायता ली जा रही है तथा गुजरात पुलिस को भी अलर्ट किया गया है। इधर, परिजनों ने पुलिस प्रशासन से जल्द से जल्द बच्ची की सुरक्षित बरामदगी की मांग की है। उनका कहना है कि संजना नियमित रूप से स्कूल जाती थी, लेकिन अचानक लापता होने से परिवार चिंतित और भयभीत है।

सीवान सिविल कोर्ट फिर निशाने पर: बम धमकी से दहशत, जांच में निकली फर्जी साजिश

सीवान, (हि.स.)। सीवान जिले के सिविल कोर्ट को एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी मिलने से शुक्रवार को पूरे न्यायिक परिसर में अफरा-तफरी मच गई। ईमेल के जरिए दी गई इस धमकी ने प्रशासन की नींद उड़ा दी और कुछ ही मिनटों में पूरा कोर्ट परिसर पुलिस छावनी में तब्दील हो गया। धमकी भरा मेल प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश मोतीश कुमार के आधिकारिक ईमेल पर आया, जिसमें सुबह 11:30 बजे कोर्ट को बम से उड़ाने की बात कही गई थी। सूचना मिलते ही एसपी पूरन कुमार झा और डीएम विवेक रंजन मैत्रेय हरकत में आए और तत्काल सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट कर दिया गया। देखते ही देखते बम स्क्वायड, डॉग स्क्वायड और फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंच गईं। कोर्ट परिसर के चप्पे-चप्पे की सघन तलाशी ली गई। हर आने-जाने वाले व्यक्ति की कड़ी जांच की गई और पूरे इलाके को हाई अलर्ट पर रखा गया। घंटों चली जांच के बाद भी कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली, जिससे साफ हो गया कि धमकी फर्जी थी।

बार-बार धमकी, प्रशासन के लिए सिरदर्द - यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले 28 जनवरी को भी इसी तरह ईमेल के जरिए कोर्ट को उड़ाने की धमकी दी गई थी, लेकिन तब भी जांच में कुछ नहीं मिला था। लगातार मिल रही ऐसी धमकियों ने सुरक्षा एजेंसियों के सामने बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है। एसपी पूरन कुमार झा ने बताया कि मामले की साइबर जांच शुरू कर दी गई है और मेल भेजने वाले शख्स की पहचान करने की कोशिश जारी है। वहीं, न्यायाधीश मोतीश कुमार ने फिलहाल इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

साजिश या शरारत?

बार-बार फर्जी धमकियों से यह सवाल उठने लगा है कि आखिर कौन है जो न्यायिक व्यवस्था को निशाना बनाकर डर का माहौल बनाना चाहता है। फिलहाल पुलिस हर एंगल से जांच में जुटी है और सुरक्षा व्यवस्था को और कड़ा करने की तैयारी की जा रही है।

टाटा पंच सीएनजी को सुरक्षा परीक्षण में मिली उच्चतम रेटिंग

नई दिल्ली

कार निर्माता स्वदेशी कंपनी टाटा पंच सीएनजी को हाल ही में सुरक्षा परीक्षण में उच्चतम रेटिंग प्राप्त हुई है। यह कार उन परिवारों के लिए एक आकर्षक विकल्प बनकर उभरी है, जो कम बजट में अपने प्रियजनों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करना चाहते। भारत एनकैप द्वारा किए गए सुरक्षा परीक्षण में टाटा पंच को पूरे 5 स्टार की रेटिंग दी गई है, जो इसे देश की सबसे सुरक्षित किफायती सीएनजी कारों में शामिल करती है।

यह कार वयस्कों के साथ-साथ बच्चों की सुरक्षा के लिए भी उच्च स्तर की सुरक्षा प्रदान करती है। कंपनी ने हर संस्करण में 6 एयरबैग्स जैसे महत्वपूर्ण फीचर्स शामिल किए हैं, जो इस सेगमेंट में इसे खास बनाते हैं। कठोर परीक्षण के दौरान एक भारी वाहन से टक्कर के बाद भी, गाड़ी का मुख्य केबिन सुरक्षित रहा, जो इसकी मजबूत संरचना का प्रमाण है। उच्च संस्करणों में चारों ओर देखने वाला कैमरा, ब्लाइंड व्यू मानिटर, इलेक्ट्रानिक स्थिरता नियंत्रण और टायर दबाव निगरानी प्रणाली जैसी आधुनिक सुविधाएं भी मिलती हैं, जो ड्राइविंग को आसान और सुरक्षित बनाती हैं।

टाटा मोटर्स की इस लोकप्रिय कार का सीएनजी विकल्प लगभग 6.75 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) से शुरू होता है, जिसका सड़क पर उतरने वाला मूल्य करीब 7.70 लाख रुपये है। इसके उच्च संस्करण लगभग 9.20 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) तक जाते हैं। इस कीमत श्रेणी में इतनी उच्च सुरक्षा देने वाली कार उपभोक्ताओं के लिए एक बड़ा आकर्षण है।

विप्रो फिर लाएगा शेयर बायबैक, तीन साल बाद बड़े फैसले की तैयारी

मुंबई। आईटी सेक्टर की दिग्गज कंपनी विप्रो लिमिटेड एक बार फिर शेयर बायबैक पर फैसला लेने जा रही है। करीब तीन साल बाद कंपनी इस विकल्प पर विचार कर रही है, जिससे निवेशकों को सीधा लाभ मिलने की उम्मीद है। विप्रो ने घोषणा की है कि उसके बोर्ड आफ डायरेक्टर्स की बैठक 15 और 16 अप्रैल 2026 को आयोजित होगी, जिसमें इक्विटी शेयरों के बायबैक प्रस्ताव पर विचार किया जाएगा। कंपनी ने बताया कि यह प्रक्रिया कंपनी अधिनियम 2013 और सेबी के बायबैक नियम 2018 के तहत पूरी की जाएगी। कंपनी के पास तीसरी तिमाही तक करीब 57,394 करोड़ रुपये का कैश रिजर्व है, जो उसे इस तरह के बड़े फैसले लेने में सक्षम बनाता है। विप्रो पहले ही संकेत दे चुकी है कि वह वित्त वर्ष 2026 से 2028 के बीच अपने मुनाफे का 70 प्रतिशत से अधिक हिस्सा शेयरधारकों को लौटाएगी। ऐसे में बायबैक इसी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। इससे पहले कंपनी ने अप्रैल 2023 में 12,000 करोड़ रुपये का बायबैक किया था, जिसमें शेयर 223 रुपये प्रति शेयर के भाव पर खरीदे गए थे। 2020 और 2019 में भी कंपनी इस तरह की पहल कर चुकी है। खास बात यह है कि विप्रो आमतौर पर बाजार भाव से 16 से 19 प्रतिशत प्रीमियम पर शेयर खरीदती रही है।

न्यूज ब्रीफ

अंतरिक्ष यात्री करेंगे चंद्रमा पर वीडियो रिकार्ड

नई दिल्ली। अपने महत्वाकांक्षी अर्टेमिस-2 मिशन में अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने एक कंज्यूमर स्मार्टफोन आईफोन 17 प्रो मेक्स को शामिल किया है। आर्टेमिस-2 मिशन का उद्देश्य अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा की कक्षा तक ले जाकर सुरक्षित वापस लाना है। इस मिशन में ओरियन स्पेसक्राफ्ट के जरिए चंद्रमा की परिक्रमा की जाएगी, जो भविष्य में मानव की चंद्रमा पर वापसी की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। यह पहली बार है जब किसी लोकप्रिय स्मार्टफोन को डीप स्पेस मिशन में आधिकारिक रूप से इस्तेमाल के लिए मंजूरी दी गई है। इस मिशन में आईफोन को किसी मुख्य सिस्टम के रूप में नहीं, बल्कि सहायक उपकरण के तौर पर शामिल किया गया है। अंतरिक्ष यात्री इसका उपयोग फोटो और वीडियो रिकार्डिंग के लिए कर रहे हैं, ताकि अंतरिक्ष अनुभव को अधिक व्यक्तिगत और वास्तविक तरीके से कैद किया जा सके। हालांकि, किसी भी सामान्य डिवाइस को अंतरिक्ष में भेजने से पहले कड़ी जांच प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है। माइक्रोग्रैविटी के माहौल में उपकरणों के टूटने या तैरने का खतरा रहता है, इसलिए आईफोन को विशेष माउंट्स और वेल्क्रो के जरिए सुरक्षित किया गया है। इसके अलावा, सुरक्षा कारणों से इसमें इंटरनेट और ब्लूटूथ जैसी सुविधाओं को निष्क्रिय कर दिया गया है। मिशन में निकोन डी5 और गोप्रो हीरो 11 जैसे प्रोफेशनल कैमरे भी मौजूद हैं, लेकिन आईफोन को अतिरिक्त डिवाइस के रूप में शामिल किया गया है।

अमेरिका जाएगा भारतीय प्रतिनिधिमंडल, व्यापार समझौते की संभावना

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित अंतरिम व्यापार समझौते को आगे बढ़ाने के लिए इस महीने के अंत में भारतीय प्रतिनिधिमंडल वाशिंगटन का दौरा करेगा। दोनों देशों के बीच व्यापारिक सहयोग को मजबूत करने की दिशा में यह अहम कदम माना जा रहा है। भारत और अमेरिका ने फरवरी में एक अंतरिम व्यापार समझौते के ढांचे की घोषणा की थी, जिसका उद्देश्य आपसी व्यापार बढ़ाना, बाजार पहुंच को आसान बनाना और आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करना है। अब इस समझौते को आगे बढ़ाने के लिए दोनों देशों के बीच उच्च स्तरीय वार्ता की तैयारी है। भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर इस समय अमेरिका की यात्रा पर हैं। उन्होंने अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीर से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि वह इस महीने के अंत में वाशिंगटन पहुंचने वाले भारतीय प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करने और प्रस्तावित व्यापार समझौते पर चर्चा करने के लिए उत्सुक हैं। यह बैठक ऐसे समय में हुई है जब एक दिन पहले ही विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने वाशिंगटन में भारत-अमेरिका व्यापार सुविधा पोर्टल की शुरुआत की।

आपूर्ति संकट और मध्य पूर्व तनाव से कच्चे तेल की कीमतों में तेजी

मुंबई। वैश्विक कच्चे तेल बाजार में शुक्रवार को फिर तेजी देखने को मिली, जब भू-राजनीतिक तनाव और

आपूर्ति बाधाओं की आशंकाओं ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी। अमेरिका-ईरान सीजफायर को लेकर अनिश्चितता, मध्य पूर्व में सैन्य तनाव और प्रमुख समुद्री मार्गों पर जोखिम के कारण तेल की कीमतों में उछाल दर्ज किया गया। ब्रेंट क्रूड 1.13 प्रतिशत बढ़कर 97.01 डालर प्रति बैरल पर पहुंच गया, जबकि वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 1.39 प्रतिशत चढ़कर 99.24 डालर प्रति बैरल पर ट्रेड करता नजर आया। भारत के मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर भी असर दिखा, जहां 20 अप्रैल डिलीवरी वाला क्रूड आयल फ्यूचर्स करीब 2.43 प्रतिशत की बढ़त के साथ 9,150 रुपये प्रति बैरल पर पहुंच गया। बाजार में यह तेजी ऐसे समय आई है जब अमेरिका और ईरान के बीच सीजफायर को लेकर स्पष्टता नहीं है। मध्य पूर्व में तनाव बढ़ने के साथ-साथ सऊदी अरब के ऊर्जा ढांचे पर हमलों की आशंका और सप्लाई चेन बाधित होने के डर ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है। सबसे बड़ा जोखिम स्ट्रेट आफ होर्मुज में देखा जा रहा है, जहां से वैश्विक तेल आपूर्ति का बड़ा हिस्सा गुजरता है। रिपोर्टों के अनुसार, इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग से शिपिंग गतिविधियां सामान्य स्तर से काफी कम हो गई हैं, जिससे वैश्विक सप्लाई पर दबाव बना है। मध्य पूर्व में इजरायल और लेबनान के बीच जारी तनाव ने भी स्थिति को और जटिल बना दिया है।

7-सीटर कार के खरीदारों के लिए कई किफायती विकल्प मौजूद

नई दिल्ली

भारतीय बाजार में वर्तमान में 7-सीटर कार के खरीदारों के लिए कई किफायती विकल्प मौजूद हैं, जो शहर और हाईवे दोनों पर आरामदायक सफर देते हैं। इस लिस्ट में निसान ग्रेविट, रिनाल्ट ट्राइबर, महिंद्रा बोलेरो, महिंद्रा बोलेरो नीयो और मारुति इर्टिगा जैसे माडल शामिल हैं। निसान ग्रेविट इस सेगमेंट की सबसे सस्ती 7-सीटर एमपीवी मानी जा रही है, जिसकी शुरुआती कीमत करीब 5.65 लाख रुपये है।

इसमें माड्यूलर सीटिंग, रियर एसी और अच्छा इंफोटेनमेंट सिस्टम मिलता है, जो इसे शहर के इस्तेमाल के लिए उपयुक्त बनाता है। वहीं रिनाल्ट ट्राइबर भी लगभग इसी कीमत पर उपलब्ध है और अपनी वर्सेटाइल सीटिंग व बेहतर माइलेज के कारण लंबे समय से लोकप्रिय बनी हुई है। अगर मजबूत और रफ-टफ एसयूवी की तलाश है तो महिंद्रा बोलेरो एक भरोसेमंद विकल्प है, जो खराब सड़कों पर भी शानदार प्रदर्शन देती है। वहीं महिंद्रा बोलेरो नीयो उसी प्लेटफार्म पर ज्यादा माडर्न फीचर्स और बेहतर कम्फर्ट के साथ आती है। दूसरी ओर मारुति इर्टिगा फैमिली कार के रूप में सबसे संतुलित विकल्प मानी जाती है। इसमें ज्यादा स्पेस, बेहतर माइलेज और कम रनिंग कास्ट मिलती है, साथ ही सीएनजी विकल्प इसे और किफायती बनाता है। कुल मिलाकर, कम बजट में 7-सीटर कार खरीदने वालों के लिए ये पांचों माडल अलग-अलग जरूरतों के हिसाब से बेहतरीन विकल्प साबित होते हैं। बता दें कि देश में बड़ी फैमिली के लिए 7-सीटर कार हमेशा पहली पसंद होती है, खासकर जब बजट सीमित हो और साथ में स्पेस, कम मेंटेनेंस और भरोसेमंद परफार्मेंस की जरूरत हो।

महिंद्रा की 7-सीटर एमपीवी मराजो को नहीं मिले ग्राहक

नई दिल्ली। मार्च 2026 में महिंद्रा की 7-सीटर एमपीवी मराजो को एक भी ग्राहक नहीं मिला। मराजो एमपीवी का पिछले तीन महीनों से खाता नहीं खुला है। दिसंबर 2025 में इसकी आखिरी बार 80 यूनिट बिकी थीं, जिसके बाद से इसकी बिक्री पूरी तरह ठप है। जानकारी के मुताबिक, कंपनी अब इसके बचे हुए स्टाक को खाली करने में जुटी है, हालांकि यह एमपीवी अभी भी कंपनी की वेबसाइट पर लिस्टेड है, जिसकी एक्स-शोरूम कीमतें 14.06 लाख रुपये से लेकर 16.38 लाख रुपये तक हैं। मराजो की साल 2025 की बिक्री के आंकड़ों पर गौर करें तो जनवरी में शून्य, फरवरी में 17, मार्च में 10, अप्रैल में 6, मई में 4, जून में 17, जुलाई में 176, अगस्त में 46, सितंबर में 3, अक्टूबर में 2, नवंबर में 47 और दिसंबर में 80 यूनिट्स बिकीं। इस तरह पूरे साल में इसकी कुल 408 यूनिट्स ही बिक पाईं, जिससे इसकी मासिक औसत बिक्री मात्र 34 यूनिट्स रही। शार्क-प्रेरित डिजाइन वाली इस एमपीवी में 7 और 8 सीटर का विकल्प मिलता है। यह 1.5 लीटर डीजल इंजन के साथ आती है, जो 121 हार्सपावर की ताकत और 300 न्यूटन मीटर टार्क जेनरेट करता है। इसमें 6-स्पीड गियरबाक्स, 7-इंच टचस्क्रीन इन्फोटेनमेंट सिस्टम, डुअल एयरबैग्स, एबीएस और ईबीडी जैसे सेफ्टी फीचर्स भी मिलते हैं, लेकिन ये सभी विशेषताएं भी इसकी गिरती बिक्री को रोक नहीं पा रही हैं। साल 2026 की शुरुआत भी मराजो के लिए निराशाजनक रही, जनवरी, फरवरी और मार्च में इसे एक भी ग्राहक नहीं मिला।

टाटा संस की लिस्टिंग पर तेज हुई बहस, ट्रस्ट के भीतर मतभेद उभरे

नई दिल्ली

टाटा संस को शेयर बाजार में लिस्ट करने को लेकर एक बार फिर चर्चा तेज हो गई है। टाटा ट्रस्ट के कुछ वरिष्ठ सदस्य अब बदलते कारोबारी माहौल में लिस्टिंग को जरूरी मान रहे हैं, जबकि समूह के भीतर इस पर मतभेद भी सामने आ रहे हैं। टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस की संभावित लिस्टिंग को लेकर आंतरिक बहस गहराती जा रही है। टाटा ट्रस्ट के वरिष्ठ ट्रस्टी विजय सिंह ने आईपीओ के जरिए लिस्टिंग का समर्थन करते हुए कहा है कि तेजी से बदलते बिजनेस परिदृश्य में कंपनी को बड़े निवेश और अधिक पारदर्शिता की जरूरत है।

उनके अनुसार, एविएशन, डिफेंस, सेमीकंडक्टर और बैटरी जैसे पूंजी-गहन क्षेत्रों में विस्तार के लिए बाजार से धन जुटाना आवश्यक हो गया है। इससे पहले उद्योगपति वेनु श्रीनिवासन भी लिस्टिंग के पक्ष में अपनी राय दे चुके हैं। उनका मानना है कि इससे छोटे निवेशकों को कंपनी में भागीदारी का अवसर मिलेगा और शेयरधारकों की वैल्यू बढ़ेगी। हालांकि, टाटा ट्रस्ट के चेयरमैन नोएल टाटा फिलहाल कंपनी को अनलिस्टेड रखने के पक्ष में बताए जाते हैं।

आईपीओ से पूंजी और पारदर्शिता बढ़ाने की मांग, लेकिन नियंत्रण और स्वतंत्रता पर चिंता बरकरार

इससे पहले रतन टाटा भी लिस्टिंग के विरोध में थे, उनका मानना था कि इससे समूह की दीर्घकालिक रणनीति और स्वतंत्रता प्रभावित हो सकती है। इस पूरे मामले में रिजर्व बैंक आफ इंडिया की भूमिका भी अहम है। आरबीआई ने टाटा संस को अपर लेयर एनबीएफसी के रूप में वर्गीकृत किया है, जिसके तहत कंपनी को लिस्ट होना पड़ सकता है। यही वजह है कि इस मुद्दे पर निर्णय टलना मुश्किल माना जा रहा है। वर्तमान में टाटा ट्रस्ट के पास टाटा संस में लगभग 66 फीसदी हिस्सेदारी है, जिससे किसी बाहरी टेकओवर की संभावना कम मानी जाती है। फिर भी, लिस्टिंग से पहले कंपनी के आर्टिकल्स में बदलाव और सभी ट्रस्टीज़ की सहमति हासिल करना बड़ी चुनौती बनी हुई है।

भारत का ई-रिटेल बाजार 66 अरब डालर के पार

मुंबई। भारत का आनलाइन खुदरा बाजार तेजी से विस्तार कर रहा है। 2025 में ई-रिटेल का आकार 65-66 अरब डालर तक पहुंच गया है, जिसमें मजबूत उपभोग और डिजिटल पहुंच का बड़ा योगदान रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार भारत का ई-रिटेल बाजार 2025 में 65-66 अरब डालर के सकल व्यापार मूल्य (जीडब्ल्यूवी) तक पहुंच गया है। यह सालाना आधार पर 19-21 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि को दर्शाता है। रिपोर्ट के मुताबिक, जीएसटी दरों में कटौती, आयकर में राहत, घटती महंगाई और कम ब्याज दरों के चलते निजी खपत में भी सुधार हुआ है। 2022-24 के दौरान जहां यह वृद्धि 8 प्रतिशत थी, वहीं 2025 में यह बढ़कर 10.5 प्रतिशत हो गई। रिपोर्ट के मुताबिक पांच साल पहले तक भारत का ई-रिटेल सेक्टर संभावनाओं पर आधारित था, लेकिन अब यह मजबूत हकीकत बन चुका है। सक्रिय आनलाइन खरीदारों की संख्या करीब 30 करोड़ तक पहुंच गई है और विक्रेताओं का नेटवर्क तीन गुना बढ़ा है। इस ग्रोथ में मझोले शहरों और जेन जेड की अहम भूमिका रही है। जेन जेड अब ई-रिटेल ग्राहकों का 40-45 प्रतिशत हिस्सा बन चुका है। वहीं, टियर-2 और उससे छोटे शहरों में 2025 के दौरान आनलाइन आर्डर में करीब 50 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई है, जबकि इन क्षेत्रों में इंटरनेट की पहुंच अभी भी 25-30 प्रतिशत के बीच है।

सर्राफा बाजार में फिसला सोना, चांदी की भी घटी चमक

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान गिरावट का रुख नजर आ रहा है। सोना गुरुवार के शुरुआती कारोबार की तुलना में 2,170 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,360 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया। इसी तरह चांदी कीमत में भी कल के शुरुआती कारोबार की तुलना में 5,200 रुपये प्रति किलोग्राम तक की कमजोरी दर्ज की गई है। सोने की कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,51,470 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,52,720 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना 1,38,840 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,39,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। इसी तरह चांदी के भाव में तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,54,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,51,620 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,38,990 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,51,470 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,38,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,51,520 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,38,890 रुपये प्रति 10

ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,52,720 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,39,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,51,470 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,38,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,51,520 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,38,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,51,620 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,38,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,51,520 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,38,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,51,620 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,38,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में कमजोरी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,51,470 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

ग्लोबल मार्केट से पाजिटिव संकेत, एशिया में भी तेजी का रुख

नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में शांति वार्ता के एक बार फिर पटरी पर लौटने की खबर से दुनिया भर के बाजार का मूड सुधरता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिका और इजरायल तथा ईरान के बीच जारी जंग के थमने की उम्मीद की वजह से बाजार में उत्साह का माहौल बना हुआ है। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद हुए थे। डाउ जान्स फ्यूचर्स भी मामूली बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। हालांकि यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान बिकवाली का दबाव बना रहा। वहीं एशियाई बाजार चौतरफा मजबूती के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे हैं।

पश्चिम एशिया में जारी जंग के शांतिपूर्ण समाधान के लिए चल रही कोशिश के कारण अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान उत्साह का माहौल बना रहा, जिसकी वजह से वाल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ बंद हुए। डाउ जान्स इंडस्ट्रियल एवरेज 275.88 अंक यानी 0.58 प्रतिशत की तेजी के साथ 48,185.80 अंक तक पहुंच गया। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.62 प्रतिशत की बढ़त के साथ 6,824.66 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 186.66 अंक यानी 0.82 प्रतिशत उछल कर 22,821.66 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.03 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 48,200.25 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है।

अमेरिकी बाजार के विपरीत यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.05 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 10,603.48 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.22 प्रतिशत की गिरावट के साथ 8,245.80 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 273.64 अंक यानी 1.15 प्रतिशत फिसल कर 23,806.99 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

पश्चिम एशिया में शांति होने की उम्मीद की वजह से एशियाई बाजार में भी जोश नजर आ रहा है। एशिया के सभी नौ बाजार के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं। गिफ्ट निफ्टी 105.50 अंक यानी 0.44 प्रतिशत की तेजी के साथ 23,989.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.12 प्रतिशत की बढ़त के साथ 4,982.82 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स ने जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 148.42 अंक यानी 2.03 प्रतिशत उछल कर 7,456.01 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 101.40 अंक यानी 1.75 प्रतिशत की उछाल के साथ 5,879.41 अंक के स्तर पर आ गया है। टोक्यो स्टाक एक्सचेंज और ताइवान स्टाक एक्सचेंज में भी जबरदस्त मजबूती नजर आ रही है।

इस तेजी के कारण टोक्यो का निक्केई इंडेक्स 936.68 अंक यानी 1.68 प्रतिशत की तेजी के साथ 56,832 अंक के स्तर पर आ गया है। इसी तरह ताइवान का ताइवान वेटेड इंडेक्स 418.06 अंक यानी 1.20 प्रतिशत की बढ़त के साथ 35,279.22 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इसके अलावा सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.83 प्रतिशत की छलांग लगा कर 1,502.08 अंक के स्तर पर, हैंग सेंग इंडेक्स 211.60 अंक यानी 0.82 प्रतिशत उछल कर 25,964 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.63 प्रतिशत की मजबूती के साथ 3,991.14 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

कामनवेल्थ स्पोर्ट्स डेलिगेशन ने अहमदाबाद में कामनवेल्थ गेम्स की तैयारियों का जायजा लिया

नई दिल्ली

गुजरात के अहमदाबाद में 2030 में होने वाले कामनवेल्थ गेम्स की तैयारियों का जायजा लेने के लिए एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल इस समय भारत की यात्रा पर है। कामनवेल्थ गेम्स एसोसिएशन (भारत) ने शुक्रवार को कामनवेल्थ स्पोर्ट के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया।

यह प्रतिनिधिमंडल कामनवेल्थ स्पोर्ट के अध्यक्ष डा. डोनाल्ड रुकारे के नेतृत्व में आया है, जिसमें सीईओ केटी सैडलियर और गेम्स एवं एश्योरेंस डायरेक्टर डैरेन हाल भी शामिल हैं। टीम ने 8 से 10 अप्रैल के बीच अहमदाबाद, गांधीनगर, वडोदरा और एकता नगर में प्रमुख खेल स्थलों और बुनियादी ढांचे का निरीक्षण किया। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने महात्मा मंदिर, वीर सावरकर स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स, नरेंद्र मोदी स्टेडियम और आईआईटी गांधीनगर जैसे महत्वपूर्ण वेन्यू का दौरा किया। साथ ही गुजरात सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों और स्थानीय प्रशासन के साथ बैठक कर तैयारियों की प्रगति की समीक्षा की।

प्रतिनिधिमंडल ने भारतीय खेल प्रशासन से जुड़े शीर्ष अधिकारियों के साथ भी चर्चा की। इसमें कामनवेल्थ गेम्स एसोसिएशन (भारत), युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय और अन्य हितधारकों के साथ बातचीत शामिल रही, जिसमें गेम्स की योजना, प्रबंधन ढांचा और क्रियान्वयन रणनीति पर विस्तार से विचार किया गया।

कामनवेल्थ स्पोर्ट के अध्यक्ष डा. डोनाल्ड रुकारे ने कहा कि भारत में तैयारियों का स्तर, खेल स्थलों की गुणवत्ता और केंद्र व राज्य सरकार का सहयोग बेहद प्रभावशाली है। उन्होंने कहा कि 2030 में कामनवेल्थ गेम्स का शताब्दी संस्करण एक ऐतिहासिक अवसर होगा, जिसमें खेलों की विरासत को संजोते हुए भविष्य के लिए नए आयाम स्थापित किए जाएंगे।

कामनवेल्थ गेम्स एसोसिएशन (भारत) की अध्यक्ष पीटी ऊषा ने कहा कि भारत के लिए यह गर्व की बात है कि वह 2030 में विश्वस्तरीय कामनवेल्थ गेम्स की मेजबानी करने जा रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि सभी साझेदारों के सहयोग से एक ऐतिहासिक और खिलाड़ियों-केंद्रित खेल आयोजन किया जाएगा। इस दौरान सीजीए (भारत) ने यह भी जानकारी दी कि बाद में डा. डोनाल्ड रुकारे के साथ एक विशेष मीडिया संवाद का आयोजन किया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

जोएल एम्बीड की आपात सर्जरी, प्लेआफ में खेलना संदिग्ध

ह्यूस्टन। नेशनल बास्केटबाल एसोसिएशन (एनबीए) फ्रेंजाइजी फिलाडेल्फिया 76र्स के स्टार खिलाड़ी जोएल एम्बीड की गुरुवार को ह्यूस्टन में अपेंडिक्स की आपात सर्जरी हुई। टीम ने पुष्टि की कि उन्हें रात में अचानक अपेंडिसाइटिस की समस्या हुई, जिसके बाद तुरंत आपरेशन करना पड़ा। यह सर्जरी उस समय हुई जब फिलाडेल्फिया 76र्स की टीम ह्यूस्टन राकेट्स के खिलाफ मुकाबले की तैयारी कर रही थी। टीम के मुख्य कोच निक नर्स ने बताया कि बुधवार के अभ्यास के दौरान एम्बीड बिल्कुल ठीक थे, लेकिन गुरुवार तड़के करीब 3 बजे उन्होंने अस्वस्थ महसूस होने की जानकारी दी। कोच के अनुसार, उन्हें तुरंत डाक्टर के पास ले जाया गया, जहां जांच के बाद सर्जरी करने का निर्णय लिया गया। फिलहाल एम्बीड की वापसी को लेकर कोई समय-सीमा तय नहीं की गई है, लेकिन प्ले-इन टूर्नामेंट और प्लेआफ के शुरुआती मुकाबलों में उनके खेलने की संभावना कम मानी जा रही है। यह टीम के लिए बड़ा झटका है। ईस्टर्न कान्फ्रेंस में फिलाडेल्फिया 76र्स की टीम आठवें स्थान पर है और प्ले-इन में जगह बनाने की स्थिति में है, जबकि छठे स्थान की टीम से केवल एक मैच पीछे है। एम्बीड ने इस सत्र में केवल 38 मैच खेले हैं, जिसका मुख्य कारण उनके घुटने से जुड़ी समस्या रही है। इसके बावजूद उन्होंने सैन एंटोनियो स्पर्स के खिलाफ मुकाबले में 34 अंक और 12 रिबाउंड का शानदार प्रदर्शन किया था। इस सीजन में एम्बीड औसतन 26.9 अंक और 7.7 रिबाउंड बना रहे हैं। 2022-23 सत्र में उन्होंने 33.1 अंक के औसत के साथ सबसे मूल्यवान खिलाड़ी का खिताब जीता था।

फिडे कैंडिडेट्स टूर्नामेंट 2026: जावोखिर सिंदारोव शीर्ष पर बरकरार, आर. वैशाली को बढ़त, दिव्या देशमुख को हार

नई दिल्ली। साइप्रस में चल रहे फिडे कंडीडेट्स टूर्नामेंट 2026 के दसवें दौर में ओपन वर्ग में जावोखिर सिंदारोव ने आर. प्रज्ञानानंद को हराकर अपनी बढ़त और मजबूत कर ली। सिंदारोव अब आठ अंकों के साथ शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं और उन्होंने प्रज्ञानानंद के खिलाफ दूसरी जीत भी दर्ज की। मुकाबले की शुरुआत में प्रज्ञानानंद ने अच्छा खेल दिखाया, लेकिन 22वीं चाल में की गई एक गलती उनके लिए भारी साबित हुई। इसके बाद सिंदारोव ने 23. ऋद7 चाल चलकर जोरदार हमला किया और आगे की सटीक चालों से स्थिति पूरी तरह अपने पक्ष में कर ली। अंततः प्रज्ञानानंदा को हार माननी पड़ी। अन्य मुकाबलों में अनीश गिरी और हिकारू नाकामुरा के बीच मुकाबला बराबरी पर समाप्त हुआ, जिससे सिंदारोव को दो अंकों की बढ़त मिल गई। वहीं आंद्रेई एसिपेंको और मथियास ब्लूबाउम के बीच भी बाजी बराबर रही, जबकि फाबियानो कारुआना और वेई यी ने भी अंक साझा किए। महिला वर्ग में आर. वैशाली ने अन्ना मुजिचुक के खिलाफ संतुलित खेल दिखाते हुए मुकाबला बराबरी पर खत्म किया और छह अंकों के साथ बढ़त हासिल की। उन्होंने विरोधी के हमलों को समझदारी से रोका और अंत में स्थिति पूरी तरह संतुलित कर दी। वहीं दिव्या देशमुख को जीती हुई बाजी गंवानी पड़ी। समय के दबाव में हुई गलती का फायदा उठाते हुए अलेक्जेंड्रा गोर्याचकिना ने मुकाबला अपने नाम कर लिया।

आरेंज और पर्पल कैप की सूची में बदलाव , अंगकृश रघुवंशी और अजिंक्य रहाणे शीर्ष पांच में शामिल

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स और लखनऊ सुपर जाएंट्स के बीच खेले हुए आईपीएल मुकाबले के बाद सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली आरेंज कैप और सबसे अधिक विकेट के लिए मिलने वाली पर्पल कैप के दावेदारों में बदलाव आये हैं। अब राजस्थान रायल्स के वैभव सूर्यवंशी और मुम्बई के रोहित शर्मा शीर्ष पांच से बार हो गये हैं। वहीं। केकेआर के अंगकृश रघुवंशी और कप्तान अजिंक्य रहाणे अपनी अच्छी पारियों की बदौलत शीर्ष पांच में पहुंच गये हैं। वहीं पर्पल कैप की दौड़ में लखनऊ सुपर जाएंट्स के प्रिंस यादव को लाभ हुआ है। आरेंज कैप की सुची में में राजस्थान रायल्स के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल पहले स्थान पर हैं। उन्होंने अभी तक खेले 3 मुकाबलों में 163.46 के स्ट्राइक रेट के साथ 170 रन बनाये हैं। वहीं दिल्ली कैपिटल्स के समीर रिजवी और केकेआर के अंगकृश रघुवंशी दूसरे और तीसरे नंबर पर हैं। शीर्ष पांच बल्लेबाजों में सनराइजर्स हैदराबाद के हेनरिक क्लासेन और केकेआर के अजिंक्य रहाणे चौथे और पांचवे नंबर पर हैं। पर्पल कैप की सूची में राजस्थान रायल्स के स्टार स्पिनर रवि बिश्नोई नंबर एक पर बने हुए हैं उन्होंने इस लीग में अभी तक तीन मैचों में 7 विकेट लिए हैं। वहीं गुजरात टाइटंस के प्रसिद्ध कृष्णा और राशिद खान के साथ-साथ दिल्ली कैपिटल्स के लुंगी एनगिडी और राजस्थान रायल्स के नंद्रे बर्गर शीर्ष-5 में शामिल हैं।

हाकी इंडिया ने टिम व्हाइट को भारतीय जूनियर महिला हाकी टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया

नई दिल्ली

हाकी इंडिया ने भारतीय जूनियर महिला हाकी टीम के मुख्य कोच के रूप में टिम व्हाइट की नियुक्ति की आधिकारिक घोषणा की है। आस्ट्रेलिया के इस अनुभवी कोच ने हाल ही में जनवरी 2026 में हीरो हाकी इंडिया लीग में तमिलनाडु ड्रैगन्स टीम के मुख्य कोच के रूप में काम किया था। अब वह भारत की उभरती हुई युवा प्रतिभाओं को निखारने की जिम्मेदारी संभालेंगे।

टिम व्हाइट का कोचिंग करियर काफी प्रभावशाली रहा है। भारत आने से पहले वह बेल्जियम की अंडर-21 महिला टीम के कोच थे, जहां उन्होंने टीम को दिसंबर 2025 में जूनियर विश्व कप में कांस्य पदक दिलाया। इसके अलावा 2021 से 2024 के बीच वह बेल्जियम की सीनियर महिला टीम के कोचिंग स्टाफ का हिस्सा रहे, इस दौरान टीम की विश्व रैंकिंग 12वें स्थान से बढ़कर तीसरे स्थान तक पहुंची और 2024 पेरिस ओलंपिक में सेमीफाइनल तक का सफर तय किया।

इससे पहले वह आस्ट्रेलिया की जूनियर टीम के राष्ट्रीय कोच भी रह चुके हैं, जहां उन्होंने जूनियर विश्व कप में कांस्य पदक हासिल किया था।

अपनी नियुक्ति पर टिम व्हाइट ने कहा कि भारत में हाकी के प्रति जुनून और समृद्ध परंपरा ने उन्हें दोबारा यहां आने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि वह यहां की युवा प्रतिभाओं को नजदीक से देख चुके हैं और उनका लक्ष्य ऐसे खिलाड़ियों को तैयार करना है, जो तकनीकी रूप से मजबूत हों और सीनियर टीम में जगह बनाने के लिए तैयार रहें।

टीम को लेकर अपनी योजना साझा करते हुए उन्होंने कहा कि वह खेल को सरल रखते हुए टीम की सामूहिक और व्यक्तिगत ताकत पर ध्यान देंगे। उनका लक्ष्य एक ऐसी टीम तैयार करना है जो आक्रामक हाकी खेले, लेकिन रक्षण में भी अनुशासन बनाए रखे। साथ ही उन्होंने फिटनेस और दबाव में बेहतर प्रदर्शन को भी प्राथमिकता दी। टिम व्हाइट की नियुक्ति को भारतीय हाकी में आधुनिक रणनीति और अनुशासन लाने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। उनके पास आस्ट्रेलिया और यूरोप में उच्च प्रदर्शन कार्यक्रमों का व्यापक अनुभव है। हाकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप तिर्की ने इस नियुक्ति का स्वागत करते हुए कहा कि टिम व्हाइट का अनुभव और उपलब्धियां जूनियर टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित होंगी।

बार्सिलोना ने एटलेटिको मैड्रिड से हार के बाद यूईएफए में शिकायत दर्ज कराई

नई दिल्ली। स्पेन के क्लब बार्सिलोना ने चैंपियंस लीग के क्वार्टर फाइनल के पहले मुकाबले में एटलेटिको मैड्रिड से 0-2 की हार के बाद मैच संचालन को लेकर गुरुवार को यूईएफए में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है। विवाद दूसरे हाफ की शुरुआत में हुई एक घटना को लेकर है, जब बार्सिलोना ने पेनल्टी की मांग की थी। आरोप है कि एटलेटिको के गोलरक्षक जुआन मुस्सो ने गोल किक के बाद गेंद को खेल में ला दिया था, लेकिन इसके बाद डिफेंडर मार्क प्यूबिल ने छह गज क्षेत्र के अंदर हाथ से गेंद को छू लिया। मैच के निर्णायक इस्तवान कोवाक्स ने इस पर खेल जारी रखा और वीडियो सहायक प्रणाली ने भी हस्तक्षेप नहीं किया, जिससे बार्सिलोना के खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ में नाराजगी देखी गई। क्लब ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि उनके कानूनी विभाग ने इस मामले को लेकर यूईएफए में शिकायत दर्ज कराई है। क्लब के अनुसार, 54वें मिनट में खेल सही तरीके से शुरू होने के बाद विरोधी खिलाड़ी द्वारा गेंद को हाथ से उठाना स्पष्ट रूप से दंड का मामला था, लेकिन इसे नहीं दिया गया। बार्सिलोना ने इस फैसले को बड़ी त्रुटि बताते हुए जांच की मांग की है। साथ ही निर्णायक और वीडियो सहायक प्रणाली के बीच हुई बातचीत तक पहुंच देने और गलती होने की स्थिति में आधिकारिक रूप से इसे स्वीकार करने की मांग भी की है। इस तरह की घटनाओं में पहले भी अलग-अलग निर्णय सामने आए हैं। अप्रैल 2024 में चैंपियंस लीग के एक मुकाबले में बायर्न म्यूनिख को आर्सेनल के खिलाफ ऐसी ही स्थिति में दंड नहीं मिला था, जब गैब्रियल मगलाएस ने गेंद को छुआ था।

पीएसपीबी बाबा दीप सिंह बास्केटबाल टूर्नामेंट में गार्गी, मिरांडा और खालसा कालेज की शानदार जीत

नई दिल्ली

पांचवें पीएसपीबी बाबा दीप सिंह बास्केटबाल (पुरुष एवं महिला) टूर्नामेंट के चौथे दिन रोमांचक मुकाबले देखने को मिले, जहां गार्गी कालेज, मिरांडा हाउस, स्टनर अकादमी और एसजीटीबी खालसा कालेज ने अपने-अपने लीग मैच जीतकर प्रतियोगिता में मजबूत दावेदारी पेश की। मेजबान एसजीटीबी खालसा कालेज के कोर्ट पर खेले गए महिला वर्ग के मुकाबलों में गार्गी कालेज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रामजस कालेज को 61-39 के अंतर से हराया।

गार्गी की श्रुति को उनके बेहतरीन खेल के लिए प्लेयर आफ द मैच चुना गया। एक अन्य महिला मुकाबले में मिरांडा हाउस ने मैत्रेयी कालेज पर 68-46 की प्रभावशाली जीत दर्ज की। इस मैच में मिरांडा हाउस की पार्निका ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और प्लेयर आफ द मैच का खिताब अपने नाम किया। पुरुष वर्ग में स्टनर अकादमी ने हंसराज कालेज के खिलाफ आक्रामक खेल दिखाते हुए 96-81 से जीत हासिल की। स्टनर अकादमी के अभिनव को उनके शानदार योगदान के लिए प्लेयर आफ द मैच घोषित किया गया।

दिन के अंतिम पुरुष मुकाबले में एसजीटीबी खालसा कालेज ने श्री राम कालेज आफ कामर्स को 92-81 से पराजित कर जीत दर्ज की। इस मैच में खालसा कालेज के तनुज को प्लेयर आफ द मैच का पुरस्कार मिला। टूर्नामेंट के चौथे दिन के परिणामों ने प्रतियोगिता को और रोमांचक बना दिया है, जहां सभी टीमें अगले चरण में जगह बनाने के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा कर रही हैं।

बिली जीन किंग कप में भारत की वैष्णवी और यमलापल्ली हारे

नई दिल्ली। भारतीय खिलाड़ियों को यहां खेले जा रहे बिली जीन किंग कप ग्रुप-आई एशिया/ओशिआना टेनिस टीम मुकाबलों में इंडोनेशियाई खिलाड़ियों ने हरा दिया। पहले एकल मुकाबले में भारत की वैष्णवी अडकर को इंडोनेशिया की प्रिस्का मैडेलिन नुग्रोहो ने 7-6(3), 6-7(3), 6-3 से हराया। वहीं दूसरे एकल में सहजा यमलापल्ली को जेनिस त्जेन के खिलाफ 6-2, 6-1 से हार का सामना करना पड़ा है। दोनो ही मुकाबले कड़े रहे। अडकर ने दूसरे सेट में वापसी करते हुए मुकाबला आसानी से जीत लिया। वहीं तीसरे सेट में इंडोनेशियाई खिलाड़ी ने जीत हासिल की। वहीं एक अन्य मुकाबले में दक्षिण कोरिया ने न्यूजीलैंड को हरा दिया। दायोन बैक ने कीवी खिलाड़ी वैलेंटिना इवानोव को 7-5, 6-3 से हराया। इसके अलावा सोह्युन पार्क ने मोनिक बैरी को 6-0, 6-1 से पराजित कया। इस प्रकार कोरिया और इंडोनेशिया दोनों ही टीमें अपने-अपने मुकाबले जीतकर अंक तालिका में नंबर एक पर बरकरार हैं। वहीं एक अन्य मुकाबले में थाईलैंड ने मंगोलिया को 3-0 से हराया। थाईलैंड के थासापोर्न नाकलो ने अनु-वजिन गैंटोर को 6-1, 6-0 से हराया। पाचारिन चीपचांदेज ने भी खोंगोरजुल अलदारखिशिग को 6-1, 6-0 से ही शिकस्त दी।

केकेआर मेरा घर है: आंद्रे रसेल

कोलकाता

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के सहायक कोच शेन वाटसन और पावर कोच आंद्रे रसेल हाल ही में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर एक खास बातचीत में शामिल हुए। इस दौरान दोनों ने अपने खेल के दिनों की यादें ताजा कीं और रसेल के कोचिंग करियर में बदलाव पर खुलकर चर्चा की।

बातचीत के दौरान शेन वाटसन ने रसेल की लंबी और प्रभावशाली क्रिकेट यात्रा की सराहना करते हुए कहा कि तेज गेंदबाजी आलराउंडर के रूप में इस स्तर पर निरंतर प्रदर्शन करना बेहद चुनौतीपूर्ण होता है और रसेल ने इसे बखूबी निभाया है।

अपनी नई भूमिका पर बात करते हुए आंद्रे रसेल ने बताया कि पावर कोच के तौर पर उनकी जिम्मेदारी खिलाड़ियों को टी20 क्रिकेट में बाउंड्री, खासकर छक्कों के महत्व को समझाना है। उन्होंने कहा कि उनका काम खिलाड़ियों की तकनीक बदलना नहीं, बल्कि उनके खेल में पावर-हिटिंग की क्षमता को और निखारना है।

रसेल ने स्वीकार किया कि खिलाड़ी से कोच बनने का यह बदलाव उनके लिए भावनात्मक रहा है। मैच के दौरान कई बार उन्हें ऐसा लगता है कि वे खुद मैदान में उतरकर टीम की मदद करें, लेकिन अब उन्हें अपनी नई भूमिका के अनुसार खुद को ढालना पड़ता है।

उन्होंने अपने पहले मैच के अनुभव को साझा करते हुए कहा कि कोच के रूप में मैदान पर रहना उनके लिए बिल्कुल नया अनुभव था और शुरुआत में उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि अपनी भूमिका को कैसे निभाएं।

केकेआर के साथ अपने खास रिश्ते पर बात करते हुए रसेल ने कहा कि यह फ्रेंचाइजी उनके लिए घर की तरह है। उन्होंने टीम द्वारा इस सीजन में दिए गए सम्मान को अपने करियर के सबसे भावुक पलों में से एक बताया।

पहली बार पाकिस्तान का दौरा करेगी जिम्बाब्वे महिला टीम, खेलेगी छह मैचों की सफेद गेंद सीरीज

नई दिल्ली

जिम्बाब्वे महिला क्रिकेट टीम अपने इतिहास में पहली बार पाकिस्तान दौरे पर जाने के लिए तैयार है, जहां वह तीन एकदिवसीय और तीन टी20 मुकाबलों की श्रृंखला खेलेगी। यह सभी मुकाबले कराची के नेशनल बैंक स्टेडियम में आयोजित किए जाएंगे।

तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला 3 मई से शुरू होगी, जो आईसीसी महिला चैम्पियनशिप 2025-29 का हिस्सा है। इसके बाद 12 मई से टी20 श्रृंखला खेली जाएगी।

पाकिस्तान महिला टीम इस समय महिला चैम्पियनशिप तालिका में पांचवें स्थान पर है। टीम को हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की श्रृंखला में 1-2 से हार का सामना करना पड़ा था। वहीं जिम्बाब्वे महिला टीम सातवें स्थान पर है और उसे न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला में हार मिली थी।

जिम्बाब्वे टीम 29 अप्रैल को पाकिस्तान पहुंचेगी और श्रृंखला की तैयारियां शुरू करेगी।

कार्यक्रम इस प्रकार है:

एकदिवसीय सीरीज:-
- 3 मई: पहला एकदिवसीय मुकाबला
- 6 मई: दूसरा एकदिवसीय मुकाबला
- 9 मई: तीसरा एकदिवसीय मुकाबला

टी 20 सीरीज:-
- 12 मई: पहला टी20 मुकाबला
- 14 मई: दूसरा टी20 मुकाबला
- 15 मई: तीसरा टी20 मुकाबला।

युवराज बोले, छह छक्के के लिए ललित मोदी ने मुझे इनाम में दी थी कार

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व आलराउंडर युवराज सिंह ने खुलासा किया है कि उन्हें आईपीएल के पहले कमिश्नर ललित मोदी ने छह छक्के लगाने पर एक पोर्श 911 कार उपहार में दी थी। युवराज ने कहा कि से बात साल 2007 टी20 विश्व कप की है। तब उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्राड की 6 गेंद पर 6 छक्के लगाए थे। इस मैच मे युवराज ने 19वें ओवर में ब्राड की गेंदों पर छह छक्के लगाये थे। इससे 12 गेंदों में ही उनका अर्धशतक पूरा हो गया था। युवराज का कहना है तब ललित मोदी ने इन छह छक्कों के लिए उन्हें कार उपहार में दी थी। युवराज ने इस बातचीत को याद करते हुए कहा, ललित मोदी ने मुझसे कहा था कि अगर कोई छह छक्के मारता है तो मैं उसे फेरारी दूंगा। वहीं जब मैंने छह छक्के लगाए दिए तो मैंने उनसे पूछा मेरी फेरारी कहां है तो उन्होंने कहा कि मैंने पोर्श 911 देने की बात कही थी तो मैंने फिर पूछा पर पोर्श कहां है इसपर उन्होंने कहा, तुम्हें तुम्हारी कार मिल जाएगी।. इसके बाद मैंने हंसी-मजाक में पूछा, अगर मैं अगला मैच भी जिता दूं तो क्या मुझे फेरारी मिलेगी इस पर उन्होंने कहा कहा कि नहीं तुम्हें सिर्फ पोर्श मिलेगी और उन्होंने सही में ये कार मुझे दी थी। ललित मोदी के अलावा उन्होंने स्टुअर्ट ब्राड के पिता से भी मुलाकात की थी जिसको लेकर भी उन्होंने बताया। युवराज ने बताया कि छह छक्के मारने के बाद स्टुअर्ट ब्राड के पिता जो रैफरी थी उन्होंने मुझसे कहा कि तुमने तो मेरे बेटे का करियर ही समाप्त कर दिया। इसके बाद उन्होंने मुझसे स्टुअर्ट के लिए एक शर्ट साइन करने को कहा।

20 मिनट की झपकी रखेगी सेहत को चुस्त-दुरुस्त

घर हो या ऑफिस, झपकी लेना बॉडी को चॉर्ज करने जैसा है। सिर्फ 15 से 20 मिनट की झपकी ही आपको फ्रेश कर देगी जिससे बॉडी को काम करने के लिए एनर्जी और दिमाग को नए-नए आइडियाज भी मिलते हैं। हेल्थ को मेंटेन करने के लिए 7-8 घंटे की नींद परफेक्ट होती है लेकिन इंस्टेंट एनर्जी के लिए झपकी लेना भी बेस्ट ऑप्शन है।

स्ट्रेस कम करता है : काम करने के दौरान महज 10-20 मिनट की झपकी लेकर आप स्ट्रेस फ्री हो सकते हैं। रिसर्च में पाया गया है कि उन लोगों में स्ट्रेस हॉर्मोन का लेवल बहुत ही कम होता है जो काम के दौरान बीच-बीच में झपकी से खुद को रिलैक्स करते रहते हैं। इतना ही नहीं झपकी(पावर नैप) लेने के बाद से माइंड दोगुनी स्पीड से काम करता है।

एनर्जी बढ़ाता है : रात को ठीक से नहीं सोने की वजह से अगर दिन में नींद आ रही है और उस वक्त सोना पॉसिबल नहीं तो पावर नैप इसका एक बेस्ट ऑप्शन हो सकता है। नींद आने के बावजूद भी माइंड को एक्टिव रखने की कोशिश करना दिमाग पर पर बुरा असर डालता है। वहीं 20 मिनट की झपकी लेने से बॉडी को एनर्जी मिलती है और वो दोबारा काम करने के लिए एक्टिव हो जाती है।

हार्ट को हेल्दी रखता है : झपकी लेना सिर्फ माइंड ही नहीं पूरी बॉडी के लिए अच्छा होता है। इससे हार्ट से जुड़ी बीमारियों के होने की पॉसिबिलिटी काफी हद तक कम हो जाती है।

आंखों के लिए अमृत है विटामिन ए

इस खूबसूरत दुनिया को देखने के लिए आंखों का स्वस्थ होना बहुत जरूरी है। उसकी रोशनी चली जाए तो चारों तरफ अंधेरा छा जाता है। इसलिए हमें अपनी आंखों की सेहत के लिए खासकर विटामिन ए पर विशेष ध्यान देना चाहिए। दरअसल विटामिन ए हमारी आंखों को तो स्वस्थ रखता ही है, हमारी त्वचा, बाल, नाखून, दांत, हड्डियां आदि के विकास में भी अहम भूमिका निभाता है।

जब सहा न जाए दर्द

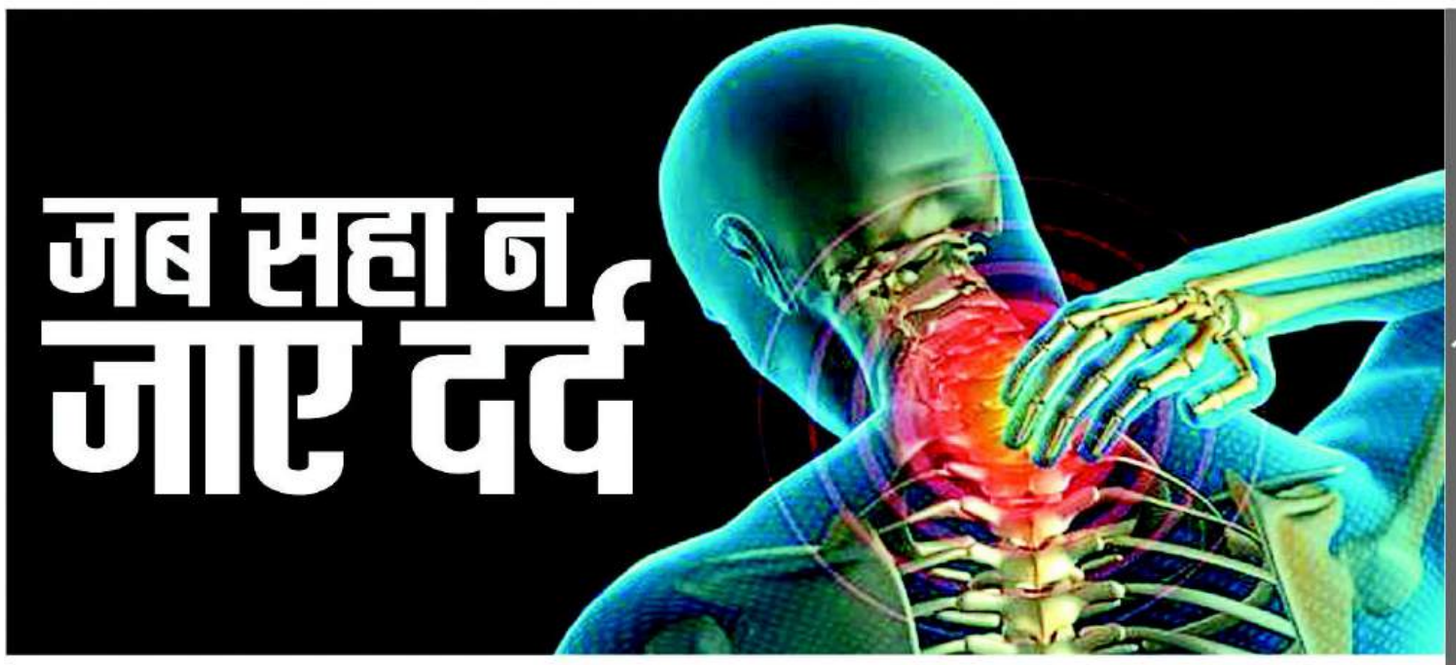

स्वस्थ और सेहतमंद रहने के लिए हम तमाम जतन करते हैं, लेकिन आज की जीवनशैली में कुछ बीमारियां, कुछ तकलीफें दबे पांव हमारे पास आ ही जाती हैं। ऐसी ही तकलीफों में शामिल है दर्द। कुछ दर्द तो ऐसे होते हैं, जो हमें छोड़ते ही नहीं। इन्हें डॉक्टरी भाषा में क्रॉनिक पेन कहा जाता है।

तमाम जतन के बाद भी कुछ दर्द ठहर जाते हैं। महीनों चले इलाज में हमें यह भ्रम जरूर होता है कि अब यह दर्द लौट कर नहीं आएगा, लेकिन तब तक दर्द अपनी नींव और मजबूत कर चुका होता है। दुनियाभर की दवाएं, इंजेक्शन, शारीरिक थैरेपी आदि कराने का कोई फायदा नहीं होता। डॉक्टरी भाषा में ऐसे दर्द को 'क्रॉनिक पेन' यानी स्थाई दर्द कहते हैं, जो समय के साथ जाता नहीं, रुक जाता है। एक सर्वे रिपोर्ट के मुताबिक चार भारतीय महिलाओं में से एक और हर दस में एक पुरुष को कमर दर्द की समस्या है। हमारे देश में यह समस्या बहुत बड़ी है। लेकिन साथ निभाने वाली इस बीमारी का कोई तो इलाज होगा, कोई तो उपाय ऐसे होंगे, जिनकी सहायता से जोड़ों और मांसपेशियों के दर्द को हमेशा के लिए अलविदा कहना आसान होगा। आज उन्हीं रास्तों के बारे में बात करते हैं।

दिमाग और दर्द

कई महीनों तक एक ही स्थान पर हो रहे दर्द के हम धीरे-धीरे आदी हो जाते हैं। इलाज होने के बाद भी हम उस जगह के दर्द को लेकर सचेत रहते हैं और हमें दर्द महसूस होने लगता है। मनोचिकित्सकों की मानें तो कभी-कभी वास्तव में दर्द न होते हुए भी हम किसी खास जगह पर दर्द महसूस करने लगते हैं। जिस तरह थकान न होने पर भी यदि हम ऐसा महसूस करें तो थकान महसूस होने लगती है।

जब सताए जोड़ों का दर्द

हम में से हर चौथा व्यक्ति जोड़ों के दर्द से परेशान है। तेज भागती जिन्दगी की रफ्तार के बीच दबे पांव यह कब आ जाता है, पता नहीं चलता। हड्डियों के विशेषज्ञ के मुताबिक जोड़ों के दर्द की शुरुआत में ही हमें सचेत हो जाना चाहिए। डॉक्टर के अनुसार शुरुआती दौर में ही यदि हम नियमित व्यायाम करें और उपचार कराएं तो दर्द से राहत मिल जाती है। लेकिन दर्द पुराना हो जाए तो उसे उपचार और व्यायाम से ठीक नहीं किया जा सकता। उसके लिए महंगी सर्जरी करानी पड़ सकती है। हालांकि सर्जरी सबसे आखिरी स्थिति है, लेकिन कई बार बोन रिप्लेसमेंट की जरूरत पड़ती है।

ऐसे रखें जोड़ों का खयाल

काम करने का तरीका बदलें: हम में से अधिकांश लोग कंप्यूटर के सामने घंटों काम करते हैं, लेकिन अपने बैठने के तरीकों पर ध्यान नहीं देते। कुर्सी पर बैठते हुए हमारी पीठ हमेशा सीधी होनी चाहिए। ध्यान रहे कि आपकी कुर्सी बहुत नीचे ना हो। इसके अलावा अगर आप काफी देर तक टाइप करते हैं तो अपनी अंगुलियों को थोड़ा आराम दें, क्योंकि काफी देर तक टाइपिंग की वजह से आपकी अंगुलियों में दर्द का ठहराव हो सकता है। अगर संभव हो तो अपने घुटनों को कमर से ऊपर रखें। इसके लिए आप पैरों के नीचे कुछ रख सकते हैं।

थोड़ा आराम भी है जरूरी: जोड़ों में दर्द खासकर कमर का दर्द लगातार काम करने की वजह से बढ़ जाता है, इसलिए शरीर को आराम देना भी उतना ही जरूरी है। हमारी हड्डियों की क्षमता की एक सीमा है। उससे ज्यादा समय तक काम करने पर हमारी हड्डियां कमजोर हो जाती हैं, इसलिए इनका आराम करना भी उतना ही जरूरी है।

गुनगुने पानी में डुबो कर रखें: मांसपेशियों और हड्डियों को राहत देने में गुनगुना पानी कारगर साबित होता है। दिनभर के काम के बाद कुछ देर शरीर को गुनगुने पानी में डुबो कर रखें। इससे मांसपेशियों और हड्डियों में नई ऊर्जा का संचार होगा और दर्द से आराम मिलेगा।

योग और व्यायाम करें

हड्डियों को सपोर्ट देने वाली मांसपेशियों का मजबूत होना बहुत जरूरी है। इसके लिए योग और व्यायाम की सहायता ली जा सकती है। योग और व्यायाम काफी हद तक हमें कई बीमारियों से दूर रखते हैं। इसके अलावा शरीर की प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ाते हैं।

डॉक्टरी सलाह

- घुटनों में या दूसरे जोड़ों में बहुत दर्द हो तो उन पर ज्यादा जोर ना डालें, इससे स्थिति और खराब हो सकती है।
- किसी भी चमत्कारी दवा का इस्तेमाल ना करें। कई बार चमत्कारी दवा के नाम पर लोग धोखा करते हैं।
- खाने-पीने का खास ध्यान रखें और खाने में दूध और अंडे को शामिल करें।
- सिर्फ उसी व्यायाम या योग को आजमाएं, जिसमें जोड़ों पर बहुत ज्यादा जोर ना पड़ता हो।

हेल्दी खाएं

हड्डियों के लिए विटामिन डी और कैल्शियम सबसे उपयोगी माना जाता है। ठंडी जगहों में रहने वालों को तो सप्लिमेंट के तौर पर विटामिन डी जरूर लेना चाहिए। विशेषज्ञों के मुताबिक हमारी हड्डियों के आसपास एक खास किस्म का तरल पदार्थ होता है, जिसकी वजह से वे घूमती और मुड़ती हैं। जैसे-जैसे यह तरल पदार्थ कम होता है, हड्डियों के बीच घर्षण बढ़ता है। इस तरह से हमारी हड्डियां कमजोर हो जाती हैं और धीरे-धीरे घिसने लगती हैं। इसलिए इनका संतुलन बने रहना बहुत जरूरी है। इसके लिए डॉक्टर ओमेगा-3 फैटी एसिड लेने की सलाह देते हैं। मछली में यह भरपूर मात्र में पाया जाता है। विटामिन डी के लिए धूप और कैल्शियम के लिए दूध सबसे अच्छा स्रोत है।

ऐसे चलता है दर्द का चक्र

- दर्द शुरू होता है।
- आपकी सक्रियता कम हो जाती है।
- डॉक्टर के पास जाते हैं।
- टैस्ट कराते हैं और कई सारी दवाएं लेते हैं।
- दर्द में राहत मिलता है।
- आप ज्यादा काम करने की कोशिश करते हैं।
- पहले से ज्यादा दर्द महसूस करते हैं।
- सक्रियता और कम हो जाती है।
- बड़े ट्रीटमेंट की जरूरत पड़ती है।
- ताकत में कमी पाते हैं।
- पहले की तरह सक्रिय न रहने की वजह से निराशा होती है।
- आखिरकार आपकी मुश्किलें काफी बढ़ जाती हैं।

सहयोग ही है सबसे बड़ा इलाज

शुरुआती दौर में डिमेंशिया की स्थिति में परिवार रोगी की मनोदशा व स्थिति को उम्र का असर मान अनदेखा करता है। यह उपेक्षा सहन न करने के कारण रोगी विरोध का सा माहौल बना लेता है और इमोशनल ट्रॉमा की अवस्था बन जाती है। हालांकि ऐसे में न्यूरोलॉजिस्ट काउंसलिंग कराने की सलाह देते हैं। सबसे बड़ा और कारगर इलाज है घर वालों का सहयोग। जो रोगी है, वह अपनी मदद स्वयं नहीं कर सकता, लेकिन घर वाले जानें कि यह बीमारी है और उन्हें इसमें पूरा सहयोग कर न केवल रोगी की स्थिति सुधारने में मदद करें, बल्कि यहां-वहां घूम कर व्यर्थ पैसा व श्रम बेकार न करें। जितनी जल्दी यह रोग पहचाना जाए, उतना ही अच्छा है। समय पर इलाज कराने से रोगी की स्थिति नियंत्रण में रहेगी। इलाज के दौरान लगने वाला समय अत्यंत लंबा हो सकता है, इसलिए परेशान न हों। इस संबंध में सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी परिवारजनों की है, क्योंकि वे ही सबसे पहले स्वभाव में आए परिवर्तनों को देख पाते हैं। रोगी की सही देखरेख और आत्मीयता उसके लिए मददगार हो सकती है।

दिमागी कसरत है फायदेमंद

अल्जाइमर जैसे रोग को नियंत्रित करने के लिए व्यक्ति के मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य का योगदान महत्वपूर्ण है। डॉक्टर इस बीमारी का इलाज भले ही न ढूंढ पाए हों, लेकिन वैज्ञानिकों का मानना है कि दिमागी कसरत इस बीमारी को दूर रख सकती है। नई भाषा सीखें, गेम, डांस, संगीत और खेलों में समय लगाएं।

डाइट जो अल्जाइमर पर रखे नियंत्रण

ब्रेकफास्ट महत्वपूर्ण है शोध बताते हैं कि सुबह का नाश्ता दिन भर की एनर्जी के लिए जरूरी है। हेल्दी नाश्ते से दिमाग को ईंधन मिलता है। इससे याददाश्त इंप्रूव होती है व एकाग्रता बढ़ती है। लेकिन ज्यादा कैलोरी वाला खाना आपको आलसी बनाता है और एकाग्रता में कमी लाता है।

चीनी कम

चीनी दिमाग को ईंधन देने का काम करती है, लेकिन टेबल शुगर नहीं, बल्कि खाने से मिला ग्लूकोज। तभी अत्यंत लो फील होने पर एक गिलास मीठा पेय आपको फुर्तीला बना देता है। एनर्जी बूस्टर का काम करता है कार्बोहाइड्रेट और शुगर। मधुमेह के शिकार हैं तो डाइटीशियन की सलाह लें।

मछली

प्रोटीन का बेहतरीन स्रोत है मछली। ओमेगा थ्री जैसा फायदेमंद ब्रेन टॉनिक और किसी में नहीं

मिलता। यह ब्रेन फंक्शन के साथ स्ट्रोक के खतरे को भी कम करती है। याददाश्त बढ़ाती है। हेल्दी ब्रेन व हार्ट के लिए सप्ताह में दो बार मछली खाएं।

नट्स

एंटीऑक्सीडेंट गुणों के साथ विटामिन ई भी इनमें मौजूद है। नट्स हमार शरीर में बी टाइप की कोशिकाओं का सृजन करते हैं, जो एंटीबॉडीज बना कर हानिकारक बैक्टीरिया को खत्म करने में मदद करती हैं। नट्स तनाव को झेलने की शक्ति भी देते हैं।

ब्ल्यू बेरीज है सुपर ब्रेन फूड

रिसर्च बताती हैं कि बेरीज में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स मस्तिष्क के लिए फायदेमंद हैं। यह फल फ्रीरेडिकल्स से होने वाले नुकसान से दिमाग को बचाता है, अल्जाइमर के खतरे को कम करता है। सीखने की क्षमता को बढ़ाता है, मसल फंक्शन को ठीक करता है। न्यूरोट्रांसमीटर की सक्रियता बढ़ाता है।

सोशल सेक्टर में हासिल करें सफलता की ऊंचाईयां

मॉनीटरिंग और इवैल्यूएशन में बनाएं कॅरियर

मॉनीटरिंग की प्रक्रिया वर्तमान में चल रहे प्रोजेक्ट्स तथा प्रोग्राम्स से डाटा का सिस्टमैटिक कलेक्शन है ताकि भविष्य में प्रेक्टिस को सुधारा जाए, बाहरी जवाबदेही को सुनिश्चित बनाया जाए और जाने-पहचाने फैसले लिए जाएं। मॉनीटरिंग की गतिविधि एक ऐसा काम है जो किसी प्रोजेक्ट की प्लानिंग स्टेज से शुरू होता है। मॉनीटरिंग उन प्रक्रियाओं तथा अनुभवों का दस्तावेजीकरण है जिनका इस्तेमाल आगे चलकर प्रोजेक्ट डिसीकान मेकिंग में किया जाता है। मॉनीटरिंग से योजनाओं की प्रगति की जांच में भी सहायता मिलती है।

जॉब एंड सैलरी

भारत में 3.3 मिलियन के लगभग एनजीओ यानि गैर-सरकारी संगठन कार्यरत हैं, जिनमें से 40 हजार विश्व स्तर पर काम कर रहे हैं। सोशल सेक्टर में काम करने के इच्छुक लोग सोशल सर्विस प्रोफेशनल, सोशल सर्विस असिस्टेंट या सोशल सर्विस एग्जीक्यूटिव के तौर पर जॉब कर सकते हैं। मास्टर ऑफ सोशल वर्क की डिग्री के साथ प्रथम श्रेणी वाला ग्रैजुएट सोशल वर्क क्षेत्र में शुरुआती तौर पर 20 से 25 हजार रुपए प्रति माह की सैलरी पा सकता है। अनुभव बढ़ने के साथ-साथ सैलरी भी बढ़ती जाती है। सोशल सेक्टर में बने रहने के लिए आपके मन में समाज परिवर्तन की इच्छा होने के साथ ही समाज कल्याण संबंधी प्रोजेक्ट्स की समझ होनी चाहिए। साथ ही प्रोजेक्ट की मॉनीटरिंग और इवैल्यूएशन अच्छी तरह आना चाहिए।

योग्यता...

इवैल्यूएशन व मॉनीटरिंग में विशिष्ट ट्रेनिंग उम्मीदवार को सोशल सेक्टर में जॉब प्राप्त करने में सहायक होती है। सोशल सेक्टर ज्वाइन करने के लिए मुख्य योग्यता है किसी भी विषय में ग्रेजुएशन, साथ ही किसी भी विषय में मास्टर्स या मास्टर ऑफ सोशल वर्क। इसके लिए ग्रेजुएशन व सर्टीफिकेट कोर्स सोशल सेक्टर में काम करने के लिए सहायक होता है।

डाटा की पहचान में मिलती है मदद

इवैल्यूएशन से डाटा की पहचान में सहायता मिलती है जो रणनीतिक निर्णय लेने में सहायक हो सकता है। इस तरह से यह प्रोजैक्ट्स के विभिन्न पहलुओं जैसे इसकी प्रासंगिकता, प्रभावी होना, निपुणता, प्रभाव तथा सस्टेनेबिल्टी संबंधी समाधान खोजने में सहायता करती है।

सामाजिक प्रोग्राम या प्रोजेक्स से जुड़ा प्रमुख तत्व

मॉनीटरिंग एंड इवैल्यूएशन किसी भी सामाजिक प्रोग्राम या प्रोजेक्ट से जुड़ा हुआ प्रमुख तत्व है। सोशल सेक्टर में विकासात्मक प्रोजेक्ट्स के लिए एम एंड ई स्टेक होल्डर्स के लिए सस्टेनेबिल्टी तथा सूटेबिल्टी संबंधी एक दृष्टि उपलब्ध करवाती है। सोशल सेक्टर के विकास के साथ ही कई सरकारी सेक्टर तथा गैर-सरकारी सेक्टर्स द्वारा असंख्य स्कीमें शुरू की गई हैं, जिनके लिए मॉनीटरिंग तथा इवैल्यूएशन की प्रक्रिया की विशिष्ट जानकारी की जरूरत होती है।

आलोचना के प्रति रखें सकारात्मक नजरिया

सृजनात्मक आलोचना, रचनात्मकता, नवाचार और समस्या सुलझाने के लिए अनिवार्य है। चूंकि नेतृत्व में इन तीनों खूबियों की ही जरूरत होती है इसलिए लीडर्स को सिर्फ यही सुनिश्चित नहीं करना चाहिए कि वे आलोचना के प्रति सकारात्मक नजरिया रखें, बल्कि उन्हें सक्रिय रूप से इसकी तलाश भी करनी चाहिए। केवल सामान्य फीडबैक ही न मांगें, बल्कि लोगों-अधीनस्थों, समकक्षों, ग्राहकों से कहें कि वे आपके विचारों तथा नीतियों की कमियां बताएं। दरअसल, आलोचना विचारों को परखने और लोगों व टीमों को जवाबदेह रखने की उपयोगी नीति हो सकती है।

घटनाओं पर चिंतन...

गैर शाब्दिक संकेतों पर गौर करें जिनसे पता चल सके कि वक्ता क्या नहीं कह रहा है। अनकही बात भी अक्सर कही गई बात जितनी ही महत्वपूर्ण होती है। स्वयं के साथ नियमित मीटिंग्स करें ऐसी स्थिति में जब मुश्किल आर्थिक हालात में फंसे हुए हैं तो आप अपने काम को पटरी पर बनाए रखने और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए क्या कर सकते हैं? सबसे बेहतर है कि आप खुद के साथ साप्ताहिक मीटिंग करें। आप चाहे जितने व्यस्त हों, यह कोई विलासिता नहीं है। यह तो अनिवार्य है। हर सप्ताह एक घंटे तक एकांत में हाल ही में घटी महत्वपूर्ण घटनाओं पर चिंतन-मनन करें-संघर्ष, असफलताएं, भुनाए गए अवसर, दूसरों के व्यवहार संबंधी अवलोकन, दूसरों से मिला फीडबैक। इस बारे में विचार करें कि आपकी प्रतिक्रिया कैसी थी, क्या अच्छी तरह हुआ, क्या अच्छी तरह नहीं हुआ और भविष्य में क्या ज्यादा कारगर हो सकता है। इस मीटिंग को कभी रद्द न करें-यह बेहद महत्वपूर्ण है।

बेहतर श्रोता बनने करें प्रयास...

नेतृत्व विशेषज्ञ बरसों से प्रबंधकों को प्रोत्साहित करते आ रहे हैं कि वे अपनी सुनने की क्षमता को बेहतर बनाएं। अच्छी तरह सुनने का मतलब सिर्फ यही नहीं है कि वक्ता यह महसूस करे कि आप उसकी बात सुन रहे हैं और उसका सम्मान कर रहे हैं। इसका अर्थ तो यह सुनिश्चित करना भी है कि आप कही गई बात को पूरी तरह समझ गए हैं। बेहतर श्रोता बनने के तीन सुझाव दिए जा रहे हैं।

समीक्षा करना भी जरूरी

किसी की बात सुनते समय आगे की सोचें और कल्पना करें कि वक्ता अब क्या कहने जा रहा है। सिर्फ शब्द ही न सुनें, बल्कि निष्कर्षों का अनुमान लगाने की कोशिश भी करें। कुछ देर ठहरें और मन ही मन बिंदुओं की समीक्षा करें।

रेसिपी

आम का अचार

सामग्री

- 2 कप छिले हुए कच्चे आम , स्ट्रिप्स् में कटे हुए
- 1/2 टी-स्पून हींग
- 1 टी-स्पून हल्दी पाउडर
- 2 टेबल-स्पून भुनी हुई सौंफ
- 2 टेबल-स्पून भुना हुआ जीरा
- 2 टेबल-स्पून लाल मिर्च पाउडर
- 1 टेबल-स्पून नमक
- 3 टेबल-स्पून सरसों का तेल

विधि

आम के स्ट्रिप्स और नमक को अच्छी तरह मिला लें। 1 घंटे के लिए रख दें। सारा आम का पानी नीचोड़ कर निकाल लें। आम के स्ट्रिप्स, हींग, हल्दी पाउडर, सौंफ, जीरा, लाल मिर्च पाउडर और सरसों को तेल को अच्छी तरह मिला लें। तुरंत परोसें या फ्रिज में 4 दिनों तक संग्रह करें।

पनीर स्प्रिंग अनियन पराठा

सामग्री

- 1/2 कप कसा हुआ पनीर
- 1/2 कप बारीक कटी हुई हरी प्याज (सफेद भाग और पत्ते)
- 3/4 कप गेहूं का आटा
- 1 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च
- नमक और ताजी पीसी हुई कालीमिर्च, स्वादअनुसार
- गेहूं का आटा, बेलने के लिए
- 2 टी-स्पून तेल, पकाने के लिए

विधि

सभी सामग्री को एक गहरे बाउल में मिलाकर, जरुरत मात्रा में पानी का प्रयोग कर नरम आटा गूंथ लें। आटे को 8 भाग में बाँट लें। थोड़े सूखे आटे का प्रयोग कर, आटे के प्रत्येक भाग को 125 मिमी के व्यास के गोल आकार में बेल लें। एक नॉन-स्टिक तवा गरम करें और 1/4 टी-स्पून तेल का प्रयोग कर, पराठे के दोनो तरफ सुनहरे दाग पड़ने तक पका लें। और पराठे बना लें। तुरंत परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**